THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 315 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.9 2081 गुरुवार, 6 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'यह लोकतांत्रिक प्रणाली की विफलता'

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अगर राज्यपाल आर.एन. रवि विधानसभा से पारित विधेयकों को दूसरी बार मंजूरी नहीं देते हैं, तो यह देश की लोकतांत्रिक प्रणाली की विफलता की वजह बनेगा। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह बात कही।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की बेंच तमिलनाडु सरकार की ओर से दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जो विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर राज्यपाल के साथ चल रहे टकराव को लेकर दायर की गई थीं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच विवाद से जनता और राज्य को नुकसान हो रहा है। >14

मोदी की संगम में डुबकी

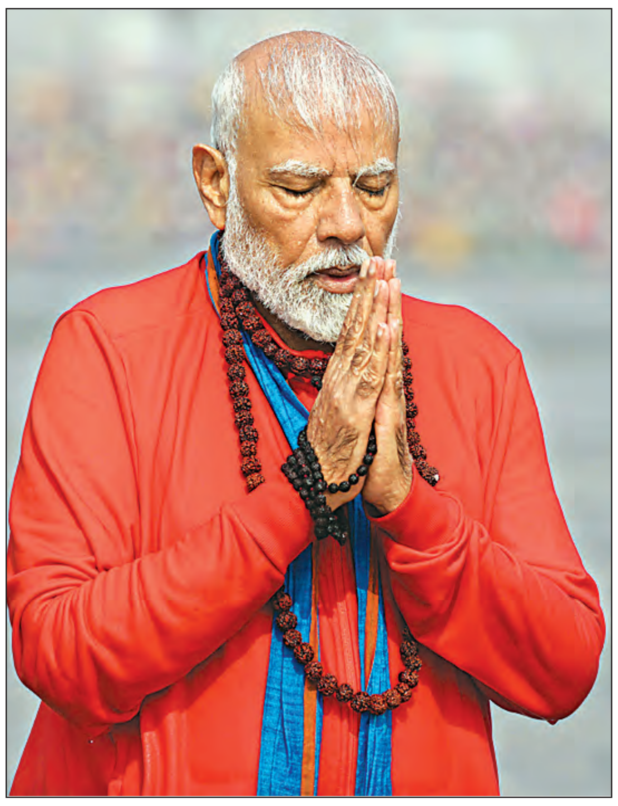

*** योगी के साथ संगम नोज पहुंचे * मंत्रोच्चार के बीच स्नान किया * कहा-पुण्य स्नान से धन्य हुआ**

प्रयागराज,5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई। स्नान के बाद पीएम ने सूर्य को अर्घ्य दिया। करीब 5 मिनट तक मंत्र का जाप करते हुए सूर्य पूजा की। संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया, साड़ी चढ़ाई।

संगम स्नान के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा-महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मैं भी करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द और अच्छा स्वास्थ्य दें। मोदी गंगा पूजन के बाद सीधे बोट से अरैल घाट पहुंचे। वहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मोदी के संगम स्नान के दौरान सीएम योगी भी साथ रहे।

मोदी के कुंभ स्नान का स्मार्ट प्रोटोकॉल

हवाई जहाज से पहुंचे, स्टीमर से संगम गए-मेले में एंट्री नहीं ली ताकि श्रद्धालु परेशान न हों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज कुंभ में त्रिवेणी संगम पर स्नान करने पहुंचे। प्रधानमंत्री एसपीजी के विशेष सुरक्षा घेरे में रहते हैं। उनके लिए वीवीआईपी प्रोटोकॉल फॉलो किया जाता है। यानी पीएम के आने-जाने के दौरान इलाके में आम लोगों की एंट्री बंद कर दी जाती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। 29 जनवरी की भगदड़ के बाद मोदी के आने से आम लोगों को दिक्कत न हो, इसके लिए बेहद स्मार्ट प्रोटोकॉल बनाया गया। प्रधानमंत्री की करीब 2 घंटे की विजिट और संगम स्नान के दौरान मुख्य मेला क्षेत्र में न तो ट्रैफिक बदलना पड़ा और न ही आम लोगों का स्नान रोकना पड़ा।

2 घंटे प्रयागराज में रहे मोदी

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसलिए पीएम ने कार्यक्रम बेहद सीमित रखा। वह करीब दो घंटे प्रयागराज में रहे। उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की। यहां तक कि दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी बमरौली एयरपोर्ट पर ही रहे। मोदी का विमान सुबह करीब 10.30 बजे दिल्ली से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचा। यहां सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से पीएम डीपीएस के हेलीपैड पहुंचे। यहां से उनका काफिला अरैल के वीआईपी घाट पहुंचा। वहां से योगी के साथ बोट से संगम पहुंचे। पीएम के दौरे को देखते हुए मेले की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

एग्जिट पोल्स में बीजेपी को बहुमत

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में बुधवार को मतदान के साथ ही चुनाव संपन्न हो गए। यहां विधानसभा की 70 सीटों पर कराए गए एक चरण में 5 बजे तक 57.70% मतदान दर्ज किया गया।

एजेंसी	आप	बीजेपी+	कांग्रेस
मैट्रिज	32-37	35-40	0-1
पी-मार्क	21-31	39-49	0-1
पीपल्स इनसाइट	25-29	40-44	0-2
पीपल्स पल्स	10-19	51-60	0-0
जेवीसी पोल	22-31	39-45	0-2
पोल डायरी	18-25	42-50	0-2
चाणक्य स्ट्रैटिजीज	25-28	39-44	2-3
वीप्रीसाइड	46-52	18-23	0
माइंड ब्रिंक	44-49	21-25	0-1

विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद अलग-अलग सर्वे एजेंसियां कुछ ही देर में दिल्ली के लिए एग्जिट पोल के आंकड़े जारी करने शुरू कर दिए। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कई पोलिंग एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स जारी कर दिए हैं। इनमें से अब तक जिन सात एग्जिट पोल्स का एलान हुआ है, उन सभी में भाजपा को बहुमत मिलता दिख रहा है।

मैट्रिज के एग्जिट पोल के मुताबिक, आप को 32-37 सीटें मिल सकती हैं। वहीं भाजपा को 35-40 सीट मिल सकती हैं। उधर कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है।

जेवीसी के एग्जिट पोल के मुताबिक, आप को 22 से 31 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। भाजपा को 39-45 सीटें और कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल कर सकती है।

चाणक्य के एग्जिट पोल के मुताबिक, भाजपा को 39 से 44 सीटें मिल सकती हैं। यानी भाजपा खुद बहुमत हासिल कर सकती है। वहीं आप को 25-28 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को 2-3 सीटें मिलने की संभावना है। पीपल्स पल्स के एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी महज 10 से 19 सीटों पर सिमटती दिख रही है। वहीं, भाजपा 51-60 सीटों का बंपर आंकड़ा छू सकती है। इस सर्वे में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलता दिख रहा।

पीपल्स इनसाइट के मुताबिक, भाजपा को 40 से 44 सीटें मिल सकती हैं। आप को 25-29 सीटें मिलने की संभावना है। कांग्रेस को इसमें 0-1 सीट का आंकड़ा दर्शाया गया है।

पोल डायरी के मुताबिक, भाजपा को 42-50 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिल सकता है। आप का आंकड़ा गिरकर 18-25 सीटों पर आ सकता है। कांग्रेस को यहां 0-2 सीटें मिलने की संभावना है।

रामलला के दर्शन सुबह 6 से रात 10 तक

> सिर्फ 15 मिनट के लिए कपाट बंद होंगे, एनआरआई काउंटर से पास बनवा सकेंगे

अयोध्या, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला के दर्शन के टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। अब मंदिर रोजाना करीब 16 घंटे खुला रहेगा। श्रृंगार आरती के बाद सुबह 6 बजे भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खुलेंगे। रात 10 बजे तक रामलला के दर्शन देंगे। इस दौरान संध्या आरती के लिए सिर्फ 15 मिनट के लिए कपाट बंद रहेंगे। पहले मंदिर सुबह 7 बजे से रात साढ़े 9 बजे तक खुलता था, यानी अब मंदिर डेढ़ घंटे ज्यादा खुला रहेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए टाइम टेबल में बदलाव किया गया है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे। सुबह आधे घंटे और शाम को 1 घंटे दर्शन अवधि बढ़ाई गई है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक, नई व्यवस्था में बिड़ला धर्मशाला के सामने के मुख्य द्वार से दर्शन के लिए प्रवेश होगा।

तिरुपति मंदिर में 18 गैर हिंदू कर्मचारियों पर एक्शन

> 'शपथ' तोड़ने के बाद में टीटीडी ने कर दिया ट्रांसफर

तिरुपति, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर मंदिर का मैनेजमेंट करने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने वाले 18 कर्मचारियों का ट्रांसफर कर दिया है। टीटीडी के आदेश के मुताबिक, कर्मचारियों में से 6 अलग-अलग टीटीडी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में टीचर्स हैं। इनके अलावा एक डिप्टी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, एक असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, एक असिस्टेंट टेक्निकल ऑफिसर, एक हॉस्टल वर्कर, दो इलेक्ट्रीशियन और दो नर्स शामिल हैं। यह फैसला बोर्ड की नवंबर में हुई मीटिंग में गैर-हिंदुओं को ट्रांसफर करने और राजनीतिक भाषणों पर बैन लगाने के फैसले के कुछ महीनों बाद लिया गया है। बीआर नायडू के शपथ ग्रहण के बाद में यह पहली मीटिंग थी।

ट्रांसफर किए गए लोगों में तिरुपति के एसवी आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रोफेसर डॉ केवी विजय भास्कर रेड्डी, तिरुपति के एसपीडब्ल्यू डिग्री और पीजी कॉलेज में लेक्चरर और प्रिंसिपल के सुजाता और जी असुंथा शामिल हैं। एसजीएस आर्ट्स कॉलेज में लेक्चरर के प्रताप, एसवी आर्ट्स कॉलेज में लेक्चरर के मानेकशॉ दयान और तिरुपति के एसवी आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रिंसिपल डॉ रेणु दीक्षित के अलावा ए आनंद राजू, डिप्टी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और ए राजशेखर बाबू, असिस्टेंट ईओ का भी तबादला किया गया है। टीटीडी के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जे श्यामल राव की तरफ से जारी आदेश में बोर्ड ने कहा कि 18 कर्मचारियों को अन्य पदों पर ट्रांसफर कर दिया है। >14

राज्यसभा में भड़के खड़गे

पूर्व पीएम चंद्रशेखर के बेटे से बोले चुप बैठ, तेरा बाप मेरा साथी था

धनखड़ ने कहा-बयान वापस लें

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भाषण देते समय भड़क उठे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर से कहा कि चुप बैठ, तेरा बाप भी मेरा साथी था। तू क्या बात करता है। विवाद बढ़ता देख चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने दोनों से शांत रहने को कहा। और कहा-चंद्रशेखर देश के बड़े नेताओं में से एक हैं। इसलिए अपना बयान वापस लें। दरअसल, खड़गे 3 फरवरी को बजट सत्र के तीसरे दिन बहस के दौरान वे अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में हुई गिरावट पर बोल रहे थे, तभी शेखर ने उन्हें बीच में टोक दिया। इस पर खड़गे ने उन्हें याद दिलाया कि वे उनके पिता के समकालीन हैं, इसलिए नीरज उन्हें टोकें नहीं।

धनखड़ के हस्तक्षेप के बाद खड़गे ने कहा कि उन दोनों को एक साथ गिरफ्तार किया गया था। इसलिए उन्होंने कहा था कि उनके पिता खड़गे के साथी हैं। इसके बाद धनखड़ ने उनसे-आप कह रहे हैं 'तेरा बाप', क्या हम इस अभिव्यक्ति को प्रमाणित कर सकते हैं? आप एक अन्य माननीय सदस्य को कह रहे हैं 'तेरा बाप', हमें चंद्रशेखर के प्रति सम्मान रखना चाहिए। कृपया, अपना बयान वापस लें। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद नीरज शेखर 2019 में भाजपा में शामिल हो गए। उनके पिता चंद्रशेखर को देश के इतिहास में सबसे बड़े समाजवादी नेताओं में से एक माना जाता है और उन्होंने अक्टूबर 1990 से जून 1991 तक छह महीने तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

'सीमा पर बांग्लादेशियों के अवैध निर्माण को रोकने के लिए उठाएं कड़े कदम'

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अपने क्षेत्रीय कमांडरों को आदेश दिया कि वह भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बांग्लादेशियों की ओर से किए जा रहे अवैध निर्माण को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करें। बीएसएफ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 2024 में भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध निर्माण की करीब 80 घटनाएं सामने आईं।

932 किमी लंबी सीमा की सुरक्षा करता है उत्तर बंगाल फ्रंटियर

बीएसएफ के उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने 31 जनवरी को एक बयान जारी किया था, जिसमें बताया गया था कि हाल के समय में इसके क्षेत्राधिकार में अवैध निर्माण की घटनाएं बढ़ी हैं। उत्तर बंगाल फ्रंटियर 932 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा करता है और इसका मुख्यालय पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में है। फ्रंटियर ने बुधवार को एक ताजा बयान में बताया कि

बीएसएफ का कमांडरों को आदेश

4-5 फरवरी की रात को बांग्लादेशी अपराधियों के एक समूह ने अवैध रूप से भारत के दक्षिण दिनाजपुर जिले के मिलकपुर सीमा गांव में प्रवेश किया और बीएसएफ की एक पार्टी पर हमला किया। इस हमले में एक जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हुए। ये अपराधी तस्करी और डकैती के मकसद से सीमा पार आए थे। उत्तर बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने बताया गया कि हमलावरों को रोकने के लिए बीएसएफ ने गैर-घातक गोलियां चलाईं, लेकिन वे अपनी आक्रामकता को जारी रखते हुए बीएसएफ पार्टी को घेरने का प्रयास कर रहे थे। जब एक बीएसएफ जवान का हथियार छीनने की कोशिश की गई, तो उन्होंने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिससे हमलावर वापस अपनी सीमा में भाग गए।

सीमा कमांडरों को कड़ी निगरानी करने का आदेश

अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद बीएसएफ ने अपने सभी सीमा कमांडरों को डेढ़ मीटर के दायरे में अवैध निर्माण को रोकने के लिए कड़ी निगरानी और कार्रवाई करने का आदेश दिया। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों को सीमा के अग्रिम क्षेत्रों का नियमित दौरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

बीएसएफ ने पहले कहा था कि बांग्लादेश नागरिक और बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीपी) सीमा पर अवैध निर्माण करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन बीएसएफ की चौकसी ने उनकी गतिविधियों को रोक दिया। हाल ही में बांग्लादेशी नागरिकों की ओर से मेखलिगंज और कूचबिहार में अवैध निर्माण की कोशिश की गई, जिसे बीएसएफ ने रोक दिया।

विजय माल्या की याचिका पर कर्नाटक एचसी ने बैंकों को जारी किया नोटिस

> लोन वसूली से जुड़ी जानकारी मांगी

बंगलूरू, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को कई बैंकों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या की याचिका पर दिया गया है, जिसमें उन्होंने लोन वसूली से जुड़ी जानकारी मांगी है। विजय माल्या की याचिका में उन रकमों का ब्योरा मांगा गया है, जो उनसे, उनकी कंपनी यूनाइटेड ब्रेवरीज होल्डिंग्स लिमिटेड (यूबीएचएल) और अन्य कर्जदारों से वसूली गई हैं। बैंकों से पूरा हिसाब मांगा गया है कि उन्होंने अब तक कितना पैसा वसूला है और किन संपत्तियों से यह वसूली की गई है। यह स्पष्ट करने की मांग की गई है कि जब पूरा कर्ज चुकता हो चुका है, तो गारंटर कंपनी यूबीएचएल को फिर से शुरू करने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही।

बैंकों से उन संपत्तियों की जानकारी मांगी गई है, जो अभी भी उनके पास हैं लेकिन अब तक वसूली के लिए इस्तेमाल नहीं की गई हैं। अस्थायी राहत के रूप में बैंकों की तरफ से आगे की संपत्ति बिक्री पर रोक लगाने की मांग की गई है, जब तक कि यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि कर्ज की पूरी भरपाई हो चुकी है। वहीं इस मामले की सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आर. देवदास ने इस पर बैंकों से जवाब मांगा है और उन्हें 13 फरवरी तक अपनी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। बता दें कि, याचिका में बैंकों से अनुरोध किया गया है कि वे 10 अप्रैल, 2017 को डीआरटी की तरफ से जारी संशोधित वसूली प्रमाणपत्र के बाद, उनके पक्ष में वसूली गई राशि का विवरण देने के साथ-साथ इन वसूली को करने के लिए उपयोग की गई संपत्तियों के मूल मालिकों के बारे में जानकारी प्रदान करें।

भारत आएगी टेस्ला! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी यात्रा पर एलन मस्क के साथ कर सकते हैं मीटिंग

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करने के लिए अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं, साथ ही इस दौरान वे टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क से भी मिल सकते हैं।

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क उन चुनिंदा सीईओ के साथ होने वाली पीएम मोदी की उस मीटिंग का हिस्सा होंगे, जो 13 फरवरी को प्रस्तावित है। अमेरिकी सरकार द्वारा खर्चों में कटौती के लिए बनाए गए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के चीफ मस्क अपनी इलेक्ट्रिक कारों के लिए समान अवसरों की वकालत कर सकते हैं। वह देश में किफायती सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक का परिचालन शुरू करने के लिए जल्द रेगुलेटरी एप्रूवल की भी मांग कर सकते हैं, साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ सहयोग बढ़ा सकते हैं। हालांकि, अभी पीएम मोदी और मस्क के बीच मुलाकात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पिछले साल मस्क ने अपनी नियोजित भारत यात्रा को टाल दिया था। इसकी वजह टेस्ला के खराब नतीजे थे। भारत यात्रा में देरी पर मस्क ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा था कि टेस्ला के दायित्वों के कारण भारत यात्रा में देरी हुई है। मैं इस साल के अंत में भारत आऊंगा। इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने हाल ही में हुई बैठकों के दौरान अपने 'पावरवॉल' के साथ देश की बैटरी स्टोरेज क्षमताओं का समर्थन करने का प्रस्ताव रखा है। मस्क भारत में टेस्ला सप्लाई सिस्टम बनाना चाहते हैं। पिछले साल जून में पीएम मोदी के रिकॉर्ड तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने जाने के बाद, टेस्ला के सीईओ ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वह अपनी कंपनियों का भारत में विस्तार करना चाहते हैं।

(फाइल फोटो)

'भारतीयों के हाथ में हथकड़ी, अपमान'

अमेरिका से निर्वासन की खबरों पर कांग्रेस ने जताया दुख

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका का एक सैन्य परिवहन विमान भारतीय प्रवासियों के एक समूह को भारत ला रहा है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अवैध प्रवासियों पर बड़ी कार्रवाई के तहत पहली बार भारत में निर्वासन कर रहा है। भारतीयों को ले जाने वाली निर्वासन उड़ान पर सीधे टिप्पणी किए बिना, नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन आव्रजन कानूनों को कड़ा कर रहा है और अवैध प्रवासियों को हटा रहा है। वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बड़ा दावा करते हुए कहा, 'अमेरिका से निर्वासित किए जाने के दौरान भारतीयों को हथकड़ी लगाए जाने और अपमानित किए जाने की तस्वीरें देखकर एक भारतीय के तौर पर मुझे दुख होता है।' >14

बिहार नहीं तेलंगाना वाली जाति जनगणना कराएंगे : राहुल

पटना में इतिहास पर उठाया सवाल, कहा-दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। 19 दिन में दूसरी बार बुधवार को पटना पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार की जातीय गणना पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'हम बिहार वाली जातीय गणना नहीं करवाएंगे। अगर देखना है तो तेलंगाना वाली जाति जनगणना देखिए।' श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में 15 मिनट के भाषण में कांग्रेस नेता ने दलितों को हक दिलाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हमने इतिहास की किताब में दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन पढ़ी हैं।

दलित और अछूत। उन्होंने मोदी सरकार पर दलितों, पिछड़ों और अतिपिछड़ों की हकमारी करने का आरोप लगाया। बोले, 'संस्थानों में हक दिलाने का पहला कदम जाति जनगणना है। इसको हम कराएंगे।' इससे पहले 18 जनवरी को बिहार दौरे पर आए राहुल गांधी ने बिहार की जाति जनगणना (सर्वे) को फर्जी करार दिया था।

कांग्रेस नेता ने कहा-हमने इतिहास की किताब में दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन पढ़ी हैं। दलित और अछूत। आपका कोई इतिहास नहीं है क्या? दो लाइन से आपका दर्द मिट जाएगा क्या? राहुल गांधी ने कहानी सुनाई। अमेरिका में परीक्षा होती थी। गोरे लोगों का परफॉर्मेंस बेहतर होता था, काले लोगों का परफॉर्मेंस खराब होता था। लोग कहते थे गोरे लोग ज्यादा होशियार हैं, एक शिक्षक ने बदलाव किया और सवाल अफ्रीकन से सेट करवाया। परीक्षा में सारे गोरे फेल हो गए।

पावर स्ट्रक्चर में दलितों की भागीदारी नहीं

राहुल गांधी ने कहा-मोदी सरकार नहीं चाहती है कि देश में जातीय जनगणना हो, लेकिन मैं चाहता हूं कि दलित, ओबीसी आदिवासी को उनकी भागीदारी मिले। आज हिंदुस्तान का जो पावर स्ट्रक्चर है, संस्थाएं हैं। शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कॉरपोरेट इंडिया हो, ज्यूडिशियरी हो, इसमें दलितों की भागीदारी कितनी है? लोग कहते हैं कि दलितों को रिप्रजेंटेशन मिला, लेकिन पावर स्ट्रक्चर में शामिल नहीं किया गया।'

दलित समुदाय के लोग लीडरशिप में आएं

राहुल गांधी ने हाथ में संविधान की किताब दिखाकर कहा, 'आरएसएस और बीजेपी वाले संविधान के सामने माथा टेकते हैं। पीछे इसे खत्म करने की साजिश कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि दलित समुदाय के लोग लीडरशिप में आएं। देश के टॉप-10 कंपनियों के मालिक में दलित भी हो। मोदी दलितों-पिछड़ों की जेब से पैसा निकालकर 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपया माफ किया, इस लिस्ट में एक भी दलित नहीं है। मीडिया में दलितों की भागीदारी नहीं। कांग्रेस नेता जिनकी जयंती में आए उनका ही नाम भूल गए। अपने संबोधन में एक नहीं दो बार उन्होंने जगलाल चौधरी को जगत लाल कहा। दूसरी बार जब लोगों ने टोका तो उन्होंने सॉरी कहते हुए अपनी गलती सुधारी।

ओडिशा में जलग्रहण परियोजना के डिप्टी डायरेक्टर के घर मिला नोटों का 'पहाड़'

1.50 करोड़ नकद बरामद

मलकानगिरी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा विजिलेंस ने मलकानगिरी जिले में जलग्रहण परियोजना के डिप्टी डायरेक्टर पीडी शंतनु महापात्र के घर पर छापा मारा। इस छापेमारी में अब तक 1.50 करोड़ नकद जब्त किए गए, जो ज्यादातर 500 के नोटों में थे। विजिलेंस को शक था कि शंतनु महापात्र के पास उनकी आय से अधिक संपत्ति है।

इसी आधार पर विजिलेंस के विशेष न्यायाधीश, जयपुर से सर्च वारंट लेकर उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई। विजिलेंस टीम ने सात स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें जयपुर में शांतनु महापात्र का तीन मंजिला घर, मलकानगिरी में सहायक कृषि अभियंता मोहन मंडल का घर, मलकानगिरी में डाटा एंट्री ऑपरेटर बिस्वजीत मंडल का घर, मलकानगिरी में अनुबंधित कर्मचारी अमियाकांत साहू का घर, मलकानगिरी में महापात्र का ऑफिस, कटक के बलिसाही, नुआपाड़ा में उनके पैतृक घर और भुवनेश्वर के भीमटांगी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में उनके रिश्तेदार का घर शामिल हैं। इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए 2 एडिशनल एसपी, 4 डीएसपी, 10 इंस्पेक्टर, 6 एएसआई शामिल थे। विजिलेंस अधिकारियों ने छापे के दौरान दस्तावेजों की भी जांच की, जिससे और जानकारी सामने आ सकती है। विजिलेंस की टीम जब्त किए गए कैश और दस्तावेजों की गहराई से जांच कर रही है।

दिल्ली चुनाव और अरविंद केजरीवाल पर संजय राउत का बड़ा बयान

' पता नहीं बीजेपी के पास क्या जादू है'

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। संजय राउत ने कहा कि अगर काम के आधार पर देखें तो दिल्ली में वोट अरविंद केजरीवाल को ही मिलने चाहिए। महाराष्ट्र में भी हमने सोचा था कि वोट हमें (एमवीए) ही मिलेंगे, लेकिन पता नहीं बीजेपी के पास क्या जादू है। हमें आशा है कि आम आदमी पार्टी को अच्छी सीटें मिलेंगी और वापस यह लोग दिल्ली में जनता की सेवा में आएंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से वोटिंग हो रही है। दोपहर 1 बजे तक कुल 33.31 प्रतिशत मतदान हुआ है। सबसे अधिक मतदान उत्तर पूर्वी दिल्ली में 39.81 फीसदी हुआ है। वहीं सबसे कम मतदान सेंट्रल दिल्ली में 29.74 प्रतिशत हुआ है।

वहीं मुस्तफाबाद सीट पर सबसे ज्यादा 43 प्रतिशत वोटिंग हुई है। वहीं सबसे कम 25.01 प्रतिशत वोटिंग करोल बाग में हुई है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम 8 फरवरी को आएंगे। दिल्ली की 70 सीटों पर निर्दलीय समेत कुल 699 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला दिल्ली की एक करोड़ छप्पन लाख जनता करेगी।

अरविंद केजरीवाल पर अन्ना हजारे पर साधा निशाना

इससे पहले सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। अन्ना हजारे ने कहा, मैं आज एक बात बताना चाहता हूं कि शुरुआत में अरविंद केजरीवाल मेरे साथ आए थे और उस दौरान उनकी नीयत साफ थी। वह सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण से सोचते थे, इसलिए मुझे लगा कि वह एक अच्छा कार्यकर्ता है। हालांकि, जब मुझे पता चला कि वह (केजरीवाल) स्वार्थी हैं, तो मैंने उन्हें अपने साथ से हटा दिया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में तो केजरीवाल के विचार अच्छे थे और उस दौरान तो वह किसी दल के बारे में भी नहीं सोचते थे। मगर अब वह शराब की बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिस शराब के लिए हम लोगों ने आंदोलन किया, उसके बारे में वह अब बात कर रहे हैं। केजरीवाल पहले अच्छे आदमी थे, मगर अब वह गलत राह पर हैं। मैं सभी लोगों से अपील करूंगा कि वे किसी से पैसा लेकर वोटिंग न करें और सोच-समझकर ही अपने मताधिकार का इस्तेमाल करें।

ड्राई क्लीनिंग की दुकान में मिला 'खजाना', 5 करोड़ रुपये जब्त

भंडारा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भंडारा जिले में ड्राई क्लीनिंग की दुकान बहुत फेमस है, महाराष्ट्र के भंडारा जिले में एक ड्राई क्लीनिंग की दुकान से कथित तौर पर बैंक से संबंधित 5 करोड़ रुपये नकदी बरामद की गई। इसके बाद पुलिस ने एक निजी बैंक प्रबंधक सहित नौ लोगों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है।

पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन ने बताया कि कुछ लोगों ने स्पष्ट तौर पर एक्सिस बैंक के शाखा प्रबंधक को छह करोड़ रुपये वापस देने का वादा कर उन्हें पांच करोड़ रुपये देने का लालच दिया। एक जानकारी पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा और आतंकवाद विरोधी सेल की टीमों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर तुमसर इलाके के इंदिरा नगर में स्थित ड्राई क्लीनिंग की दुकान पर छापेमारी की।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उन्होंने दुकान में एक बक्से में रखी पांच करोड़ रुपये की नकदी जब्त कर ली। मशीनों की मदद से नकदी गिनने में पुलिस को करीब दो घंटे लग गए। हसन ने कहा, प्रबंधक ने बैंक से नकदी निकाल ली। हमने एक्सिस बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर दिया है और उनके तुमसर आने पर अधिक जानकारी प्राप्त की जाएगी।' उन्होंने बताया कि बैंक मैनेजर और आठ अन्य लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

दून में 18 से 24 फरवरी के बीच आयोजित होगा बजट सत्र, बोले वित्त मंत्री

देहरादून, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बजट सत्र 2025-26 देहरादून में 18 से 24 फरवरी की अवधि के बीच आयोजित किया जाएगा। वित्त मंत्री उत्तराखंड डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि राज्य के विभिन्न वर्गों जैसे व्यापारी, किसान, लघु उद्योग, शिक्षा आदि क्षेत्र से जुड़े लोगों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण सुझावों को उत्तराखंड के बजट में शामिल किया गया है। जनहित की भावनाओं को ध्यान में रखकर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्यों की सूची में शामिल करने की दिशा में बजट लाया जाएगा। डॉ अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश भर से लगभग 200 से अधिक हित धारकों से सुझाव लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के विकास की परिकल्पना को यह बजट साकार करेगा।

ओडिशा के राउरकेला में मालगाड़ी पटरी से उतरी बस्ती में जा घुसी बोगी, बढ़ी लोगों की परेशानी

राउरकेला, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ओड़िशा के राउरकेला के मालगोदम बस्ती इलाके में एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे इलाके में बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। ट्रेन की तीन बोगियां ट्रैक से उतरकर पास की बस्ती में घुस गईं। इस हादसे के कारण मालगोदम रेलवे गेट और बसंती रोड के बीच का मुख्य रास्ता बंद हो गया है, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। रेलवे और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और गिरी हुई बोगियों को हटाने का काम तेजी से चल रहा है।

मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी

राउरकेला एसपी के मुताबिक प्राथमिक सूचना के अनुसार रेलवे के किसी तकनीकी संचालन के दौरान ये हादसा हुआ है। हादसे में अब तक किसी के आहत होने या किसी की जान जाने की सूचना नहीं मिली है। हम फिर भी राहत बचाव कार्य चला रहे हैं और स्थिति स्वाभाविक करने की कोशिश कर रहे हैं। जाना जा रहा है कि इस रेल मार्ग पर जल्द ही रेल यातायात सुचारू रूप से चलने लगेगा।

बोगियां बस्ती में घुस गईं

रेलवे ने यह जानने के लिए जांच शुरू कर दी है कि यह हादसा कैसे हुआ। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दक्षिण पूर्वी रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि राउरकेला रेलवे यार्ड से जब खाली कंटेनर रेक को प्लेस किया जा रहा था तब बफर जोन और डेड एंड को तोड़ते हुए बोगियां पीछे बस्ती में घुस गईं। बोगियां खाली थीं। बोगियां दीवार तोड़ लगभग 10 मीटर आगे जा कर बस्ती में घुस गईं हैं। किसी के भी आहत होने की खबर नहीं है। लोगों से कहा गया है कि जब तक रास्ता पूरी तरह साफ नहीं हो जाता, वे दूसरा रास्ता अपनाएं और प्रशासन की बात मानें।

आप उम्मीदवार अमानतुल्लाह खान के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक और प्रत्याशी अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें बढ़ गई। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में रात जामिया नगर थाना पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अमानतुल्लाह खान के ऊपर आरोप है कि उन्होंने चुनाव आचार संहिता का बीती रात उल्लंघन किया। अमानतुल्लाह खान बीती रात बड़ी तादाद में लोगों को अपने साथ लेकर अपने विधानसभा क्षेत्र में घूम रहे थे। इसके बाद पुलिस को जानकारी मिली और पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाया।

शिक्षक के घर ईओडब्ल्यू का छापा

परिवार के लोगों को जगाकर घर में घुसी टीम, आय से अधिक संपत्ति का आरोप

शिवपुरी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। शिवपुरी जिले के भौंती कस्बे में बुधवार सुबह ईओडब्ल्यू ने एक सरकारी शिक्षक के घर छापा मारा। बताया जा रहा है कि केडर गांव में कार्यरत शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। दअरसल, बुधवार सुबह 6 बजे जब शिक्षक और उनका परिवार सो रहा था, तब ईओडब्ल्यू ग्वालियर के निरीक्षक जय सिंह यादव ने टीम के साथ उनके घर दस्तक दी। ईओडब्ल्यू की टीम शिक्षक के घर में मौजूद है और जांच कर रही है। टीम उनके बैंक खातों, संपत्ति के कागजात और अन्य वित्तीय लेन-देन के कागजात देख रही है। अभी तक ईओडब्ल्यू की ओर से कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जानकारी के मुताबिक शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया भिंड जिले के रहने वाले हैं। कई साल पहले वह भौंती में आकर बस गए थे। सुरेश सिंह भदौरिया पिछोर के कद्दावर नेता केपी सिंह कक्काजू के करीबी माने जाते हैं। टीचर बनने के पहले सुरेश सिंह भदौरिया राशन की दुकान चलाते थे, फिर वे जमीन खरीदी का काम भी करने लगे थे।

बता दें सुरेश सिंह भदौरिया पर हरिजन एक्ट सहित आधा दर्जन से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। सुरेश सिंह भदौरिया ने भौंती थाना की जमीन को अपना बता कर कब्जा कर लिया था। उन्होंने कोर्ट में भी दावा किया था, हालांकि, एक महीने पहले ही वह केस हार गए थे। अब प्रशासन कब्जे पर से अतिक्रमण हटाने की तैयारी में हैं।

लॉ की छात्रा का रेप, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया

इंदौर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। आज़ाद नगर पुलिस ने कानून की पढ़ाई कर रही एक छात्रा की शिकायत पर तुषार खोड़े के विरुद्ध दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जान से खत्म करने की धमकी का केस दर्ज किया है। आरोपित भी कानून का छात्र है और उसकी 2020 में इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। छात्रा का आरोप है कि मई 2021 में तुषार उसे कार से धार स्थित एक होटल ले गया और शादी करने का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान उसने छात्रा का आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया। इसके बाद आरोपित ने अलग-अलग होटलों में बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए और धमकाकर कोरे स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर भी करवा लिए। रविवार को जब पीड़िता ने शादी की बात की, तो तुषार ने उसे धमकाया और उसके पिता को फोन कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। टीआई विजय सिसोदिया के अनुसार, इस मामले में शून्य पर कायमी कर केस धार कोतवाली पुलिस को जांच के लिए सौंपा जा रहा है।

दवा व्यापारी की बैडमिंटन खेलते हार्ट अटैक से मौत

इंदौर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में दवा व्यापारी की बैडमिंटन खेलने के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। मौके पर मौजूद साथियों ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। रिस्पॉन्स नहीं मिलने पर नजदीक के निजी अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसा बुधवार सुबह अभय प्रशाल का है। साउथ तुकोगंज के रहने वाले अमित चेलावत (45) रोजाना की तरह बैडमिंटन खेल रहे थे। खेल के दो दौर पूरे हो चुके थे, तभी अमित के सीने में दर्द शुरू हुआ। वे एक ओर जाकर बैठ गए। कुछ ही देर में उनको बेहोशी छाने लगी। साथियों ने सीपीआर दिया तो वे उठकर बैठ गए। उन्हें तात्कालिक उपचार के रूप में सॉर्बिट्रेट टैबलेट देनी चाही तो अमित ने यह कहकर लेने से इनकार कर दिया कि वे जैन धर्म की परंपरा नवकारसी के अनुसार सुबह 8 बजे के पहले कुछ खा नहीं सकते।

दुनिया के 75 फीसदी बाघ भारत में

आवास की सुरक्षा के साथ वन्यजीव संघर्ष को कम करने से मिली कामयाबी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में अब दुनिया के सबसे अधिक 75 फीसदी बाघों का बसेरा है। पिछले दस वर्षों से भी कम समय में भारत ने अपनी बाघों की आबादी को दोगुना कर लिया है। यह उपलब्धि अवैध शिकार पर सख्ती, बाघों के आवास की सुरक्षा, पर्याप्त शिकार सुनिश्चित करने, मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने और स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार के जरिए संभव हो पाई है। साइंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार भारत की सफलता अन्य देशों के लिए एक उदाहरण है कि संरक्षण प्रयास न केवल जैव विविधता के लिए बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए भी लाभकारी हो सकते हैं। अध्ययन का नेतृत्व कर रहे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, बंगलूरू के वरिष्ठ वैज्ञानिक यदवेंद्र देव झाला का कहना है कि आम धारणा के विपरीत मानव घनत्व बाघों की संख्या बढ़ाने में बाधक नहीं है, बल्कि यह लोगों के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है।

अध्ययन में इस बात पर जोर

अध्ययन में कहा गया कि संरक्षण के प्रयास तभी सफल होंगे जब स्थानीय समुदायों को इसका हिस्सा बनाया जाएगा और उन्हें इसके लाभ भी मिलें। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को बाघों के साथ ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) और कैराकल जैसी अन्य संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण पर भी ध्यान देना चाहिए।

3682 हुए बाघ

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के अनुसार 2010 में बाघों की संख्या 1,706 थी, जो 2022 में बढ़कर 3,682 हो गई है। इस बढ़ोतरी से भारत में वैश्विक बाघ आबादी का तीन-चौथाई हिस्सा हो गया है। बता दें कि भारत में लगभग 1.38 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं बाघ, 25% क्षेत्र ही पूरी तरह से संरक्षित है।

बुर्के में वोटिंग से लेकर पैसे बांटने तक मतदान के बीच तीन जगहों पर बवाल

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है। सभी 70 सीटों पर लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बीच कुछ जगहों पर हंगामे की खबर है। सीलमपुर, जंगपुरा और ग्रेटर कैलाश में प्रशासन और नेताओं के बीच बहस देखने को मिली है। सीलमपुर में बुर्के में वोटिंग को लेकर बवाल हो गया। बीजेपी ने आरोप लगाया कि बुर्के की आड़ में गलत वोट डाले जा रहे हैं। हंगामा इतना बढ़ा कि बीजेपी और कांग्रेस के कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। बीजेपी ने आरोप लगाया कि आर्यन पब्लिक स्कूल ब्रह्मपुरी में बने बूथ पर फर्जी वोटिंग हो रही है। माहौल को संभालने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस ने बाद में बयान दिया कि फर्जी वोट डालने का आरोप साबित नहीं हुआ है और कहा कि बूथ पर बुर्का हटा कर चैकिंग हो रही है। वहीं, ग्रेटर कैलाश में आप प्रत्याशी सौरभ भारद्वाज ने पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया है। सौरभ का आरोप है कि लोगों को वोट देने के लिए आने से रोका जा रहा है।

वोटरों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग – भारद्वाज

भारद्वाज ने आरोप लगाया कि रास्ते पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है जिससे लोगों को आने में काफी दिक्कत हो रही है। इस मामले को लेकर सौरभ भारद्वाज की पुलिस वालों के साथ बहस हुई। उधर, सौरभ भारद्वाज के आरोप पर पुलिस का कहना है कि वो नियम के मुताबिक काम कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश के मुताबिक ही सब कुछ हो रहा है, क्योंकि गाइडलाइंस का पालन होना जरूरी है।

मनीष सिसोदिया की सीट पर भी बवाल

आप नेता मनीष सिसोदिया की सीट जंगपुरा पर भी विवाद की खबर है। जंगपुरा इलाके के सराय काले खां में पुलिस और सिसोदिया के बीच बहस हुई है। दरअसल, सिसोदिया ने बीजेपी पर पैसे बांटने का आरोप लगाया जिसके बाद बीजेपी और आप कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। इस दौरान सिसोदिया के खिलाफ नारेबाजी भी हुई।

दिल्ली में त्रिकोणीय मुकाबला

राजधानी में करीब 1.56 करोड़ मतदाता हैं, जहां सत्तारूढ़ आप, बीजेपी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। आप जहां लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है, वहीं बीजेपी और कांग्रेस दिल्ली में फिर से जीत की उम्मीद कर रही हैं। दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 13,766 मतदान केंद्रों पर मतदान जारी है, जिसमें 699 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है। परिणाम आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

आतंक के गढ़ में नई बयार बैंक व सखियां मालामाल

77.61 करोड़ रुपये का कारोबार, 43 लाख कमाए कमीशन

जम्मू, 5 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के आतंक के गढ़ रहे इलाकों में बैंक सखियां कमाल कर रही हैं। कभी डर के माहौल में काम करने वाले बैंक इनकी मदद से मालामाल हो रहे हैं। बैंक शाखाओं में हर महीने करोड़ों रुपये का लेनदेन हो रहा है। बैंकों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। जम्मू एंड कश्मीर बैंक (जेएंडके) में पिछले नौ माह में 75 बैंक सखियों ने 77.61 करोड़ रुपये का लेनदेन कराया है। इसके बदले वे 40 से 60 हजार रुपये तक हर माह कमीशन पा रही हैं। वे अब तक 43.10 लाख रुपये कमीशन पा चुकी हैं। जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से बैंक सखियों को जेएंडके बैंक से साथ जोड़ा गया है। मिशन व बैंक की ओर से आठ दिन का प्रशिक्षण दिया गया। ये सखियां खासतौर पर ग्रामीणों को जेएंडके बैंक की योजनाओं की जानकारियां देकर उन्हें बैंक से जोड़ रही हैं। इससे तमाम नए ग्राहक बैंक से जुड़े हैं, जो करोड़ों रुपये का लेनदेन कर रहे हैं। इनकी कामयाबी को देखते हुए जेएंडके बैंक ने जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन से 504 और बैंक सखियों की मांग की है। अब तक बैंक के लिए 367 सखियों को तैयार किया जा चुका है, जबकि 137 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया चल रही है। जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन से ग्रामीण बैंक ने भी 184 बैंक सखियों की मांग की है। ग्रामीण बैंक के लिए 119 बैंक सखियों को तैयार किया जा चुका है, जबकि बाकी 65 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया चल रही है। केनरा और अन्य बैंकों ने भी बैंक सखियों की कामयाबी देख उन्हें काम पर रखने की इच्छा जताई है। अहम भूमिका निभा रहीं बैंक सखियांजम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन की निदेशक डॉ। शुभ्रा शर्मा, हम बैंक सखियों का विस्तार कर रहे हैं। कई बैंकों ने हमसे बैंक सखियों की मांग की है। ग्रामीण और दूरवर्ती क्षेत्रों में जेएंडके बैंक के लेनदेन को बढ़ाने में बैंक सखियां अहम भूमिका निभा रही हैं।

किसान नेता की हत्या का मामला

रायकोट पुलिस समय रहते पेश नहीं कर पाई चालान, मुख्य आरोपी को मिली जमानत

चंडीगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। (पंजाब) 2024 में दिवाली की रात हुए हाई प्रोफाइल मर्डर केस में रायकोट सिटी पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुलिस की और से दर्ज कत्ल के मामले में मुख्य आरोपी भाकियू डकौंदा के जिला प्रधान जसप्रीत सिंह जस्सी ढट्ट को जिला अदालत से जमानत मिल गई है। पिछले वर्ष एक नवंबर को किसान नेता अमना पंडोरी की गोलिया मारकर हत्या कर दी गई थी। रायकोट सिटी पुलिस द्वारा मुकदमे का चालान कोर्ट में 90 दिन के भीतर दाखिल करना था, लेकिन पुलिस इसमें असफल रही। पुलिस की और से चालान देरी से पेश किए जाने के चलते जेल में बंद किसान यूनियन के जिला प्रधान जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सी ढ्टट को जमानत मिल गई। लुधियाना में सेशन जज की और से जस्सी ढट्ट को जमानत दी गई जिसके बाद वो जेल से बाहर आ गया है।

वहीं जमानत के आर्डर मिलने के कुछ ही घंटों बाद रायकोट पुलिस ने कोर्ट में चालान भी पेश कर दिया। पुलिस के उच्च अधिकारी इस बात की जांच में जुट गए हैं कि कहीं रायकोट पुलिस की और से जानबूझ कर चालान पेश करने में देरी नहीं की। कत्ल गोली मारकर किया गया था और इसमें सीएफएल रिपोर्ट भी काफी समय पहल ही पुलिस के पास पहुंच चुकी थी। पुलिस को आरोपी की कोर्ट में लगाई गई जमानत याचिका की जानकारी भी थी, फिर भी ढील बरती गई जिसका फायदा सीधे तौर पर आरोपी जस्सी ढट्ट को मिला। वो महज तीन महीने के करीब जेल में रहने के बाद ही जमानत पर बाहर आ गया है।

राजकोट में 72 घंटे में सात लोगों की हार्ट अटैक से मौत, बढ़ रहे आंकड़ों से दहशत में लोग

राजकोट, 5 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट से परेशान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 72 घंटों में दिल का दौरा पड़ने से सात लोगों की मौत हो गई। राजकोट शहर और जिले में हार्ट अटैक से सात लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कोठारिया, गांधीग्राम, शापर और वेरावल में भी हार्ट अटैक से मौत की खबर सामने आई हैं। बेलनाथपारा समेत कई इलाकों में हार्ट अटैक की घटनाएं बढ़ गई हैं। दिल के दौरे से होने वाली अधिकतर मौतें 50 से 60 वर्ष की उम्र के लोगों में हुई हैं। हालांकि, इनमें से एक मृतक 35 वर्ष का है। आजकल युवाओं में दिल के दौरे के मामले बढ़ रहे हैं और मौतों के मामले भी सामने आ रहे हैं। राजकोट शहर की बात करें तो पिछले 72 घंटों में शहर में सात लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है। मरने वाले ज्यादातर लोग 50 से 60 साल की उम्र के हैं। दिल का दौरा पड़ने से पांच पुरुषों और एक महिला की मौत हुई है। शैलेश बरैया उन सात मृतकों में से एक हैं, जिनकी उम्र 35 वर्ष है। राजकोट में आर्ट अटैक से हुई सात लोगों की मौत से लोग दहशत में हैं। अचानक 35 साल के शैलेश बरैया की मौत बसे उनके परिवार में शोक की लहर है। घर में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आजकल छोटी उम्र में भी दिल के दौरे के मामलों से लोग चिंतित हो रहे हैं। बीते दिनों गुजरात के अहमदाबाद के जेबर स्कूल में आठ साल की बच्ची की स्कूल में हार्ट अटैक से मौत होने से सनसनी फैल गई थी। जब बच्ची अपनी क्लास की ओर जा रही थी कि अचानक से उसके सीने में दर्द होने लगा वह कॉरिडोर रखे एक बेंच पर बैठ गई। इसी दौरान बच्ची को हार्ट अटैक आ गया और फिर वह बेंच से नीचे गिर गई।

क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट?

इन मामलों में हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि फास्ट फूड के दौर में हमारी जीवनशैली बदल गई है, जिसके कारण दिल को खतरा बढ़ गया है और यह समस्या सिर्फ हमारे राज्य या देश तक सीमित नहीं है, बल्कि आंकड़े कहते हैं कि दुनियाभर में 6.4 करोड़ से ज्यादा लोग हार्ट फेलियर से प्रभावित हैं। दिल का दौरा, उच्च रक्तचाप और कोरोनरी धमनी रोग हृदय संबंधी समस्याओं के मुख्य कारण हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

समय इंसान को सफल नहीं बनाता, समय का सही इस्तेमाल इंसान को सफल बनाता है!

केसीआर के कार्यकाल में लाखों किसानों का कर्ज माफ नहीं : सीतक्का

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन, हैदराबाद में मंत्रियों के साथ आमने-सामने कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पंचायती राज ग्रामीण विकास महिला बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर आवेदन प्राप्त करने के अलावा, हम गांधी भवन में भी मंत्री के रूप में आवेदन स्वीकार कर रहे हैं। मैं मंत्रियों के साथ दूसरी बैठक के लिए गांधी भवन आई थी। पहले किसी भी पार्टी में ऐसी व्यवस्था नहीं थी। जनता सरकार में कांग्रेस सरकार सप्ताह में दो बार जन सुनवाई का संचालन कर रही है। मुख्यतः भूमि एवं सामाजिक समस्याएँ बढ़ रही हैं। ऐसी शिकायतें हैं कि एक व्यक्ति की जमीन दूसरे के नाम पर दर्ज कर दी जाती है। कई किसान अपने ऋण माफ करने के लिए आवेदन कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार आने के बाद हमने 21 हजार करोड़ का कर्ज माफ किया। केसीआर के कार्यकाल में लाखों किसानों का 2016 में लिया गया कर्ज माफ नहीं किया गया।10 साल में लोगों को न घर दिया गया, न राशन कार्ड दिया गया। हम प्राप्त अनुरोधों को संबंधित अधिकारियों को भेज देंगे। अपनी चिंताओं के लिए स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करें। सरकारी योजनाएं एक सतत प्रक्रिया है। चिंता करने की जरूरत नहीं है। सीएम कल कांग्रेस विधायकों के साथ बैठक कर रहे हैं। जाति गणना 1931 में हुई थी। उसके बाद अब हमने सबसे वैज्ञानिक जाति गणना की है। अतीत में किया गया व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण वैज्ञानिक और अतार्किक ढंग से किया गया था।

हैदराबाद आवासीय बाजार हाइड्रा संचालन के कारण धीमा पड़ा

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्क्वायर याड्र्स के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद आवासीय बाजार ने 2024 में भी लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखा, जिसमें अपार्टमेंट, प्लॉट और विला सहित 75,512 आवासीय लेनदेन पंजीकृत हुए, जो 2023 में दर्ज 74,495 लेनदेन की तुलना में मामूली वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, पंजीकृत घर की बिक्री के मूल्य में तेज वृद्धि देखी गई, जो इसी अवधि के दौरान 13% बढ़कर 45,190 करोड़ रुपये हो गई। पंजीकृत लेनदेन में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि का श्रेय जुलाई 2024 में हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) की स्थापना के बाद घर खरीदारों द्वारा परियोजना अनुपालन की बढ़ी हुई जांच को दिया जा सकता है। खरीदार अब इन मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए परियोजनाओं का अधिक सावधानीपूर्वक मूल्यांकन कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप निर्णय लेने के लिए अधिक सतर्क दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। इसने लेन-देन बंद होने में मंदी में योगदान दिया है, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही के दौरान पंजीकृत आवासीय लेनदेन में 12% साल-दर-साल गिरावट में परिलक्षित होता है, जिसमें 15,941 इकाइयां दर्ज की गईं। स्क्वायर याड्र्स के प्रमुख भागीदार और बिक्री निदेशक देबयान भट्टाचार्य ने कहा, "हैदराबाद संपत्ति बाजार ने महामारी के बाद महत्वपूर्ण लचीलापन और विकास का प्रदर्शन किया है, जिसमें 2024 तक निरंतर गति जारी रहेगी। जबकि चौथी तिमाही में उपभोक्ता भावना पर हाइड्रा के प्रभाव के कारण लेन-देन में गिरावट देखी गई, वार्षिक प्रदर्शन अधिक सकारात्मक कहानी बताता है, जिसमें कुल पंजीकरण 2023 के स्तर को पार कर गए हैं। साथ ही, सरकार के स्पष्टीकरण, यह सुनिश्चित करते हुए कि पूर्व अनुमोदन वाली परियोजनाएं अप्रभावित रहें, साथ ही डेवलपर्स अपनी ग्राहक आउटरीच रणनीतियों को फिर से जांच रहे हैं, इसके अलावा, जैसे-जैसे हैदराबाद तेज़ी से खुद को एक अग्रणी आईटी और जीसीसी हब के रूप में स्थापित कर रहा है, हम उम्मीद करते हैं कि प्रीमियम संपत्तियों द्वारा संचालित आवासीय मांग मजबूत बनी रहेगी। शहर का विकसित हो रहा बुनियादी ढांचा और आर्थिक अवसर भारत में एक प्रमुख आवासीय बाज़ार के रूप में इसकी स्थिति को मज़बूत करना जारी रखेंगे।

फरार विदेशी ड्रग सप्लायर पकड़ा गया

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एचन्यू टीम ने विश्वसनीय सूचना पर, हुमायूंनगर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया और एक फरार विदेशी नागरिक ड्रग अपराधी को पकड़ा। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया। आरोपी हैदराबाद के हुमायूंनगर थाने के अपराध संख्या 398/2024, धारा 8(सी) के तहत 22(सी), 27, 29 एनडीपीएस अधिनियम 1985 से संबंधित है।

पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स/एच-न्यू हैदराबाद शहर वाई.वी.एस.सुधींद्र ने बताया कि मौसा कैमारा उर्फ रोमियो, पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद कैमारा गिनी देश का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि विदेशी नागरिक मौसा कैमारा उर्फ रोमियो का जन्म और पालन-पोषण गिनी में हुआ। वह अनपढ़ और अविवाहित है। वर्ष 2017 में उसने गिनी में पासपोर्ट बनवाया और 24 नवंबर 2020 को वह मेडिकल वीजा पर भारत आया और मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

कोकीन ड्रग ले जाने के कारण तुरंत आव्रजन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया और बाद में उसे इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। वह छह महीने तक मुंबई के आर्थर रोड जेल में रहा। जेल से रिहा होने के बाद वह एक साल की अवधि के लिए मुंबई के नालासोपारा में अपने दोस्त एमिका के साथ रहता था। बाद में उसका दोस्त एमिका अपने देश नाइजीरिया चला गया। मुंबई के नालासोपारा में रहने के दौरान उसकी मुलाकात कुछ नाइजीरियाई ड्रग सप्लायर्स से हुई और उनके साथ संपर्क विकसित हुए। वर्ष 2024 में वह बैंगलोर चला गया और बैंगलोर और उसके आसपास तस्करी करने लगा और हैदराबाद में भी सामान की आपूर्ति करने लगा।

बुधवार को विश्वसनीय सूचना के आधार पर, एचन्यू टीम ने हुमायूं नगर पुलिस के साथ मिलकर हैदराबाद के टॉलीचौकी के पैरामाउंट हिल्स से आरोपी मौसा कैमारा उर्फ रोमियो को गिरफ्तार किया।

पूछताछ करने पर आरोपी मौसा कैमारा उर्फ रोमियो ने स्वेच्छा से स्वीकार किया कि अपनी शानदार जीवनशैली के खर्चों को पूरा करने के लिए उसने हैदराबाद में ड्रग का कारोबार शुरू करने की योजना बनाई थी क्योंकि स्थानीय स्तर पर ड्रग्स की आपूर्ति करने वाले उसके सहयोगी को 25 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसलिए उसके पास हैदराबाद में उपभोक्ताओं की पहचान करने और उन्हें ड्रग्स पहुंचाने वाला कोई नहीं था और इसलिए वह उपभोक्ताओं का पता लगाने के लिए हैदराबाद आया।

तेलंगाना टीईटी के नतीजे घोषित

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) - 2024 - II में शामिल हुए 1,35,802 उम्मीदवारों में से कुल 31.21 प्रतिशत को उत्तीर्ण घोषित किया गया है। शिक्षा विभाग की सचिव डॉ. योगिता राणा और स्कूल शिक्षा निदेशक ईवी नरसिम्हा रेड्डी द्वारा बुधवार को जारी किए गए परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

पेपर-I के लिए कुल 69,476 उम्मीदवार उपस्थित हुए और 41,327 (59.48 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुए। इसी तरह, पेपर-II गणित और विज्ञान के लिए 69,390 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी और 23,755 (34.24 प्रतिशत) उत्तीर्ण घोषित किए गए। पेपर-II सामाजिक अध्ययन विषय के लिए, 66,412 उम्मीदवारों में से 28.05 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए।

टीईटी पेपर-I उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया जाता है जो कक्षा I से V तक के शिक्षक बनना चाहते हैं, जबकि पेपर-II कक्षा VI से VIII तक पढ़ाने के लिए होता है। दोनों पेपर उन उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य हैं जो कक्षा I से VIII तक के शिक्षक बनना चाहते हैं।

सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को गाचीबोवली के सिद्दीकी नगर में एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने अपने छात्रावास की इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि वह कथित तौर पर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से परेशान थी और उसने अपनी जान दे दी। पश्चिम बंगाल की मूल निवासी रितोजा बसु (22) गाचीबोवली में एक सॉफ्टवेयर फर्म के लिए काम करती थी और एक महिला छात्रावास में रहती थी। पुलिस के अनुसार, बसु पिछले कुछ दिनों से अपने स्वास्थ्य की स्थिति से परेशान थी और ज्यादातर अपने दोस्तों और सहकर्मियों से अलग-थलग रहती थी। बुधवार की सुबह उसने अपने छात्रावास की इमारत की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। वह जमीन पर गिर गई, उसे गंभीर रक्तस्राव हुआ और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गाचीबोवली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में बुधवार को एक निर्माण स्थल पर दीवार गिरने से तीन निर्माण मजदूरों की मौत हो गई और एक अन्य मजदूर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार यह घटना उस समय हुई जब साइट पर निर्माण कार्य चल रहा था। दीवार अचानक ढह गई और मजदूरों पर गिर गई, जो उसमें फंस गए और घायल होने से उनकी मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर एलबी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। मामले की जांच की जा रही है।

रेलवे स्टेशन के पास लगी आग

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन के पास आग लगने से कुछ झोपड़ियां पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, दोपहर के समय रेलवे स्टेशन के पास कुछ मजदूरों द्वारा बनाई गई झोपड़ियों में से एक में आग लग गई। आग तेजी से फैलती गई और अन्य झोपड़ियाँ पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुँची और आग बुझाई। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE V SENIOR CIVIL JUDGE COURT: CITY CIVIL COURT: AT: HYDERABAD

O.S.NO.85 OF 2025

BETWEEN:

* Yogesh Kumar Agarwal S/o. Late Vijay kumar Agarwal, Aged: 30 years, Occ.: Private Employee

* Sujatha Agarwal W/o. Late Vijay Kumar Agarwal, Aged: 59 years, Occ.: Housewife

All are R/o.: H.No. 3-5-880, Flat No.402, 4th Floor, Central Residency, Narayanguda, Hyderabad,T.S.—500029

...Plaintiffs

AND

• The Mandal Revenue Officer, Chikkadpally, Hyderabad

• ALL CONCERNED

..Defendants

To,

ALL Concerned.

Please take notice that the above named Plaintiffs have filed the above suit for declaration to declare them as the legal heirs of late Sri. Vijay Kumar Agarwal, and absolute owners of the suit schedule property and the said case stands posted to 25-03-2025. If any person or persons have any objection or claims they may appear before the Hon'ble Court on 25-03-2025 at 10.30 am before the Hon'ble court either in person or through an Advocate failing which the matter will be decided basing on the documents available on record.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that Residential Flat No.402 on the 4TH Floor, admeasuring a super build up area 1141 SFT which is inclusive of the common areas and balconies along with one car parking space and undivided share of 28 Sq.yds. in residential complex, named as "Central Residency" situated in Municipal No. 3-5-880 situated at Narayanguda, Hyderabad, T.S. bounded by as under: North: Open to Sky, South: Flat No. 401, East: Lift & Corridor, West: Open to Sky

(BY ORDER OF COURT)
Sd./xxxxxxx
M/s Ishrath Begum
K. Sai Sudershan
Advocates.

Office: Plot No. 91 & 92, Laxmi Durga Hills, Badangpet, Balapur, R.R. District, T.S.—500058

PH: 7989978066

COUNSEL FOR THE PLAINTIFF

11 नाविक मलेशिया में 21वें लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय रेगाटा में लेंगे भाग

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मलेशिया में 21वें लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय रेगाटा में 11 नाविकों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है।

470 मिश्रित वर्ग में सीनियर वर्ग का नेतृत्व प्रीति कोंगरा कर रही हैं, जिन्होंने मुंबई में सीनियर नेशनल में कांस्य पदक जीता है, उनके साथ जोगुलम्बा गडवाल से चालक दल चकली कार्तिक हैं।

जूनियर वर्ग में, मर्रेडपल्ली की वैष्णवी वीरवंशम 420 मिश्रित वर्ग की कप्तानी करेंगी, जबकि ब्रह्मनपल्ली, नलगोंडा से चालक दल श्रवण कथरावत भी शामिल हैं। यह जोड़ी वर्तमान में भारत में नंबर 1 रैंक पर है।

सब-जूनियर में, भारत के शीर्ष रैंक वाले रिजवान मोहम्मद, पतिगड्डा और लाहिरी कोमारवेल्ली, रसूलपुरा मजबूत दावेदार हैं। तेलंगाना के शीर्ष खिलाड़ी विनोद दांडू, चंद्रलेखा, भानु चंद्रा, रवि कुमार और बद्रीनाथ निरुदु भी प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इनमें से अधिकांश युवा नाविकों को हैदराबाद के यॉट क्लब द्वारा वंचित बच्चों के लिए अपने सीएसआर कार्यक्रम के माध्यम से सहायता दी जाती है।

CLASSIFIEDS

WANTED

Wanted Female junior and senior beauticians. walk in interviews. Shivani herbal beauty parlour, first floor, Ashoka Scintilla ,above Mebaz , opposite Malabar showroom, Himayat Nagar Main Road. Ph - 9948925111,9948926111.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री ने त्रिशा को 1 करोड़ रुपये देकर किया सम्मानित

ध्रुती और कोच नूशिन को भी किया गया पुरस्कृत

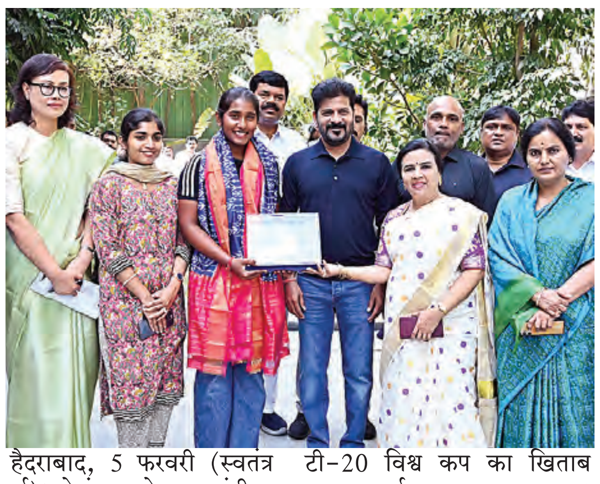

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हाल ही में मलेशिया के कुआलालंपुर में संपन्न अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए गोंगडी त्रिशा को 1 करोड़ रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। भारत की महिलाओं ने पहली बार फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका पर नौ विकेट से शानदार जीत के बाद अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप का खिताब सफलतापूर्वक बरकरार रखा। इसके अलावा, वे बिना कोई मैच हारे खिताब जीतने वाली पहली टीम भी बन गईं।

त्रिशा ने बुधवार को हैदराबाद में मुख्यमंत्री के जुबली हिल्स स्थित आवास पर उनसे मुलाकात की, जहां रेड्डी ने ऑलराउंडर को बधाई दी और नकद प्रोत्साहन राशि की घोषणा करते हुए शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने विजयी भारतीय टीम की सदस्य ध्रुती केसरी, ट्रेनर शालिनी और मुख्य कोच नूशिन अल खादीर को 10-10 लाख रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। त्रिशा को दोनों बार 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। उन्होंने इस आयोजन के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया है। इस ऑलराउंडर ने सात मैचों में 77.25 की औसत से एक शतक के साथ 309 रन बनाए, जबकि 3-6 के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कई मैचों में सात विकेट भी लिए। त्रिशा को फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जब उन्होंने अपनी लेग स्पिन से 3-15 और फिर नाबाद 44 रन बनाए, जिससे भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज करके अपना अंडर-19 विश्व कप खिताब बरकरार रखा। विजयी भारत की अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप टीम मंगलवार को भारत पहुंची।

जीएचएमसी डंप यार्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

दो गांवों में धारा 144, बीआरएस विधायक गिरफ्तार

संगारेड्डी, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बुधवार को नरसापुर बीआरएस विधायक वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी को हिरासत में ले लिया, जब वह जीएचएमसी द्वारा 150 एकड़ भूमि पर डंप यार्ड स्थापित करने के कदम के खिलाफ लड़ रहे ग्रामीणों का समर्थन करने के लिए प्यारानगर जा रही थीं। जब ग्रामीण मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और पुलिस के खिलाफ नारे लगा रहे थे, तब पुलिस ने विधायक को हिरासत में लिया और उन्हें एक वाहन में ले गई। इससे पहले सुनीता रेड्डी ने आरोप लगाया था कि सरकार डंप यार्ड के निर्माण को आगे बढ़ाकर अदालत के आदेशों के खिलाफ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा याचिका दायर करने के बाद अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था, लेकिन जीएचएमसी ने अदालत के आदेशों का उल्लंघन करते हुए डंप यार्ड बनाने का फैसला किया।

नरसापुर विधायक ने पुलिस पर विधायक की आवाजाही को प्रतिबंधित करके अलोकतांत्रिक तरीके से काम करने का आरोप लगाया। गिरफ्तारी से गांव में कुछ देर के लिए तनाव पैदा हो गया। इस बीच, पुलिस ने ग्रामीणों को घरों के अंदर रखने के लिए प्यारानगर और नल्लवल्ली में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं. eT-Central-WAT-04-2025
दिनांक : 28.01.2025

कार्य का नाम : वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/सेन्ट्रल/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन सहायक मण्डल अभियन्ता/कोरापुट उपमण्डल के अधीन मंचुकोंडा रोड (MKRD)-कोरापुट (KRPU) के बीच पैचों में साइड ड्रेन का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 6,19,55,199.80, EMD: ₹ 4,59,800/-

(2) सूचना सं. eT-Central-WAT-05-2025
दिनांक : 28.01.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-I लाइन में वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/सेन्ट्रल/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र में कोतवलसा से मालिगुड़ा के बीच विभिन्न पुलों पर 8° तक शार्प कर्व में 1327 चैनल स्लीपरों के लिए TBCSR एवं 457 संख्यक चैनल स्लीपरों के लिए TFR का निष्पादन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 5,66,03,598.91, EMD: ₹ 4,33,000/-

कार्य पूरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 20.02.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-946/P/24-25

जाति सर्वेक्षण की प्रशंसा से ज़्यादा हुई आलोचना

सवालों के घेरे में आ गया सर्वेक्षण

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछड़े वर्गों (बीसी) के सर्वेक्षण ने विभिन्न राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाओं की लहर को जन्म दिया है। सर्वेक्षण, जिसका उद्देश्य पिछड़े वर्ग के जनसांख्यिकी पर स्पष्टता प्रदान करना और संबंधित समुदायों के साथ हुए अन्याय को संबोधित करना था, ने प्रशंसा से ज़्यादा आलोचना की है।

सर्वेक्षण का दावा है कि पिछड़े वर्ग राज्य की आबादी का 56.33 प्रतिशत है, जिसमें 10.08 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के मुसलमान हैं, जो अपनी विसंगतियों के कारण सवालों के घेरे में आ गया।

पिछड़े वर्ग के नेताओं ने आश्चर्य जताया कि एससी, एसटी, अल्पसंख्यकों और अगड़ी जाति सहित अन्य सभी समुदायों की आबादी में वृद्धि कैसे देखी गई जबकि पिछड़े वर्ग के समुदाय की आबादी के आंकड़ों में गिरावट देखी गई।

भाजपा विधायक पायल शंकर सर्वेक्षण की आलोचना में मुखर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार की नीतियों के कारण राज्य की जनसंख्या में 98 लाख की कमी आई है और उन्होंने मुस्लिम बीसी शब्द के इस्तेमाल पर सवाल उठाया, यह तर्क देते हुए कि यह सर्वेक्षण की कानूनी पवित्रता को कमजोर करता है। शंकर ने सर्वेक्षण में विसंगतियों और चूकों की ओर भी इशारा किया, और अधिक व्यापक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। सर्वेक्षण की सही तस्वीर को पकड़ने की क्षमता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि लगभग तीन लाख परिवार सर्वेक्षण अभ्यास से चूक गए थे।

एमआईएम के फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन ओवैसी ने विधानसभा में जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश न करने के लिए तेलंगाना सरकार की आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि रिपोर्ट पेश किए बिना, सामाजिक न्याय के लिए सरकार की प्रतिबद्धता संदिग्ध बनी हुई है।

सीपीआई विधायक कुनामनेनी संभाशिव राव ने राज्य सरकार से बीसी जाति सर्वेक्षण के परिणाम के लिए अपनी योजनाओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस पहले बीसी सर्वेक्षण के महत्व पर जोर दिया और सरकार को इसके प्रयासों के लिए बधाई दी।

ईएसआई सोसायटी गठन के खिलाफ प्रदर्शन जारी

सरकार से प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का आग्रह

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के ईएसआई राज्य सेवा कर्मचारी राज्य में ईएसआई सोसायटी के प्रस्तावित गठन के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र सरकार के तहत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा ईएसआई सोसायटी के गठन के लिए शुरू किए गए कदम का कर्मचारियों ने कड़ा विरोध किया है, जो अपनी नौकरी की सुरक्षा और भविष्य की प्रशासनिक नीतियों में अनिश्चितता से डरते हैं।

ईएसआई राज्य सेवाएं वर्तमान में तेलंगाना राज्य सरकार के प्रशासन के तहत काम करती हैं, जिसमें राज्य भर में 70 डिस्पेंसरी, चार अस्पताल और दो डायग्नोस्टिक्स सेंटर में लगभग 2,400 स्थायी कर्मचारी काम करते हैं।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि चूंकि ईएसआईसी सीधे राज्य सेवाओं को अपने हाथ में नहीं ले सकता है, इसलिए इसने इन सेवाओं को अलग से प्रबंधित करने के लिए एक सोसायटी की स्थापना के लिए बार-बार दबाव डाला है - एक प्रस्ताव जिसका कर्मचारी वर्षों से विरोध कर रहे हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB0126

रुचि की अभिव्यक्ति

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, हैदराबाद प्रभाग, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद द्वारा महबूबनगर के प्रतिष्ठित अस्पतालों/नैदानिक प्रयोगशालाओं, जो सीजीएचएस/ हैदराबाद पर क्लिनिकल जांच सहित पैथोलॉजी एवम् रेडियोलाजी जैसी सेवाओं के लिए, आवश्यक न्यूनतम योग्यता मानदंडों को पूरा करने में सक्षम हो, रेलवे के साथ पैनल में शामिल होने के लिए, वर्ष 2014 दर (रेट) नुसार, रेलवे लाभार्थियों को चिकित्सा जांच के लिए कैशलेस सुविधाएं प्रदान करते हों, से रुचि की अभिव्यक्ति(इओआइ) आमंत्रित की जाती हैं। सभी पहलुओं से पूर्ण, तत्संबंधित आवेदन पत्र को, 13 फरवरी 2025 को या इससे पूर्व, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

तत्संबंधित विवरण जैसे न्यूनतम पात्रता मानदंड, आवेदन पत्र के नियम व शर्तों आदि के लिए कृपया हमारे वेबसाइटःwww.indianrailways.gov.in पर जाएं। आवेदन पत्र को व्यक्तिगत रूप में, किसी भी कार्यदिनों में, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, हैदराबाद भवन, हैदराबाद डिवीजन, सिकंदराबाद कार्यालय से भी प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ता./- मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/हैदराबाद

A0161

राज्यपाल से मिले तेजस्वी यादव

'डीके' के बाद अब लिया 'एनके' का नाम, जानिए क्या कुछ कहा

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार की सुबह बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात की। मुलाकात के बाद जब वे बाहर आए तो उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। तेजस्वी ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाया। सीएम नीतीश कुमार पर भी भड़के। तेजस्वी यादव ने कहा, मधुबनी में जो घटना हुई है वो बेहद दर्दनाक है। पुलिस-प्रशासन को जनता की सेवा में लगना चाहिए। जनता की रक्षा में लगना चाहिए। ऐसा कोई भी दिन नहीं है जिस दिन बिहार में गोलियां नहीं चलती हैं। जिस हिसाब से लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ता जा रहा है, जिस तरह से एक धर्म को टारगेट बनाया जा रहा है, बिहार में कुछ लोग तो ऐसी मानसिकता के थे ही, लेकिन पुलिस में भी कुछ लोगों की ऐसी मानसिकता है। मधुबनी की घटना को लेकर तेजस्वी यादव ने आगे कहा, उस डीएसपी पर कार्रवाई नहीं की गई। ट्रेनी डीएसपी है। उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस तरीके से कानून को हाथ में लेने का काम किसी का नहीं होना चाहिए। चाहे आम नागरिक हो, पुलिस हो, कोई नेता हो या मंत्री हो। कानून अपने हिसाब से चलना चाहिए।

'आज एनके सीएम नहीं सुपर सीएम डीके'

मुख्यमंत्री पर हमला करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि जिस हिसाब से नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं हम सब लोगों को बिहार की चिंता हो रही है। चिंता हो रही है कि बिहार सुरक्षित हाथों में नहीं है। मुख्यमंत्री का मौन, मुख्यमंत्री की हरकतें, मुख्यमंत्री की बयान जिस तरीके से प्रतिदिन आता है लोगों का विश्वास जो है वो खो चुके हैं। कहीं पेपर लीक हो रहा है कहीं रेप हो रहा है। कहीं गोलियां चल रही हैं। आज एनके सीएम नहीं हैं। सुपर सीएम कोई है तो डीके है। दूसरी ओर दिल्ली चुनाव को लेकर कहा कि हम तो लोगों को यही कहेंगे जिसने काम किया है उसको वोट दें। जिन लोगों ने केवल झगड़ा-झंझट और नफरत फैलाई है उसको सबक सिखाएं। राहुल गांधी बिहार आ रहे हैं इस पर तेजस्वी ने कहा कि हां उनका अपना कार्यक्रम है। बिहार में नियुक्ति पत्र बांटा जा रहा है इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि 17 महीने रहे हैं तो कुछ तो लाभ होगा। जितने पद का सृजन करना था हम ही लोगों के समय (कैबिनेट) में हुआ है। सब क्रेडिट वही लोग ले लें। बिहार के लोगों को रोजगार मिले, तरक्की हो ये हम चाहते हैं।

नोएडा के कई बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, भागते-भागते पहुंचे बच्चों के पेरेंट्स

नोएडा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में कई नामचीन स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। ई-मेल में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। उनमें हेरिटेज स्कूल और मयूर स्कूल का नाम शामिल है। स्कूल से बच्चों के पेरेंट्स को इमरजेंसी कॉल किया गया है और सभी बच्चों को घर भेजा जा रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और हालात संभालने में जुटी है। इससे पहले दिसंबर, 2024 को भी नोएडा के थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल को देर रात 12 बजे एक ई-मेल आया था। इसमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सुबह स्कूल पहुंची प्रधानाचार्य ने जब मेल चेक किया तो बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल पढ़ा। मेल पढ़कर वह घबरा गईं और स्कूल के स्टाफ को बुलाया और मेल के बारे में बताया। इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने इसके बारे में पुलिस को फोन कर सूचना दी। इसके साथ ही स्कूल पहुंचे बच्चों को वापस घर भेज दिया गया। जो स्कूली वाहन बच्चों को लेकर स्कूल की ओर बढ़ रहे थे, उनके स्टाफ को इसके बारे में बताया गया और वापस बच्चों को घर छुड़वाया गया। इसके बाद स्कूल बंद कर दिया गया था। स्कूल में करीब 2 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

स्टेट बैंक से ठगी मामले में ईडी ने फील्ड ऑफिसर की 1.53 करोड़ की संपत्ति की जब्त, सीबीआई भी कर रही जांच

लखनऊ, 5 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय स्टेट बैंक से ठगी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी कार्रवाई शुरू की है। स्टेट बैंक की लखीमपुर में गोला गोकर्णनाथ शाखा के तत्कालीन फील्ड ऑफिसर संजीव यादव व अन्य अधिकारियों ने फर्जी ढंग से कई खातों की कैश क्रेडिट लिमिट बढ़ाकर करोड़ों रुपये का गबन किया था। ईडी ने आरोपी संजीव यादव की 1.53 करोड़ रुपये की सात संपत्तियां जब्त की हैं। इनमें गाजीपुर, संभल व वाराणसी स्थित आवासीय भूखंड व मुरादाबाद स्थित कृषि भूमि शामिल है। ईडी की जांच में सामने आया कि 47 कैश क्रेडिट/टर्म लोन खातों में धांधली कर 6.82 करोड़ रुपये का गबन किया गया था।

2020 में सामने आया था धांधली का मामला

स्टेट बैंक में धांधली का यह मामला जनवरी 2020 में सामने आया था। आरोप था कि आरोपित संजीव यादव ने जून 2018 से 31 दिसंबर, 2019 के मध्य कई खाता धारकों की कैश क्रेडिट लिमिट बिना उच्च अधिकारियों की स्वीकृति के बढ़ा दी थी और खातों से रकम हड़प ली थी। मामले में बैंक अधिकारियों की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था।

आरोपी संजीव यादव को भेजा था जेल

पुलिस ने आरोपित संजीव यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बाद में लखनऊ सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। ईडी ने सीबीआई की एफआईआर को आधार बनाकर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। आरोपी ने अनाधिकृत रूप से रूप से कैश क्रेडिट की राशि बढ़ाई और नकद रकम निकाल ली थी।

लेबर रूम में एएनएम ने बनाई रील:आगरा के फतेहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

आगरा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। आगरा में फतेहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम द्वारा रील बनाकर वायरल करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एएनएम और उनकी बेटी अक्सर स्वास्थ्य केंद्र के लेबर रूम में रील बनाती हैं। फतेहाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहले भी कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद के लेबर रूम में बनी रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इसमें एक एएनएम और उनकी बेटी रील बना रही हैं। गानों पर लिप सिंक कर रही हैं। इसके साथ ही एक रील और वायरल हुई है, जिसमें एक और महिला एक गाने पर डांस कर रही है। बताया जा रहा है कि यह महिला आशा है। नियमानुसार लेबर रूम में रील नहीं बना सकते हैं। लेकिन एएनएम और उनकी बेटी अक्सर लेबर रूम में रील बना कर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती है।

मुश्किल में फंसीं शिल्पा शेट्टी

इस मामले में कोर्ट ने एसएसपी से मांगी रिपोर्ट; होगा एक्शन?

मुजफ्फरपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी व अन्य के विरुद्ध दाखिल परिवाद में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट ने वरीय पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। यह परिवाद सदर थाना के लहलादपुर पताही गांव के अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने पिछले वर्ष 8 अक्टूबर को दाखिल किया था। इसमें मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, एक ज्वेलर्स के प्रोपराइटर टीएम कल्याण व कार्यकारी निदेशक रमेश कल्याण को भी आरोपित बनाया था।

क्या है पूरा मामला

परिवाद में ज्वेलर्स शो रूम के उद्घाटन के दौरान कलमबाग चौक के निकट जाम कराने का आरोप लगाया गया है। परिवाद में अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने कहा है कि कलमबाग चौक के निकट सात अक्टूबर की शाम छह से आठ बजे के बीच एक ज्वेलर्स के शो रूम का उद्घाटन किया गया। इसके उद्घाटन के लिए एक ज्वेलर्स के मालिक ने फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को बुलाया था। इसका प्रचार ज्वेलर्स के ब्रांड अंबेसडर अमिताभ बच्चन कर रहे थे। इस कार्यक्रम की अनुमति जिलाधिकारी ने दे दी थी। कलमबाग रोड पर काफी लोगों का आना-जाना होता है। इस कार्यक्रम के कारण लगभग कलमबाग रोड व चौक जाम कर दिया गया। इससे आमलोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इन दिग्गजों के खिलाफ भी मुजफ्फरपुर में दर्ज हो चुका है मुकदमा

संघ प्रमुख मोहन भागवत के द्वार जाति को लेकर दिये गये बयान को लेकर कोर्ट में परिवाद दायर किया गया था

बालाजी मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष वाई सुब्बा रेड्डी के खिलाफ परिवाद दायर किया गया था

फिल्म स्टार सलमान खान के खिलाफ केस दर्ज हो चुका है।

गजब का रुतबा, अलग अंदाजः ये हैं रिश्वतखोर महिला पीसीएस अधिकारी

मथुरा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा में 70 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस टीम द्वारा गिरफ्तार डीपीआरओ किरन चौधरी पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। हर बार अपनी ऊंची पहुंच के बल मामला रफा-दफा होता रहा। वर्ष 2022 में ग्राम पंचायतों में लाइटें लगवाने के मामले में भी जांच बैठी थी। इसके अतिरिक्त दर्जनों बार ग्राम प्रधान उनकी शिकायत कर चुके हैं। सुल्तानपुर की रहने वाली डीपीआरओ किरन चौधरी को जुलाई 2021 से मथुरा में तैनाती मिली। गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस टीम ने उनके थाना हाईवे स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के आवास पर 40 मिनट तक पूछताछ की। इसके साथ ही दूसरी टीम राजीव भवन में डीपीआरओ के कार्यालय और उनके कक्ष में कागजात को खंगालती रही थी। डीपीआरओ की गिरफ्तारी की सूचना राजीव भवन में आग की तरह फैल गई। हालांकि कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं था। वहीं दबी जुबान डीपीआरओ और उनके चालक के रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार होने की चर्चा दबी जुबान में कर्मचारी करते रहे। सुबह जैसे ही विजिलेंस की टीम डीपीआरओ ऑफिस पहुंची। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में अधिकारी और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते पूरा कार्यालय कर्मचारी और अधिकारी विहीन हो गया। टीम के सदस्यों ने कार्यालय और डीपीआरओ कक्ष में कई घंटे तक कागजातों को खंगाला।

भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी, जया बच्चन के खिलाफ अभद्र टिप्पणी

बरेली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली। भाजपा सांसद छत्रपाल गंगवार के नाम से फेसबुक पर फर्जी अकाउंट बनाकर राज्यसभा सांसद और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री जया बच्चन के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गई। यह पोस्ट महाकुंभ आयोजन के दौरान गंगा के पानी को गंदा बताए जाने वाले बयान के बाद वायरल हुई। सांसद छत्रपाल गंगवार ने इसे गंभीर मामला बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है।

फर्जी अकाउंट से की गई आपत्तिजनक टिप्पणी

बजट सत्र में शामिल होने के लिए सांसद छत्रपाल गंगवार दिल्ली गए हुए हैं। इसी दौरान किसी ने उनके नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर जया बच्चन के खिलाफ एक पोस्ट डाली, जिसमें उनकी तस्वीर के साथ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गई, जिस पर कई लोग गुस्से का इजहार कर रहे हैं और तीखी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सांसद ने कहा- दोषी के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

छत्रपाल गंगवार ने स्पष्ट किया कि यह पोस्ट उनके आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से नहीं की गई। उन्होंने कहा, "किसी ने मेरे नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर इस तरह की अभद्र टिप्पणी पोस्ट की है। यह बेहद निंदनीय है।"* उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली से लौटकर वह इस मामले में कानूनी कार्रवाई करेंगे और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और साइबर सेल को भी इस घटना की सूचना दे दी गई है, और फर्जी अकाउंट की जांच कर दोषी तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

नवाब सिंह की जमानत याचिका फिर दाखिल

पहली याचिका वापस लेने के बाद नए वकीलों ने दाखिल की अर्जी, 6 फरवरी को सुनवाई

कन्नौज, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कन्नौज के चर्चित रेप मामले में जेल में बंद गैंगस्टर नवाब सिंह की जमानत के लिए नई याचिका दाखिल की गई है। इस बार अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव और आसिव चतुर्वेदी ने कोर्ट में याचिका पेश की है। कोर्ट ने इस मामले में 6 फरवरी को सुनवाई की तारीख निर्धारित की है। इससे पहले नवाब सिंह की जमानत याचिका अधिवक्ता कुशल पाठक ने दाखिल की थी। उस याचिका पर कोर्ट ने तीन बार सुनवाई की तारीख तय की थी। हालांकि, 3 फरवरी को अधिवक्ता ने वह जमानत याचिका वापस ले ली। इसके तुरंत बाद नए वकीलों की टीम ने दोबारा जमानत के लिए याचिका दाखिल कर दी है। 11 अगस्त की रात नवाब सिंह यादव पर एक नाबालिग ने रेप के आरोप लगाए थे। चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय से पुलिस ने आपत्तिजनक हालत में उन्हें अरेस्ट किया था। तब से वह लगातार जेल में हैं। बाद में उन पर गैंगस्टर की कार्यवाही भी की गई। पाक्सो मामले में नवाब को जमानत मिल चुकी है। जबकि गैंगस्टर में जमानत न मिलने से वह अभी जेल में ही हैं।

एएमयू कोर्ट के सदस्य बने हाथरस और संभल सांसदःडॉ. भोला सिंह, इमरान मसूद समेत छह नए सदस्य बनाए गए

अलीगढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। संभल झगड़े के आरोपी संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और हाथरस सांसद अनूप प्रधान समेत 6 लोकसभा सदस्य अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) कोर्ट सदस्य बनाए गए हैं। लोकसभा और राज्यसभा से 10 सदस्य यूनिवर्सिटी कोर्ट सदस्य बनाए जाते हैं। भाजपा से अलीगढ़ के सांसद सतीश कुमार गौतम, बुलंदशहर के भाजपा सांसद डॉ। भोला सिंह तीसरी बार कोर्ट सदस्य बनाए गए हैं। वहीं, हाथरस के भाजपा सांसद अनूप प्रधान, सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) के टीएमसी सांसद अबू ताहिर खान, संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क पहली बार कोर्ट सदस्य बने हैं। इनकी नियुक्ति तीन साल या लोकसभा सदस्य रहने तक होगी।

सांसद सतीश गौतम एएमयू को लेकर काफी मुखर रहे हैं। राजा महेंद्र सिंह की जयंती एएमयू में मनाने और जिन्ना प्रकरण को लेकर एएमयू छात्र और सांसद सतीश गौतम के बीच वाक युद्ध भी रहा। वहीं, राज्यसभा कोटे से सांसद गुलाम अली जम्मू-कश्मीर, इमरान प्रतापगढ़ी उत्तर प्रदेश, एए रहीम केरल और हरनाथ सिंह यादव उत्तर प्रदेश कोर्ट सदस्य हैं, जिनका कार्यकाल 7 अगस्त 2026 को पूर्ण होगा।

6.26 करोड़ का अवैध गांजा नष्ट

6 थाना क्षेत्रों से जब्त किया गया था 1256 किलो गांजा, एसपी के निर्देश पर कार्रवाई

फतेहपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। फतेहपुर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6.26 करोड़ रुपये मूल्य का अवैध गांजा नष्ट किया है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से जब्त की गई गांजे की बड़ी खेप को नष्ट किया गया। बिन्दकी कोतवाली पुलिस ने सबसे अधिक 299 किलो गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 1.46 करोड़ रुपये आंकी गई। ललौली थाना पुलिस ने 611.48 किलो गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 3.105 करोड़ रुपये है। कल्याणपुर थाना पुलिस ने 86 किलो गांजा (कीमत 43.38 लाख), खागा कोतवाली पुलिस ने 75.85 किलो गांजा (कीमत 37.92 लाख), जहानाबाद थाना पुलिस ने 149 किलो गांजा (कीमत 74.95 लाख) और राधानगर थाना पुलिस ने 35.55 किलो गांजा (कीमत 17.77 लाख) जब्त किया। पुलिस अधीक्षक के पीआरओ ने बताया कि जिले में अवैध गांजे का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा था। इस कार्रवाई से अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। पुलिस प्रशासन ऐसी गतिविधियों पर सख्त नजर रख रहा है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब से लोड वाहन पलटा, लूटने की मची होड़

आगरा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित आगरा में शराब से भरी एक मैक्स गाड़ी पलट गई, शराब की पेटियों से भरी मैक्स गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट जाने से शराब की पेटी लूटने की होड मच गई। शराब लूटने के लिए मौके पर भीड़ जमा हो गई। सड़क पर बिखरी पड़ी शराब की बोलत को लेकर लोग भागते बने। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला तब जाकर स्थिति नियंत्रण में आई। शराब से भरी मैक्स गाड़ी का पहिया चलते चलते अचानक से निकल गया, पहिया निकलने से चालक अपना नियंत्रण खो बैठा जिसके चलते गाड़ी सड़क पर ही पलट गई । शराब की पेटियों से भरी गाड़ी पलटने के बाद आसपास के लोगो में शराब लूटने की होड़ मच गई। दरअसल आगरा के ट्रांसपोर्ट नगर से शराब की पेटियां मैक्स गाड़ी में लदकर अछनेरा में शराब के ठेके पर जा रही थी, रायभा के पास गाड़ी का पहिया अचानक से निकल गया, चलती गाड़ी का पहिया निकल जाने के कारण मैक्स गाड़ी सड़क पर पलट गई। गाड़ी सड़क किनारे पलट गई और गाड़ी में लोड शराब की पेटियां सड़क पर बिखर गईं। सड़क पर शराब बिखरी देखकर आसपास के लोगो मे उसे लूटने की होड़ मच गई। बताया गया है कि लोग शराब को लूटकर भाग गए। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला तब जाकर स्थिति पर नियंत्रण पाया।

हाईवे पर टकराई पांच गाड़ियां एक महिला की मौत, छह लोगों की हालत गंभीर

खगड़िया, 5 फरवरी (एजेंसियां)। खगड़िया में भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई है। जबकि छह लोग गंभीर रुप से घायल हुए हैं। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। घटना बुधवार सुबह हुई है। हालांकि इस घटना में जिस महिला की मौत हुई है उसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि बगुलवा ढ़ाला के पास ओवरटेक के कारण घटना घटित हुई है। जिसमें दो ट्रक, एक ट्रैक्टर और दो पिकअप वाहन की टक्कर हुई है। घटना के बाद घटना स्थल पर आसपास के लोगों ने पहुंच सभी घायलों को वाहन से बाहर निकाला। जिसके बाद सी को इलाज के लिए भेजा गया।

'दिल नहीं दुखाया मैंने किसी का, बेटा बहुत अच्छा पढ़ रहा था' बेटे की मौत पर पप्पू यादव से बोले विधायक शकील अहमद खान

पटना, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार प्रदेश कांग्रेस के विधायक दल के नेता शकील अहमद खान के बेटे ने दो फरवरी की रात आत्महत्या कर ली थी। 17 वर्षीय आयान खान 12वीं का छात्र था। वो अपने कमरे में अकेला सोया था। तीन फरवरी की सुबह जब वो नहीं उठा तो परिजन देखने के लिए गए तो पता चला कि वो फांसी पर लटका था। आयान की मौत के बाद लगातार राजनीतिक पार्टियों के नेता शकील अहमद खान के आवास पर पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में रात सांसद पप्पू यादव भी शकील अहमद खान को सात्वंना देने पहुंचे। पप्पू यादव से शकील अहमद खान ने कहा, दिल नहीं दुखाया मैंने किसी का, बेटा बहुत अच्छा कर रहा था, अच्छा बढ़ रहा था, अच्छा पढ़ रहा था, बहुत समझदार था, हम भी सोचते थे कितना समझदार है। अगर बाहर कुत्ता भी मर जाए तो उसे लगता था कैसे-क्यों मर गया। सांसद पप्पू यादव ने शकील अहमद खान से मुलाकात का वीडियो फेसबुक पर पोस्ट किया। लिखा, दिल्ली से पटना लौटकर अभी सीधा बिहार में कांग्रेस विधायक दल के नेता और मेरे प्रिय मित्र डॉ। शकील अहमद खान साहब के घर आया हूं। उनके इकलौते पुत्र का असामयिक निधन हो गया था, जिसकी खबर ने मन को गहरे शोक में डुबो दिया। इस अपूरणीय क्षति के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं, जो एक पिता और माता के दिल के दर्द को कम कर सकें। यह दुख इतना गहरा है कि कोई भी सात्वंना अधूरी लगती है।

3 दोस्तों की मौत, एक ही बाइक से जा रहे थे सभी, ट्रक से हुई टक्कर

किशनगंज, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के किशनगंज में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। घटना बुधवार तड़के की है। एक ही बाइक पर तीन दोस्त सवार थे। हादसे में मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। घटना एनएच-27 पर वीर कुंवर सिंह बस स्टैंड के नजदीक की है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बाइक पहले एनएच पर डिवाइडर से टकराई और हादसे के बाद ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। ट्रक अपने लेन में ही जा रहा था। इसी दौरान पीछे से अनियंत्रित होने के बाद बाइक ट्रक से टकरा गई। माना जा रहा है कि एनएच है तो बाइक चालक तेज रफ्तार में होगा और उसने नियंत्रण खो दिया जिसके चलते यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार 20 से 25 मीटर दूर जा गिरे। स्थानीय एक दुकानदार ने बताया कि हादसा सुबह के करीब तीन बजे की है। सिलीगुड़ी की दिशा से आ रही बाइक पूर्णिया की तरफ जा रही थी। ट्रक में पीछे से टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग जुट गए। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची और तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने सबको मृत घोषित कर दिया।

आपके पास कार है, तो नहीं मिलेंगे लाडकी बहिन योजना के पैसे

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में फडणवीस सरकार लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दे रही है। इस योजना ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। लेकिन इस योजना के तहत एक बड़ी बात कही गई है जिसके मुताबिक जिन महिलाओं के पास कार होगी उन्हें लाडकी बहिन योजना का लाभ नहीं मिलेगा। बता दें कि लाडकी बहिन योजना को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पहले की सरकार ने पिछले साल अगस्त में ही शुरू किया था। इसके तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद यह बात कही जा रही थी कि नवंबर 2024 में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति की जीत में इस योजना ने अहम भूमिका निभाई।

माझी लाडकी बहिन योजना की पात्रता क्या है?

माझी लाडकी बहिन योजना के महाराष्ट्र सरकार की ओर से कुछ पात्रता (शुरू से) तय की गई है जिसमें।

1 माझी लाडकी बहिन योजना का लाभ केवल महाराष्ट्र में रहने वाली महिलाओं को ही दिया जाता है ।

2 योजना में केवल उन्हीं महिलाओं को लाभ मिलेगा जिनकी उम्र 21 वर्ष लेकर 65 वर्ष के बीच होगी।

3 योजना का लाभ लेने के लिए महिला की पारिवारिक इनकम 2.5 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

4 यदि महिला के परिवार में ट्रैक्टर या चार पहिया वाहन है तो महिला को योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा।

5 लाडकी बहिन योजना में विवाहित, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता और निराश्रित महिला को योजना का लाभ मिलता है।

6 महिला के परिवार में कोई भी व्यक्ति इनकम टैक्स भरता है तो उस महिला को योजना का लाभ नहीं मिलेगा ।

नीलगिरी में प्लास्टिक हुआ बैन

अंदर मिली तो जब्त होगी कार, पानी की बोतल ले जाने पर भी संकट

चेन्नई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पहाड़ों की रानी के नाम से मशहूर तमिलनाडु के नीलगिरी में मद्रास हाई कोर्ट ने प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है। कोर्ट ने नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए व्यापक आदेश जारी किया है। पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न नियमों का पालन किया जा रहा है। स्थानीय से लेकर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक नीलगिरी घूमने आते हैं। यहां पिछले साल से ई-पास प्रणाली भी लागू की गई है। कुछ दिन पहले वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़ा एक मामला मद्रास हाई कोर्ट में सुनवाई के लिए आया। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति सतीश कुमार और न्यायमूर्ति भारत चक्रवर्ती की दो सदस्यीय पीठ ने नीलगिरी जिला कलेक्टर लक्ष्मी भव्या थानीर की कड़ी निंदा की। नीलगिरी जिला कलेक्टर द्वारा प्लास्टिक प्रतिबंध के कार्यान्वयन से संबंधित जानकारी वाली एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसे पढ़ने के बाद न्यायाधीश यह देखकर हैरान रह गए कि इसमें उल्लेख किया गया था कि 93 स्थानों पर स्वचालित पेयजल केंद्र संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई भी कुआं जल केंद्र काम नहीं कर रहा है और जिला कलेक्टर ने गलत जानकारी के साथ रिपोर्ट दायर की है।

कोर्ट ने लगाई फटकार, दी गई थी गलत जानकारी

कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि स्थिति यही बनी रही तो नीलगिरी में प्रवेश करने वाले वाहनों की संख्या सीमित करने के लिए सख्त कार्रवाई का आदेश दिया जा सकता है। यह मामला सुनवाई के लिए कोर्ट में आया। उस समय जिला कलेक्टर लक्ष्मी भव्य ठाणे ने न केवल रिपोर्ट में गलत जानकारी देने के लिए माफी मांगी थी, बल्कि स्वचालित पेयजल एटीएम लगाने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में भी बताया था। कुछ लोग एटीएम के अंदर सिक्का डालने वाले स्लॉट में सिक्के, पत्थर या अन्य वस्तुएं डाल देते हैं, इसके कारण मशीन काम करना बंद कर देती हैं।

वाटर एटीएम से मिलेगा पानी

बताया गया कि मरम्मत के बाद भी यह समस्या बार-बार आती रहती है। इसलिए, यह बताया गया कि वे वास्तविक समय डैशबोर्ड या यूपीआई स्कैन के माध्यम से उन्हें बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए संयंत्र स्थापित करने के लिए भी प्रयोग चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पेयजल एटीएम से भी अधिक उपयोगी होगा। नीलगिरी जिले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की जांच करना असंभव है। जिला कलेक्टर ने चेतावनी दी थी कि इससे यातायात में भारी भीड़ और अव्यवस्था पैदा हो जाएगी।

पानी की बोतल पर भी प्रतिबंध, लगेगा जुर्माना

उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई यात्री प्लास्टिक की बोतल ले जाते हुए पाया गया तो प्रशासन संबंधित वाहन चालक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाने की योजना बना रहा है।उन्होंने कहा कि यदि दोबारा उल्लंघन किया गया तो चालक का लाइसेंस और वाहन जब्त कर लिया जाएगा। इसके बाद न्यायाधीशों ने टिप्पणी करते हुए आदेश दिया कि यदि पर्यटक प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुएं ले जाते हुए पाए जाएं तो उनके पर्यटक वाहनों और बसों को जब्त कर लिया जाए तथा उनके परमिट को काली सूची में डाल दिया जाए।

सरकारी नौकरी के लालच में पत्नी ने कर दी पति की हत्या

4 महीने बाद कब्र से निकाली लाश अब खुलेगी पोल

चित्रदुर्ग, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला पर सरकारी नौकरी पाने की चाहत में अपने ही पति की हत्या किये जाने का आरोप लगा है। पति की मौत चार महीने पहले हुई थी। जांच के लिए पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकलवाया है। पोस्टमार्टम के बाद मौत का कारण सामने आएगा। मृतक मोलकालमुरु तालुका के तहसीलदार कार्यालय में एसडीए था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक की मां ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि उसके बेटे की हत्या की गई थी। आरोप मृतक की पत्नी पर लगाया गया। यह घटना चित्रदुर्ग के होलालकेरे में घटी। मृतक का नाम सुरेश था और वह नेहरू नगर का निवासी था। उनके पिता सरकारी नौकरी में थे। अपने पिता की मृत्यु के बाद, सुरेश को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दे दी गई थी। सुरेश की मां ने अपने पति की नौकरी उसे दे दी थी, इस उम्मीद में कि उनका बेटा उनकी अच्छी देखभाल करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुरेश मोलकालमुरु तालुका के तहसीलदार कार्यालय में एसडीए था। आरोप है कि उसका पत्नी से विवाद होता था, जिस कारण वह अपनी मां सरोजम्मा और भाइयों से अलग हो गया। 8 अक्टूबर 2024 को सुरेश की मौत हो गई। बिना कोई सूचना दिए उसकी पत्नी नागरत्ना ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

जब उसकी मां को जानकारी हुई तो उन्हें बताया गया कि सुरेश को कथित तौर पर पीलिया था, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। मृतक की मां को बहू नागरत्ना पर शक हुआ और उसपर हत्या का आरोप लगाया। सरजम्मो का आरोप है कि नागरत्ना ने उसके बेटे का दम घोंट दिया। वह पीलिया से मरने का नाटक कर रही है। पीड़ित मां ने पुलिस और लोकायुक्त से शिकायत की है कि उसने यह कृत्य इसलिए किया क्योंकि उसे लगा कि उसका पति उसकी नौकरी लगवा देगा। अंतिम संस्कार के चार महीने बाद, पुलिस ने अब होलकेरे रोड कब्रिस्तान से सुरेश की कब्र खोदकर उसके शव को बाहर निकाला है।

एआई टेक्नोलॉजी से रखी जाएगी नजर

क्या एसएसएलसी एग्जाम में कर्नाटक में हिजाब पर रहेगा बैन?

बेंगलूरू, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में हिजाब का मुद्दा विवादास्पद बना हुआ है, कर्नाटक के स्कूली शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगरप्पा ने साफ किया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने इस पर अभी तक कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया है। इस बीच राज्य में होने वाली परीक्षा के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। परीक्षाएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में आयोजित की जाएंगी। राज्य में हिजाब पर बैन को लेकर बहस गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा यह कहे जाने के बाद फिर से शुरू हो गई है कि आगामी एसएसएलसी परीक्षाओं के दौरान छात्रों को हिजाब पहनने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर गहन विचार-विमर्श के बाद फैसला लिया जाएगा। मंत्री ने कहा, "एसएसएलसी परीक्षाओं से पहले हमारे पास अभी भी एक महीना बचा है, और हम इस पर कोई भी फैसला लेने से पहले इस मसले पर विस्तृत चर्चा करेंगे।"

एआई संचालित सीसीटीवी कैमरों की निगरानी

कर्नाटक में कक्षा 10 (एसएसएलसी) की परीक्षाएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संचालित सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में आयोजित की जाने की तैयारी की गई है, जो परीक्षा केंद्रों पर किसी भी तरह की गड़बड़ी या अनियमितता को चिन्हित करेंगे। यह पिछले साल की परीक्षा प्रक्रिया की वेबकास्टिंग से एक कदम आगे है। हालांकि, सभी परीक्षा केंद्रों पर एआई संचालित सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी नहीं की जाएगी। कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड ने राज्य भर में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील के रूप में पहचाने जाने वाले केंद्रों और बेंगलुरु उत्तर और दक्षिण शैक्षिक जिलों के सभी केंद्रों में उन्हें स्थापित करने का ही फैसला लिया है।

हिजाब पर अभी कोई फैसला नहीं

हिजाब को लेकर कर्नाटक के साक्षरता मंत्री मधु बंगरप्पा ने साफ किया कि राज्य सरकार ने अभी तक कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया है। बंगरप्पा ने सोमवार को कहा था, "मामला अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।" उन्होंने कहा कि वह इस मसले पर आगे कुछ भी कहने से पहले गृह मंत्री के साथ इस मसले पर चर्चा करेंगे। हालांकि, इस अनिश्चितता के बीच टीचर्स चिंतित हो गए हैं। बेंगलुरु के एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा, "परीक्षाएं नजदीक हैं, इसलिए हमें परीक्षा के दिन भ्रम से बचने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों की दरकार है।"

विवाद के बाद एससी में मामला लंबित

मामला विवाद 2022 का है, जब उडुपी के सरकारी पीयू कॉलेज में 6 छात्राओं ने प्रशासन पर उन्हें हिजाब पहनकर कक्षाओं में आने से रोकने का आरोप लगाया था। संस्थान के बाहर उनके विरोध प्रदर्शन ने जवाबी विरोध प्रदर्शन भी होने लग गए थे, जिसमें कई स्कूलों में हिंदू छात्रों ने भगवा शॉल तक ओढ़ लिए। विवाद बढ़ने पर तत्कालीन सरकार ने एक समिति बनाई और 5 फरवरी, 2022 को कर्नाटक शिक्षा अधिनियम, 1983) के तहत अनिवार्य ड्रेस कोड वाले संस्थानों में धार्मिक पोशाक पर प्रतिबंध लगाने वाले दिशा-निर्देश जारी किए।

सौरभ शर्मा से पूछताछ करने जेल पहुंची ईडी की टीम

भोपाल, 5 फरवरी (एजेंसियां)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भोपाल केंद्रीय जेल पहुंची है। जेल में तीन अफसरों की टीम सुबह करीब 11 बजे से सौरभ से सवाल-जवाब कर रही है। उसके इनकम सोर्स, इनोवा कार में मिले 52 किलो गोल्ड और 11 करोड़ रुपए कैश के साथ प्रॉपर्टी की जानकारी ली जा रही है। इसी जेल में सौरभ के सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल भी हैं। हालांकि, इन दोनों से आज कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे लोकायुक्त कोर्ट में पेश किया गया था। यहां करीब एक घंटे चली सुनवाई के बाद जज आरपी मिश्रा ने तीनों आरोपियों को 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जेल में तीनों आरोपियों को ब खंड के अलग-अलग बैरक में रखा गया है।

युवक को लग गई थी सिक्के खाने की लत

पेट दर्द हुआ तो करनी पड़ी सर्जरी, सिक्कों की संख्या देख डॉक्टर्स भी रह गए दंग

घुमारवी, 5 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के घुमारवी से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। घुमारवीं के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने एक अनोखा ऑपरेशन कर 33 वर्षीय युवक के पेट से 33 सिक्के बाहर निकाले है। जानकारी के मुताबिक युवक को पेट दर्द की शिकायत के बाद 31 जनवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां जांच के बाद यह चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी और अन्य परीक्षण किए, जिससे पता चला कि उसके पेट में दो, दस और बीस रुपये के सिक्के हैं।

निकाले गए 33 सिक्के

सिक्के होने की जानकारी मिलने के बाद डॉक्टर अंकुश और उनकी टीम ने करीब तीन घंटे की कठिन सर्जरी के बाद 2, 10 और 20 रुपये के कुल 33 सिक्के सफलतापूर्वक निकाले गए, जिनका कुल वजन 247 ग्राम था। जानकारी के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान सी-आर्म मशीन की मदद से सिक्कों की सटीक लोकेशन का पता लगाया गया।

मानसिक बीमारी सिजोफ्रेनियासे है ग्रस्त

युवक सिजोफ्रेनिया का शिकार था। डॉक्टर अंकुश के अनुसार, यह युवक मानसिक बीमारी सिजोफ्रेनियासे ग्रस्त है, जिसके कारण उसने लंबे समय तक सिक्के निगल लिए थे। युवक घुमारवीं क्षेत्र का ही निवासी है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि समय रहते ऑपरेशन न किया जाता, तो युवक की हालत गंभीर हो सकती थी। फिलहाल मरीज की हालत स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

नियमित इलाज की है आवश्कता

डॉक्टर अकुंश ने बताया युवक की मानसिक स्थिति को देखते हुए उसका नियमित इलाज और निगरानी आवश्यक है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि मानसिक रोगियों की समय-समय पर जांच और सही उपचार से इस तरह की खतरनाक परिस्थितियों से बचा जा सकता है। सिजोफ्रेनिया एक गंभीर मानसिक बीमारी है जिसमें व्यक्ति के विचार, व्यवहार और भावनात्मक प्रतिक्रियाएं वास्तविकता से मेल नहीं खातीं। इसके लक्षणों में भ्रम, वहम, और असामान्य व्यवहार प्रमुख होते हैं, जिससे मरीज ऐसी हानिकारक आदतें अपनाने लगते हैं।

संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज शिरीष मोरे ने लगा ली फांसी, कुछ दिन में होने वाली थी शादी

पुणे, 5 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे के तीर्थनगरी देहू से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक शिरीष मोरे महाराज ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। 30 वर्षीय शिरीष महाराज ने आज सुबह अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। इस चौंकाने वाली घटना से शहर में सनसनी फैल गई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही देहू रोड पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शिरीष मोरे महाराज के शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की। बहरहाल, शिरीष महाराज की आत्महत्या के बाद तीर्थ गांव देहू पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। नागरिक अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। बता दें कि पुणे जिले में शिव विद्वान के रूप में शिरीष महाराज की बड़ी प्रतिष्ठा थी। वह शिव शम्भो फाउंडेशन के अध्यक्ष भी थे। कुछ दिन पहले ही उनकी सगाई हुई थी। घर में ख़ुशी का माहौल था। उनकी शादी कुछ ही दिनों में होने वाली थी लेकिन इससे पहले ही उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया है। पुलिस ने अनुमान लगाया है कि आत्महत्या के पीछे वित्तीय कठिनाइयां कारण हो सकती हैं। पुलिस के अनुमान के अनुसार, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने आत्महत्या की होगी। आत्महत्या करने से पहले उसने एक नोट भी लिखा था। शिरीष महाराज का निधन उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा सदमा है। सोशल मीडिया के द्वारा होने वाले धार्मिक प्रवचनों और संघ के स्वयंसेव और हिंदुओं को मार्गदर्शन करने के दौरान शिरीष महाराज यह अपील भी करते थे कि "उन लोगों से खरीदारी करने से बचें जिनके माथे पर तिलक नहीं है

खुद को सीबीआई अफसर बताकर करता था वीडियो कॉल फिर जाल में फंसाता था, दिल्ली पुलिस ने ऐसे पकड़ा

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए दिल्ली पुलिस की द्वारका साइबर टीम ने एक ऐसे ठग को गिरफ्तार किया है, जो व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए खुद को सीबीआई ऑफिसर बताता था और लोगों को फंसाकर अश्लील वीडियो बनाता था। इसके बाद उन्हें ब्लैकमेल कर मोटी रकम वसूलता था। इस गिरोह का भंडाफोड़ करने के लिए पुलिस को हिमाचल प्रदेश के बर्फीले इलाकों तक जाना पड़ा, जहां आरोपी छिपा बैठा था। पुलिस ने बताया कि यह ठग पहले लोगों को अचानक वीडियो कॉल करता, फिर फोन काट देता था। इसके बाद वह खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर कॉल करता और धमकी देता कि वीडियो कॉल में दिखने वाली लड़की ने आत्महत्या कर ली है। इसी बहाने वह लोगों से पैसे ऐंठता था।

ऐसे करता था लाखों रुपये की ठगी

दिल्ली के एक व्यक्ति ने 12 अगस्त को साइबर थाना द्वारका में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसे एक व्हाट्सएप वीडियो कॉल आई, जो कुछ सेकंड में ही कट गई। अगले दिन एक नए नंबर से कॉल आई, जिसमें खुद को सीबीआई अधिकारी गौरव मल्होत्रा बताया और कहा कि वीडियो कॉल में दिखने वाली लड़की ने आत्महत्या कर ली है। इसके बाद, आरोपी ने पीड़ित को धमकाने के लिए एंबुलेंस की तस्वीरें और एक अश्लील वीडियो भेजा, जिसमें पीड़ित को आपत्तिजनक स्थिति में दिखाया गया था। डरे हुए पीड़ित ने 4.84 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए।

ठग को पकड़ने के लिए हिमाचल तक गई पुलिस

इस मामले को सुलझाने के लिए डीसीपी द्वारका ने एसीपी राम अवतार की निगरानी में इंस्पेक्टर खालिद हुसैन (एसएचओ, साइबर थाना द्वारका) के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई। इस टीम में एसआई साहिल गहलावत, हेड कांस्टेबल योगेश कुमार, हेड कांस्टेबल प्रमोद और कांस्टेबल योगेश शामिल थे। जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर ठग की लोकेशन का पता लगाया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में छिपा हुआ था।

टीम ने बिना देरी किए हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के सूनसान इलाकों में छापा मारा। डीसीपी के मुताबिक जब पुलिस टीम आरोपी के ठिकाने के पास पहुंची, तो वहां से आगे जाने का कोई रास्ता नहीं था। लेकिन लगभग एक घंटे तक पहाड़ों में ट्रैकिंग करने के बाद पुलिस ने आखिरकार आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित कुमार (उम्र 19 वर्ष) के रूप में हुई, जो 8वीं तक पढ़ा हुआ है और मजदूरी का काम करता है।

उसने ठगी के लिए कैनरा बैंक और पंजाब नेशनल बैंक में दो फर्जी खाते खोले थे, जिनका इस्तेमाल पैसे ऐंठने के लिए किया जाता था। पैसा अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया गया था। दिल्ली पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे अज्ञात नंबरों से आने वाली व्हाट्सएप वीडियो कॉल न उठाएं और किसी भी अनजान व्यक्ति को बैंक डिटेल या निजी जानकारी साझा न करें। अगर कोई साइबर ठगी का शिकार होता है, तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

छात्र से शादी करने वाली प्रोफेसर ने दिया इस्तीफा कहा- अब यूनिवर्सिटी आने का मन नहीं

कोलकाता, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मौलाना अबुल कलाम आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की प्रोफेसर पायल बनर्जी इस समय चर्चा में हैं। वजह उनका एक वीडियो जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। ये वीडियो एक शादी का है, जिसमें प्रोफेसर पायल बनर्जी अपने ही छात्र के साथ क्लासरूम में वरमाला पहनाते और मांगे में सिंदूर भरवाते हुए दिखाई दे रही हैं। जब शादी वीडियो वायरल हुआ तो प्रोफेसर पायल बनर्जी को छुट्टी पर भेज दिया गया और जांच के आदेश दिए गए। वहीं अब जो खबर सामने आ रही है, वो और भी चौंकाने वाली है। प्रोफेसर पायल बनर्जी ने यूनिवर्सिटी के प्रभारी कुलपति को अपना इस्तीफा भेज दिया है। यूनिवर्सिटी सूत्रों के मुताबिक, पायल बनर्जी ने अपना इस्तीफा भेजा था, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया, क्योंकि यूनिवर्सिटी की अनुशासन समिति का निर्णय आना अभी बाकी है। प्रोफेसर पायल बनर्जी ने कहा, "हमने क्लासरूम में केवल शादी का नाटक किया था। नाटक में डांस, म्यूजिक सब होता है, लेकिन वो सब नहीं दिखाया गया। केवल शादी वाले हिस्से को वायरल किया गया। ये एक सोची समझी साजिश है। अब सोशल मीडिया पर मेरा चरित्र हनन किया जा रहा है। इससे मेरे क्लास में पढ़ने वाले बच्चों की छवि भी खराब हो रही है।"

नदी को पार कर नेपाल पहुंचा हाथी, शोर मचाते रहे ग्रामीण; काफी देर तक रही दहशत

चंपावत, 5 फरवरी (एजेंसियां)। टनकपुर के शारदा वन रेंज से सटे ग्राम सभा उचौलीगोठ में फसल रौंदने वाला एक हाथी सोमवार की देर रात काली नदी पार कर नेपाल की ओर चला गया। नेपाल के गांव खल्ला में भी हाथी के पहुंचने पर लोग गए। नेपाल के नागरिकों ने भी शोर मचाया तो हाथी नदी के किनारे देर रात तक रुका रहा। इससे नेपाल के लोग भी रात में देर तक जागते रहे। उचौलीगोठ के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में दो हाथी घुस रहे हैं। इससे बूम की ओर से रात में एक हाथी घुसा और आहट होते ही ग्रामीण प्रकाश सिंह महर आदि जाग गए। इसके बाद प्रकाश के खेत में फसल को रौंदते हुए हाथी आगे आया जिस पर ग्रामीणों ने शोर मचाया तो हाथी काली नदी में उतर गया। समाजसेवी सुंदर आर्या ने बताया कि ग्रामीण रात में शोर मचाते हुए नदी किनारे पहुंचे और हाथी नेपाल के दूसरी ओर खल्ला गांव की ओर पहुंच गया।

भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने की पहल, अगरतला उच्चायोग में फिर वीजा सेवा शुरू करेगा बांग्लादेश

अगरतला, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने भारत के साथ रिश्ते बेहतर करने की पहल की है। बांग्लादेश आज से अगरतला उच्चायोग में एक बार फिर वीजा और कॉन्सुलर सेवाएं शुरू करेगा। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग ने यह एलान किया। बांग्लादेश सहायक उच्चायोग ने तीन दिसंबर 2024 को अपनी सेवाएं निलंबित कर दी थीं। यह निलंबन हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की ढाका में गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन कर

रहे लोगों के एक समूह द्वारा उच्चायोग परिसर में घुसपैठ करने के एक दिन बाद किया गया था। बांग्लादेश सहायक उच्चायुक्त कार्यालय के प्रथम सचिव मोहम्मद अल अमीन ने कहा कि बांग्लादेश सहायक उच्चायोग की सभी वीजा और वाणिज्य दूतावास सेवाएं पांच फरवरी से फिर से शुरू होंगी। पिछले साल दिसंबर में उच्चायोग में तोड़फोड़ के बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया था। तब बांग्लादेश सरकार ने कहा था कि वह बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग के परिसर में हिंदू संघर्ष समिति के प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह द्वारा किए गए हिंसक प्रदर्शन और हमले पर गहरी नाराजगी जताती है तथा इस घटना पर तत्काल कार्रवाई और गहन जांच की मांग करती है। बांग्लादेश उच्चायोग ने अगरतला स्थित अपने मिशन में की सुरक्षा के उल्लंघन पर विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद राज्य सरकार ने भी वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इस घटना में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने बताया कि कथित लापरवाही के लिए तीन उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया। घटना को लेकर न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) पुलिस स्टेशन में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है।

वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा बढ़ाई गई

एसपी ने बताया था कि घटना के बाद वाणिज्य दूतावास में सुरक्षा बढ़ा दी गई तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) के जवानों को तैनात किया गया। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी घटना पर नाराजगी जाहिर की थी और कहा कि 'लोगों को शांतिपूर्ण विरोध की अनुमति दी जा सकती है लेकिन इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 6 फरवरी - 2025

किसकी होगी दिल्ली?

दिल्ली में ठंड का सीजन है लेकिन चुनावी सरगर्मी ने मिजाज गर्म कर रखा है। इतना की नेता व समर्थक एक दूसरे से मारपीट से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। पूर्व डिप्टी सीएम ने एक बूथ पर गर्मी दिखाई तो विरोधियों ने उनसे भी धक्कामुक्की कर ली। बात चुनावी हार जीत की करें तो पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा। फिर महाराष्ट्र और झारखंड। और अब दिल्ली की बारी है। चुनावी प्रचार में क्या भाजपा, क्या आप और क्या कांग्रेस, सभी ने प्रचार के घोडे खूब दौडाए। सबका दावा है कि दिल्ली में कुछ बहुत बड़ा होने वाला है। कहने को तो दिल्ली पूर्ण राज्य है नहीं, इसके बाद भी चुनावी प्रचार में किसी ने कोई कोर कसर बाकी नहीं रखा। मतदान का रुख देख कर अनुमान लगाना तो कठिन है लेकिन मतदाताओं के अनुसार बीजेपी और आम आदमी पार्टी में कांटे की टक्कर है। यह चुनाव कितना बडा उलटफेर करेगा इसका पता तो आठ फरवरी को परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। आप के लिए तो यही कहा जा रहा है कि अकेली दिल्ली की सत्ता में वैसे भी रखा भी क्या है? पुलिस तक तो उसके पास है नहीं। बेचारे अर्जियां लगाते रहते हैं और वे अस्वीकृत होती रहती हैं। आप विधायकों की तो पुलिस का जवान तक नहीं सुनता। अपने कार्यकाल में कांग्रेस नेता शीला दीक्षित ने जिस तरह दिल्ली को संवारा-निखारा था, वैसा तो कोई नहीं कर पाया है,लेकिन उनके रहते ही कांग्रेस पार्टी की दिल्ली से विदाई हो गई थी। कांग्रेस का वोट आम आदमी पार्टी ने छीन लिया। जहां तक आप पार्टी का सवाल है, उसे हर हाल में दिल्ली की सत्ता चाहिए। ये पार्टी और उसके नेता वही हैं, जो कभी पार्टी के गठन के वक्त कहा करते थे कि 'हम सत्ता में रहकर भी बागी रहेंगे उन महफिलों के, जहां शोहरत तलवे चाटने से मिलती है।' सरकारी मकान नहीं लेंगे। सरकारी सुविधाओं का इस्तेमाल या बेजा इस्तेमाल नहीं करेंगे। एक अलग तरह की राजनीतिक पौध विकसित करेंगे आदि। शुरू में इस पार्टी के इन नारों ने लोगों को बहुत लुभाया। लेकिन समय बीतने के साथ ही इस पार्टी की शोहरत भी धूल-धुसरित होती गई। कालांतर में शुचिता या सिद्धांतों के बजाय फ्रीबीज़ यानी मुफ्त की रेवड़ियों पर आकर टिक गई। इनकी देखा-देखी दूसरी पार्टियां भी रेवड़ियों की चासनी में डूबने लगीं। सब की सब इसी पैटर्न को अपनाए हुए हैं। किसी की तरफ से हजार, किसी की ओर से डेढ़ हजार, ढाई हजार और तीन हजार रुपए महीना तक मुफ्त में देने के वादे किए गए हैं। महिलाओं के उत्थान के नाम पर दिया जाने वाला यह पैसा सत्ता में आने या सत्ता में वापसी करने की मुख्य धुरी बन गई है। ट्रेंड बता रहा है कि जो पार्टी सत्ता में रहती है, उसका भरोसा लोग ज्यादा करते हैं। जैसे मध्यप्रदेश की सरकार वहां पहले से महिलाओं को यह पैसा दे रही थी, इसलिए उसी पर लोगों ने भरोसा किया। जबकि विपक्ष ने सरकार द्वारा दी जा रही रकम से ज्यादा देने का चुनावी वादा किया था, लेकिन लोगों ने उसे नकार दिया। यही महाराष्ट्र में हुआ। ...और झारखंड में भी। जबकि महाराष्ट्र और झारखंड में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें थीं। कुल मिलाकर, जो पहले से मिल रहा है, उसे कोई छोड़ना नहीं चाहता। दूसरा कोई सत्ता में आकर दे या न दे, इस झंझट में कोई पड़ना नहीं चाहता। यही वजह है कि जिन राज्यों में भी महिलाओं को हर महीने कुछ राशि दी जा रही है, वहां चुनाव होने पर सरकार रिपीट हो रही है। दिल्ली लगता है, इसका अपवाद नहीं हो सकती। हालांकि असल परिणाम तो 8 फरवरी को ही पता चलेंगे, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा कुछ इसी तरह की हैं।

व्यापार युद्ध का कारोबारी लाभ कैसे उठाए भारत?

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम भारतीयों के मनोमस्तिष्क में इसलिए हमेशा बसे रहते हैं कि उन्होंने आपदा को अवसर में बदलने का हुनर दिखलाया-सिखलाया-बतलाया है। इस हेतु राष्ट्रीय जज्बे को जिस शानदार-जानदार तरीके से उन्होंने प्रदर्शित किया-करवाया है, उसने हम सबको उनका मुरीद बना दिया है। वैश्विक महामारी कोरोना के पहले, कोविड-19 के दौरान और उसके बाद भी उन्होंने दुनियावी त्रासदी/पारस्परिक संघर्षों-संकटों को जितना सकारात्मक तरीके से लिया है, उससे भारत पुनः विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। उनके नेतृत्व में भारत अब याचक कम, दाता ज्यादा नजर आता है।

यही वजह है कि समावेशी व्यापार प्रचलन स्थापित-संचालित-नियंत्रित करने में विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ की विफलता के बाद दुनिया के देशों में मचे व्यापार युद्ध मतलब टैरिफ वॉर से उतपन्न होने वाले द्विपक्षीय कारोबारी आपदा को तीसरे पक्ष हेतु अवसर में बदलने के लिए भारत के लिए क्या संभावनाएं हैं और उसकी क्या रणनीति होनी चाहिए, इस विषय पर हम यहां चर्चा करेंगे। क्योंकि आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध भारतीय निर्यातकों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

समझा जाता है कि अमेरिका-चीन जैसे दो बड़े देशों के इस अप्रत्याशित कदम से अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, आंकड़ा जन्य अनुभव बताता है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल (2016-2020) के दौरान जब अमेरिका ने चीनी चीजों पर टैरिफ लगाया था, तो उस दौरान भारत चौथा सबसे बड़ा फायदा पाने वाला देश था। इसलिए विशेषज्ञों का कहना है चीन से आयात पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के लिए बहुत अवसर मिलेंगे। क्योंकि टैरिफ लगाए जाने से चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर असर पड़ेगा। बताया जाता है कि इससे अमेरिकी बाजार में उनके सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे अमेरिकी खरीदार उच्च लागत से बचने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करेंगे। इससे भारत को फायदा होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 1 फरवरी 2025 को एक इग्जेक्युटिव आदेश पर हस्ताक्षर किए। जिसमें मेक्सिको से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। वहीं, कनाडा से आने वाले सामानों पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। जबकि, कनाडा के ऊर्जा संसाधनों पर 10 प्रतिशत टैरिफ ही लगाने की घोषणा की गई। इस ऑर्डर में ही चीन से आयात पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात थी, जिससे चीन बौखला गया।

अलबत्ता, अमेरिका के जवाब में चीन ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगा दिया है। उसके इस जवाबी कदम के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। उधर, अमेरिकी कदम के जवाब में मेक्सिको और कनाडा ने भी अमेरिकी टैरिफ के बदले में जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इससे व्यापार युद्ध कई देशों के बीच पहुंच गया है। निकट भविष्य में इसके चक्कर में और कई देशों के आने की संभावना है। स्वाभाविक है कि इन सभी कदमों का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

बता दें कि इस बारे में अपनी सफाई देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि यह कदम अवैध इमिग्रेशन और ड्रग्स तस्करी से उपजी चिंताओं को लेकर उठाया गया है। क्योंकि रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने इन दो मुख्य मुद्दों को अपने चुनावी अभियान का आधार बनाया था। चूंकि चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद से ही उनकी ओर से जनता से किये हुए वादों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाए जाने के संकेत दिए जा रहे थे। इसलिए यह कदम उठाया गया है।

सवाल है कि चीन के अमेरिका पर टैरिफ लगाने का कितना प्रभाव उसपर पड़ेगा, तो जानकारों के मुताबिक जवाब यह होगा कि अमेरिका पर इसका सीमित प्रभाव हो सकता है। क्योंकि अमेरिका दुनिया में तरल प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, लेकिन उस निर्यात में चीन की हिस्सेदारी महज 2.3 फीसदी के आसपास है। वहीं, चीन का सबसे बड़ा कार आयात यूरोप और जापान से होता है। इसलिए विशेषज्ञ इसे चीन की सौदेबाजी की शक्ति हासिल करने के तौर-तरीके के रूप में इसे देख रहे हैं।

वहीं, जहां तक इस ट्रेड वॉर के चीन पर असर होने का सवाल है तो जानकार बताते हैं कि चीन 120 से अधिक देशों के लिए प्रमुख व्यापार भागीदार है और अमेरिका उनमें से सिर्फ एक है। वहीं, पिछले दो दशकों में चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था में व्यापार के महत्व को लगातार कम किया है और घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी की है। यही वजह है कि आज आयात और निर्यात का चीन के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 37 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 2000 के दशक की शुरुआत में यह 60 फीसदी से अधिक था। इसलिए 10 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ उसे सिर्फ चुभेगा, जबकि पेइचिंग इस झटके को बर्दाश्त कर सकता है। कुछ यही वजह है कि चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने भी अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही गत मंगलवार को उसने अमेरिकी सर्च इंजन 'गूगल' की जांच की भी बात कही, ताकि उसके कारोबारी हितों को चोट पहुंचाया जा सके। बताया गया है कि चीन द्वारा अमेरिकी कोयला और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़ी कारों पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। वहीं, मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी उत्पादों पर नए टैरिफ 10 फरवरी से शुरू यानी प्रभावी होंगे।

वहीं, चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि अमेरिका का एकतरफा टैरिफ बढ़ाना वर्ल्ड ट्रेड अऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का घोर उल्लंघन है। यह उनकी समस्याओं को हल करने में कोई मदद नहीं करेगा। हां, इतना जरूर है कि यह चीन और अमेरिका के बीच सामान्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को नुकसान पहुंचाएगा। चूंकि वैश्विक थानेदारी के लिए दोनों में आपसी होड़ मची हुई है, इसलिए यह स्वाभाविक कदम भी है। निकट भविष्य में कुछ और कदम भी उठाए जा सकते हैं। उधर, चीन के स्टेट ऐडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन ने यह भी कहा है कि वह गूगल पर विश्वास विरोध (एंटीट्रस्ट) कानूनों के उल्लंघन के संदेह में जांच कर रहा है। हालांकि, इसमें किसी टैरिफ का विशेष रूप से जिक्र नहीं किया गया। हालांकि, यह घोषणा वह ट्रंप के 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के कुछ ही मिनट बाद ही की गई। बताया जाता है कि ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर कड़े टैरिफ लगाने संबंधी एक आदेश पर गत शनिवार को हस्ताक्षर किए थे। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने टैरिफ को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा था। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यापारिक युद्ध से किसी का भला नहीं होता। बकौल कांग, 'हम इस अनुचित वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका को अपनी समस्याओं पर गौर करना चाहिए। ऐसा समाधान ढूंढना चाहिए जो उसके लिए और पूरे विश्व के लिए फायदेमंद हो।' हालांकि, ट्रंप ने अगले कुछ दिन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बातचीत करने की योजना बनाई है। जबकि उनके द्वारा चीन पर लगाया गया 10 प्रतिशत टैरिफ गत मंगलवार से ही लागू हो गया।

उधर, इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने भी मेक्सिको की चीजों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि इक्वाडोर के उत्पादकों के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में नोबोआ ने कहा कि वह मेक्सिको के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है, लेकिन दुर्व्यवहार होने पर नहीं। हालांकि उन्होंने विस्तार से इस बारे में कुछ भी नहीं बताया है। राष्ट्रपति नोबोआ ने सिर्फ इतना कहा है कि जब तक मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए नहीं होता, मेक्सिको की चीजों पर 27 फीसदी टैरिफ लागू होगा। वहीं, कनाडा के पीएम जस्टिन टुडो और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ अलग-अलग बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दोनों देशों पर टैरिफ लगाए जाने के फैसले को लागू करने पर कम से कम एक महीने के लिए रोक लगाने पर सहमति जताई है। बता दें कि टैरिफ लगाए जाने के बाद, कनाडा के पीएम टुडो ने कहा था कि अमेरिका की कार्रवाई ने हमें एकजुट करने के बजाय अलग थलग कर दिया है।

अर्थव्यवस्था को चौपट करते अवैध बांग्लादेशी

रामस्वरूप रावतसरे

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने एक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट का नाम 'दिल्ली में अवैध अप्रवासी, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिणामों का विश्लेषण' है। 114 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे बांग्लादेशी घुसपैठियों का देश और विशेष कर राजधानी दिल्ली पर प्रभाव पड़ रहा है। रिपोर्ट में टाटा इंस्टीट्यूट फॉर सोशल साइंस का भी योगदान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अधिकांश बांग्लादेशी घुसपैठिए 'फैमिली फर्स्ट' नीति अपनाते हैं। पहले परिवार का एक आदमी दिल्ली के भीतर आकर बस जाता है, पैसा कमाता है और रहने की जगह ढूँढता है। इसके बाद वह एक-एक कर पर परिजनों को भी बांग्लादेश से लाना शुरू कर देता है। रिपोर्ट के अनुसार यह घुसपैठिए पहले कुछ दिन सीमाई राज्यों में रुकते हैं और फिर दिल्ली की तरफ बढ़ते हैं।

बीते कुछ दिनों में अवैध महिलाओं की संख्या भी बढ़ी है। दिल्ली आने वाले 43 प्रतिशत से अधिक घुसपैठिए पश्चिम बंगाल में रुकते हैं। रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि वो घुसपैठिए, जो दिल्ली में 10 साल से ज्यादा से रह रहे हैं, उनका नए घुसपैठियों को भारत लाने और यहाँ बसाने में अहम रोल है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में इन घुसपैठियों को मदद करने में इनके खुद के कुछ समूह और मजहबी समूहों का बड़ा हाथ है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में बसने के बाद क्षेत्रीय या धार्मिक पहचानों के इर्द-गिर्द बनाए गए समूह इन्हें मदद करते हैं। इनमे कुछ राजनीतिक लोग भी शामिल रहते हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में घुसपैठियों को सहायता देने और छत, भोजन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी सहायता और यहाँ तक कि बैंकिंग तक पहुँच जैसी सेवाएँ देने बिना रजिस्टर किए गए एनजीओ और मजहबी समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कानूनी रूप से इनका दायरा साफ़ नहीं है। ये लोग अवैध प्रवासियों को रोजगार पाने और स्थानीय समुदायों में मिलने-घुलने में मदद करते हैं. कभी-कभी यह सरकारी नियम भी दरकिनार करते हैं। एनजीओ द्वारा दी जाने वाली सहायता के अलावा, स्थानीय कई राजनीतिक हस्तियों की भी इसमें महत्वपूर्ण भागीदारी होती है। यह अक्सर राजनीतिक वफ़ादारी के बदले में अवैध प्रवासियों को सहायता देते हैं। ये राजनीतिक हस्तियाँ इन्हें घर ढूँढने के लिए फर्जी कागज तक दे सकती हैं। चुनावों के दौरान इन घुसपैठियों की कमज़ोर स्थिति का फ़ायदा उठाया जा सकता है।

रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि यह घुसपैठिए स्थानीय लोगों का रोजगार छीन रहे हैं। इनमें से अधिकांश अकुशल क्षेत्रों में लगे हुए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह घुसपैठिए दिल्ली में कम पैसों पर भी काम करने को राजी हैं। यह दिल्ली के भीतर निर्माण, घरेलू काम, सफाई और रेहड़ी जैसे कामों में जुड़े हैं। इससे दिल्ली के भीतर बेरोजगारी भी बढ़ रही है। यह लोग अपराध और गैर कानूनी धंधों में भी जुड़े हैं। यह दिल्ली की ब्लैक इकॉनमी को बढ़ावा दे रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि यह घुसपैठिए सिर्फ भारत में कमा कर अपना ही काम नहीं चला रहे बल्कि पैसा बांग्लादेश भी भेज रहे हैं। भारत में रहने वाले 80 प्रतिशत बांग्लादेशी घुसपैठिए यहाँ से कमाया हुआ पैसा वापस अपने घर भेजते हैं।

लगभग 50 प्रतिशत बांग्लादेशियों ने भारत में खाते भी खुलवा लिए हैं। 20 प्रतिशत बांग्लादेशी घुसपैठिए जमीन भी खरीद चुके हैं जो चिंता की बात है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में इस काम से अर्थव्यवस्था पर फर्क पड़ रहा है। यह भी सामने आया है कि दिल्ली में रहने वाले 96.3 प्रतिशत घुसपैठिए मुस्लिम हैं। इनके चलते दिल्ली के उन इलाकों की जनसांख्यिकी भी बदल गई है जहाँ यह आकर बसे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेशी घुसपैठिए सीलमपुर, जामिया नगर, जाकिर नगर, सुल्तानपुरी, मुस्तफाबाद, जाफराबाद, द्वारका, गोविंदपुरी आदि जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में बस जाते हैं। इनके चलते यहाँ रहने वाले निवासियों को मिलने वाली सुविधाओं पर दबाव पड़ता है।

दिल्ली में लगातार आ रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों के चलते यहाँ की जनसांख्यिकी बिगड़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 1951 में दिल्ली की जनसंख्या में हिन्दू 84 प्रतिशत थे जो 2011 तक घट कर 81 प्रतिशत हो गए है लेकिन इसी बीच मुस्लिम आबादी 5.7 प्रतिशत से बढ़ कर 12.8 प्रतिशत के आसपास पहुँच गई है। इसका अर्थ है कि बाकी कारणों के सहित अवैध घुसपैठियों से दिल्ली में मुस्लिम दोगुने हो गए है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में रहने वाले 75 प्रतिशत अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए स्वास्थ्य सुविधाओं का भी लाभ उठा रहे हैं, इसके चलते स्थानीय लोगों को इलाज नहीं मिलता या उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

राजस्थान की माइनिंग में लंबी छलांग

डॉ. राजेन्द्र शर्मा

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रुस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधी में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़ें भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा।

देश दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदर बांट पर रोक लग सकी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मोनेटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है।

राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश हैं। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यवसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी से तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम

हर शख्स परेशां सा क्यों है?

अमरपाल सिंह वर्मा

रोजमर्रा की भागमभाग और आपाधापी में लोगों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। बढ़ता मानसिक तनाव एवं अवसाद लोगों के जीवन में ऐसा खलल डाल रहा है, जिससे वह बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। टेंशन एवं डिप्रेशन से जूझने वाले लोग ऐसे निराशाजनक दौर से गुजर रहे हैं जो न उन्हें दिन में चैन लेने दे रहा है और न रात को आराम। यह समस्या न केवल युवाओं बल्कि हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही है। अब तो बच्चे भी तनाव से अछूते नहीं रहे हैं। यह ऐसी विश्वव्यापी समस्या है, जिसके शिकार लोग रहते भले ही अलग-अलग देशों में हों पर उनका दर्द एक जैसा है। हमारे देश में तनाव ने लोगों की जीवनचर्या को अस्त व्यस्त कर दिया है।

एक ओर जहां बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का दबाव तनाव की वजह है, वहीं परिस्थितियों के साथ सामंजस्य न बैठाने से भी मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता भी तनाव का कारण बन रही है। आर्थिक संकट का सामना करने वाले व्यक्तियों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में आ रही कठिनाई भी तनाव और अवसाद की वजह है। किसान, मजदूर, अधिकारी, कर्मचारी, इंजीनियर, अभिनेता, नेता, व्यापारी, दुकानदार, स्त्री, पुरुष सब इससे पीड़ित हैं। शायद ही कोई ऐसा वर्ग है जिसे तनाव ने छोड़ा हो। स्कूल-कॉलेज के बच्चों को शिक्षा और कॅरियर को लेकर बढ़ता दबाव परेशान किए हुए है। परीक्षा जनित तनाव, अच्छे अंक प्राप्त करने का प्रेशर और अच्छी नौकरी पाने का दबाव युवाओं को मौत को गले लगाने पर मजबूर कर रहा है।

समाज में कुछ बनकर दिखाने की चाहत भी तनाव का प्रमुख कारण बन गई है। जब महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं होतीं तो दिमाग में केमिकल लोचा पैदा होने लगता है। बढ़ती नशावृत्ति और बिखरते परिवार भी टेंशन का सबब बन रहे हैं। परिवारों में संघर्ष और रिश्तों में खटास मानसिक बीमारियों को बढ़ावा रहा है। हाल के सालों में सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग भी मानसिक अवसाद की नई वजह बनकर उभरा है। वर्चुअल दुनिया में व्यस्त लोग हकीकत में अकेले पड़ते जा रहे हैं।

देश में मानसिक स्वास्थ्य पर मंडराता संकट गंभीर स्थिति बन चुका है। इसका खतरनाक परिणाम बढ़ती आत्महत्याओं के रूप में सामने आ रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार देश में वर्ष 2021 में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की जबकि 2022 में 1.70 लाख से ज्यादा लोगों ने मौत को गले लगा लिया। यह भयावह आंकड़े समाज के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश लोग अवसाद, चिंता, मानसिक विकारों और अकेलेपन की वजह से आत्महत्या करते हैं। रिश्तों में तनाव, विवाह संबंधी समस्याएं और फेमिली स्पोर्ट का अभाव भी बड़ी वजह है। कर्ज का बोझ और वित्तीय समस्याएं भी इसके प्रमुख कारणों में हैं। कई बार शारीरिक- मानसिक उत्पीडन, विशेष रूप से यौन उत्पीडन के कारण भी लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। देश में महिलाओं से ज्यादा शादीशुदा पुरुष आत्महत्या कर रहे हैं। छात्रों द्वारा सुसाइड की बढ़ती घटनाएं भी चिंता की वजह बन रही हैं।

यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में मानसिक स्वास्थ्य की हालत खराब है। 15 से 24 साल के प्रत्येक 7 लोगों में से एक व्यक्ति खराब मेंटल हेल्थ से गुजर रहा है। एक सर्वे से पता चलता है कि खराब मेंटल हेल्थ से पीड़ित लोगों में से 41 फीसदी ही किसी काउंसलर या मनोचिकित्सक के पास जाना उचित समझते हैं।

दिखावटी प्रेम

डॉ. सुरेश मिश्रा

दुनिया की सबसे बड़ी दिखावट प्रेम है, और यह दिखावटी प्रेम का खेल आजकल हर जगह देखने को मिल रहा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आप जब भी घूमेंगे, आपको हर तरफ सच्चे प्रेम के बड़े-बड़े पोस्टर लगे हुए दिखेंगे। ऐसे-ऐसे जोड़ों की तस्वीरें आपको मिलेंगी, जो एक-दूसरे के लिए इतनी प्रेम भरी बातें कर रहे होते हैं कि यदि आप अपने एकांत में यह सब देख रहे हैं, तो आपको यकीन हो जाएगा कि वे दोनों किसी महाकवि के रचनाकाल में जी रहे हैं। लेकिन असलियत क्या है? असलियत यह है कि इस दिखावटी प्रेम के पीछे एक बड़ा बाजार छिपा है, जहां लोग एक-दूसरे को केवल दिखावे के लिए प्यार करते हैं। यह एक ऐसा प्रेम है, जो केवल लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोवर्स के लिए जीता है। असली प्रेम तो वह है, जो बिना किसी प्रदर्शनी के अपने आप को साबित करता है। सोचिए, जब भी आप किसी कपल को पार्क में टहलते हुए या कैफे में बैठकर ₹प्यार₹ भरी बातें करते हुए देखते हैं, तो क्या कभी आपने यह सोचा है कि शायद वे दोनों अभी-अभी झगड़ कर आए हैं? या फिर वे अपनी प्रेम कहानी की अगली कड़ी लिखने के लिए यहां आए हैं, ताकि सबके सामने अपनी 'खुशहाल' जिंदगी का दिखावा कर सकें?

क्या कभी आपने सोचा है कि यह दिखावटी प्रेम उस समय कितना हास्यास्पद हो जाता है जब दोनों की असली बातें आपस में मिलती ही नहीं हैं। एक बार मैं एक कपल के साथ एक पार्टी में गया था। दोनों ने सबके सामने ऐसे झगड़े किए जैसे वे बॉलीवुड के किसी ड्रामे का हिस्सा हों। लेकिन जैसे ही कैमरा उनके ऊपर आया, वे एक-दूसरे के गले में बाहें डालकर मुस्कुराने लगे। उस दिन मुझे समझ में आया कि प्रेम का यह दिखावा अब एक कला बन गया है। दिखावटी प्रेम का एक और पहलू यह है कि लोग इसे अपनी पहचान बना लेते हैं। कोई भी व्यक्ति जो अपने प्रेम को केवल सोशल मीडिया पर दिखाता है, वह एक तरह से उस प्रेम को अपने जीवन का केंद्र बना लेता है। उसकी पहचान अब उस प्रेम से जुड़ गई है, और यह पहचान उसे हर दिन एक नए प्रेशर में डाल देती है। क्या मैं आज कितनी सुंदर लग रही हूँ?, क्या मैंने आज अपने प्रेमी के लिए एक बेहतरीन फोटो पोस्ट किया?, क्या लोग हमारे रिश्ते को सही में मानते हैं? ऐसे सवाल हर समय उसके दिमाग में घूमते रहते हैं। जब हम किसी भी रिश्ते की गहराई में जाते हैं, तो हमें यह पता चलता है कि असली प्रेम तो एक अदृश्य धागे की तरह होता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ता है। लेकिन दिखावटी प्रेम में यह धागा कहीं नहीं होता। यह केवल इमोशनल ब्लैकमेलिंग और सस्ता नाटक है। जब दोनों के बीच कोई समस्या आती है, तो वे न केवल अपनी समस्या का सामना करने में असफल होते हैं, बल्कि वे अपने प्रेम को भी दांव पर लगाकर एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगते हैं। दूसरी ओर, दिखावटी प्रेम का एक मजेदार पहलू यह भी है कि यह अक्सर प्रतियोगिता में बदल जाता है। क्या आपने कभी देखा है कि लोग कैसे एक-दूसरे से आगे निकलने के लिए प्रयास करते हैं? मेरे प्रेमी ने मुझे एक महंगा उपहार दिया, इसलिए मुझे भी उसे एक ऐसा उपहार देना है जो उसे हैरान कर दे। यह सोचते हुए, वे अपनी आर्थिक स्थिति को दरकिनार कर देते हैं। ऐसे में जो प्रेम का बुखार चढ़ा होता है, वह केवल दिखावे का होता है।

कभी-कभी तो यह प्रेम तो बस एक प्रतिस्पर्धा बनकर रह जाता है, जिसमें प्रेमी-प्रेमिका एक-दूसरे को हराना चाहते हैं। यह देखा गया है कि कुछ लोग अपने रिश्ते को सिर्फ इसलिए आगे बढ़ाते हैं ताकि वे अपनी सहेलियों के बीच अपनी शान बढ़ा सकें। देखो, मेरा प्रेमी मुझे कितने अच्छे तोहफे देता है, या हमारे पास एक साथ कितनी शानदार तस्वीरें हैं,₹ जैसे वाक्य इस दिखावटी प्रेम की पहचान बन जाते हैं।

इस सबके बीच असली प्रेम का क्या होता है? वह तो कहीं खो जाता है। लोग प्रेम को एक व्यवसाय के रूप में देखने लगते हैं, जहां मूल्य केवल प्रदर्शनों में ही होते हैं। असली भावनाएं, सच्चे जज़्बात और एक-दूसरे के प्रति सच्ची लगन अब केवल कहानियों की बात बनकर रह गई है।

तो, अगर आप भी इस दिखावटी प्रेम के चक्कर में हैं, तो जरा ठहरिए और सोचिए। क्या यह प्रेम है या केवल एक शो? क्या आप सच में अपने प्रेम के लिए तैयार हैं, या केवल दिखाने के लिए? प्रेम की असली भावना को समझें, क्योंकि दिखावटी प्रेम का यह खेल केवल आपको धोखा दे सकता है।

चित्रकूट के राजा की अनोखी मान्यता

मतगजेंद्र नाथ मंदिर में आज भी हैं विराजमान

श्री राम ने पूछकर बिताए थे साढ़े 11 साल

वनवास काल का समय इनसे पूछ कर ही चित्रकूट में व्यतीत किया था।

सृष्टि के विस्तार से ही भगवान शिव चित्रकूट के राजा हैं। महाराजाधिराज मतगजेंद्र नाथ के नाम से प्रसिद्ध भोले शंकर का मंदाकिनी नदी के रामघाट पर मंदिर बना हुआ है। जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु जल चढ़ाने पहुंचते हैं। भोले बाबा को बेलपत्र और फूल चढ़ाने से मनुष्य की सभी तरह की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

चित्रकूट के रामघाट के तट पर बने मतगजेंद्र नाथ मंदिर की। मान्यता है कि यहां विराजमान शिवलिंग को श्री राम ने अपने हाथ से बनाकर स्थापित किया था। वहीं, ब्रह्मा जी ने यज्ञ के दौरान निकले शिवलिंग को भी इसी मंदिर में स्थापित कर दिया था। इनको चित्रकूट का राजा भी कहा जाता है। श्री राम ने चित्रकूट में रहने के लिए इन्हीं से आज्ञा ली थी।

धर्म नगरी चित्रकूट भगवान श्री राम की तपोस्थली स्थली रही है। यहां प्रभु श्री राम ने अपने वनवास की साढ़े ग्यारह वर्ष बिताए थे। चित्रकूट में कई मंदिर हैं। हर मंदिर का अपना इतिहास है और हर मंदिर अपने भीतर अनोखा राज समेटे हुए है।

चित्रकूट के रामघाट के तट पर बने मतगजेंद्र नाथ मंदिर की मान्यता है कि यहां विराजमान शिवलिंग को श्री राम ने अपने हाथ से बनाकर स्थापित किया था तो वहीं ब्रह्मा जी ने यज्ञ के दौरान निकले शिवलिंग को भी इसी मंदिर में स्थापित कर दिया था।

इनको चित्रकूट का राजा भी कहा जाता है। भगवान श्री महादेव को यहां पर दूध और जल के साथ राम-राम लिखा हुआ बेलपत्र अर्पित करते है। राजा से पूछकर प्रभु ने चित्रकूट में किया वनवासजब प्रभु श्री राम को 11:50 वर्ष वनवास का हुआ था, तब प्रभु श्री राम ने अपने वनवास काल का समय इनसे पूछ कर ही चित्रकूट में व्यतीत किया था।

मतगजेंद्र नाथ सरकार चित्रकूट के राजा हैं। भगवान श्री राम को जब वनवास हुआ था तो भगवान श्रीराम चित्रकूट आए। इन्ही की आज्ञा से साढ़े ग्यारह वर्ष रहे। श्री राम ने लक्ष्मण जी को कहा की अगर हमको चित्रकूट में रहना है, तो हमको पहले उनसे आज्ञा लेनी होगी।

उन्होंने लक्ष्मण जी को आदेश लेने के लिए राजा के पास भेजा था। जब लक्ष्मण जी आज्ञा लेने पहुंचे तो बाबा भोलेनाथ नृत्य कर रहे थे। जब लक्ष्मण जी लौट के आए और भगवान को बताए की बाबा तो नृत्य कर रहे है। हमने पूछा तो उन्होंने कुछ जवाब ही नहीं दिया। राम जी समझ गए की उन्होंने हमे आदेश दे दिया है।

इस मंदिर में जो चार शिव लिंग स्थापित हैं। उसमें एक शिवलिंग की स्थापना श्री राम, दूसरे की रावण के पिता, तीसरे की ब्रह्मा जी और चौथे शिव लिंग की स्थापन अत्रि मुनि जी द्वारा की गई है।

आज भी इस मंदिर में दूर दूर से भक्त दर्शन के लिए आते है।और सोमवार को खास कर इस मंदिर में भक्तों की भीड़ ज्यादा देखने को मिलती है। भगवान शिव को जलभिषेक कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं।

लंबे समय से कोर्ट में अटका है मुकदमा कर लें ये 1 सटीक उपाय

कभी आपने सोचा है कि क्या आपके आसपास के पक्षी भी आपके जीवन की परेशानियों का हल निकाल सकते हैं? शायद यह थोड़ा अजीब लगे, लेकिन हमारे पूर्वजों के बताए गए कई उपाय आज भी प्रभावी साबित हो सकते हैं। खासकर, कौआ और चील से जुड़े उपायों को लेकर जो विश्वास किए जाते हैं।

कौआ और चील: इनकी विशेषता क्या है?

कौआ और चील दोनों ही पक्षी प्रकृति में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

चील अपने ऊंचे उड़ान के लिए जानी जाती है, वहीं कौआ एक बुद्धिमान पक्षी है जो जीवन के कई पहलुओं से जुड़ा होता है। अक्सर माना जाता है कि इन्हें खिलाने से जीवन के कई प्रकार के दैवीय दोष और समस्याओं का समाधान हो सकता है।

कौआ को क्यों खिलाना चाहिए?

कौआ को पनीर खिलाना एक बेहद कारगर उपाय है, खासकर अगर किसी के जीवन में किसी प्रकार की अड़चन या विघ्न आ रहे हों। चाहे वह व्यापार में नुकसान हो, नौकरी में समस्या हो, कोर्ट केस चल रहे हों या फिर व्यक्तिगत समस्याएं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कौवा शनि देव का प्रतिनिधि माना जाता है और इन्हें संतुष्ट करने से जीवन में शांति और समृद्धि आती है। लोग अक्सर कहते हैं कि जब भी कोई परेशानी आ रही हो, तो कौवों को दही, पनीर या आटे के लड्डू खिलाने से हालात सुधर सकते हैं।

चील को खिलाने का महत्व

चील का संबंध बृहस्पति ग्रह से जोड़ा जाता है। इसे खिलाने से मानसिक स्थिति और समझ में स्पष्टता आती है। यदि आप किसी बड़े संकट से गुजर रहे हैं, जैसे व्यापार में भारी नुकसान या विवाह में अनबन, तो चील को खिलाना एक कारगर उपाय माना जाता है। विशेष रूप से वे लोग जो शाकाहारी होते हैं, वे चील को पीली लस्सी या सेवियां खिला सकते हैं। चील को खिलाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति ऊंचाईयों को छूने में सक्षम हो सकता है।

इन उपायों का प्रभाव कैसे होता है?

इन उपायों का मुख्य उद्देश्य मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखना है। जब हम किसी पक्षी को भोजन देते हैं, तो यह हमारे कर्मों को शुद्ध करने का एक उपाय है। साथ ही, यह मानसिक शांति और सकारात्मकता भी लाता है। इन उपायों को करने से किसी भी प्रकार के तनाव या परेशानी में ये पक्षी हमें मदद कर सकते हैं।

12 फरवरी से लग रहा साल का दूसरा खरमास

हमारे हिंदू धर्म में खरमास का अपना एक अलग स्थान है। इस दौरान लोग शुभ काम करने से बचते हैं। बता दें कि खरमास पूरे एक माह तक रहता है, जब यह खत्म हो जाता है तो फिर से लोग अपने शुभ कार्य शुरू कर देते हैं। शास्त्रों के मानें तो जब सूर्य धनु और मीन राशि में प्रवेश करते हैं तो खरमास शुरू हो जाता है, इस समय सूर्य दक्षिणायन रहते हैं ऐसे में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

क्यों नहीं होता शुभ काम

उनका मानना होता है कि खरमास के दौरान सूर्य देव अपना तेज खो देते हैं, और सूर्य देव के आने के बाद ही पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति हुई। इतना ही नहीं इस दौरान गुरु का प्रभाव भी खत्म हो जाता है। चूंकि गुरु को शुभ कार्यों का कारक माना जाता है, ऐसे में खरमास के दौरान कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। शुभ कार्यों के लिए गुरु का उदय होना बेहद जरूरी होता है। शास्त्रों के मुताबिक, जब सूर्य धनु और मीन राशि में गोचर करते हैं तो खरमास प्रारंभ होता है और जब मकर राशि में जाते हैं तो खरमास का अंत होता है।

कब से कब तक रहेगा खरमास

हिंदू पंचांग के मुताबिक, 12 फरवरी को सूर्य देव कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं, इसके बाद वहीं 13 मार्च तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 14 मार्च क सूर्यदेव मीन राशि में गोचर करेंगे। सूर्य के इसी गोचर के साथ यानी 14 मार्च से खरमास शुरू हो जाएगा। इसके बाद कोई शुभ कार्य एक माह बाद होगा। फिर सूर्य देव 14 अप्रैल को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में जाएंगे और इसी के साथ खरमास खत्म हो जाएगा।

भगवान में श्रद्धा और तीर्थाटन में घर के वास्तु का बड़ा योगदान

पिछले एक दशक में धर्म और ईश्वर के प्रति आस्था लोगों में बढ़ती जा रही है। इसका सबसे कारण भी वास्तु को माना जा सकता है। दरअसल वास्तु अनुरूप निर्माण करने को लेकर लोगों ने जागरूकता आई है। अपना घर बनाने से पहले लोग वास्तुशास्त्रियों से चर्चा और नक्शा आदि बनवाते हैं। कई लोग जो घर से अमीर है और अच्छा खासा पैसा खर्च कर सकते हैं वे तो वास्तुशास्त्रियों के मार्गदर्शन में ही मकान बनवाने लगे हैं।

वास्तु के विपरीत निर्माण से लोगों को जीवन में दिक्कतें आती हैं और समस्याओं के चलते उनका ईश्वर से विश्वास भी धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। वे भगवान से विमुख होने लगते हैं। कहावत भी है कि सुख में सुमिरन सब करे, दुख में करे न कोय, जो दुख में सुमिरन करे तो दुख काहे को होय। लेकिन ये स्थापित तथ्य है कि भजन तभी संभव है जब पेट भरा हो। दूसरी कहावत इसी को लेकर है कि भूखे भजन न होय गोपाला। सब व्यक्ति के जीवन में समस्याएं और कमी होती है तो वह भगवान में ध्यान लगाने की बजाए अपनी समस्याओं से ही जूझता रहता है।

घर के वास्तु अनुरूप बने होने से व्यक्ति सुख पाता है तो उसे भगवान में भी आस्था होने लगती है। एक सर्वे के मुताबिक नास्तिक व्यक्ति भी वास्तु अनुरूप घर में आने के बाद आस्तिक हो सकता है और उसे भगवान की सत्ता में विश्वास होता है। घर में यदि आपका ईशान कोण जिसे उत्तर पूर्वी कोना कहते हैं, को यदि बिल्कुल वास्तु अनुरूप रखा जाए तो व्यक्ति की धर्म अनुकूल गतिविधियों में रूचि बढ़ती है। ईशान कोण यदि उत्तर की तरफ बढ़ा हुआ हो तो व्यक्ति अधिक आस्थावान होगा। ईशान कोण को सदैव स्वच्छ रखें और उसे हल्का रखें। यहां पर किसी प्रकार का ऊंचा निर्माण न हो। इसी कोण में गंगाजल भरकर रखें और हर दिन इसकी साफ सफाई करते रहे। ईशान कोण यदि स्वच्छ होगा तो शरीर भी स्वस्थ रहेगा। स्वस्थ शरीर से भजन भाव में ध्यान बढ़ेगा। इसके अलावा सभी कोणों में वास्तु अनुरूप निर्माण होना और वहां किए जाने वाले रंग तथा रखे जाने वाले घरेलू सामान का भी बड़ा महत्व होता है।

कुल मिलाकर बात ये है कि वास्तु अनुरूप निवास का निर्माण होने से व्यक्ति का भगवान के प्रति विश्वास बढ़ता है। उसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने का और उनमें शामिल होने का अवसर प्राप्त होता है। तीर्थाटन के अवसर भी प्राप्त होते हैं। इसके विपरीत गलत तरीके से बनाए गए मकानों में रहने वालों को ऐसे अवसर बहुत कम मिलते हैं।

पत्नी ने पति के दुश्मनों को खदेड़ा, गांव वालों ने जीत की खुशी में बना दिया गंगा माता का मंदिर

राजस्थान का नागौर जिला अपने आप में कई विरासतों का इतिहास संजोए हुए है। ऐसा ही अनोखा गंगा माता का मंदिर है, जिसे विजय स्तंभ के तहत जीत की याद में बनाया गया था। नागौर-कुचामन क्षेत्र के नावां के निकटवर्ती मिंडा गांव में 300 साल पुराना गंगा माता का भव्य मंदिर स्थित है। मंदिर की बनावट बहुत ऐतिहासिक और विशेष है। मंदिर में बने गुंबज अपनी वास्तुकला को प्रकट करते हैं। दूरदराज से लोग गंगा माता के मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। मिंडा के जागीरदार की महारानी ने इस मंदिर का निर्माण कराया था जो आज भी अपने प्राचीन वैभव में मौजूद है।

गंगा माता मंदिर का निर्माण जागीरदार संपत सिंह की धर्मपत्नी सज्जन कंवर ने 300 साल पहले करवाया था। जोधपुर रियासत नरेश की सेना ने जब मिंडा गांव पर चढ़ाई की तो सज्जन कंवर ने सैनिक की पोशाक पहनकर जोधपुर की सेना से युद्ध लड़ा और सेना को खदेड़ दिया। इसी जीत के उपलक्ष में गांव में गंगा माता का भव्य मंदिर बनाया गया।

रघुनाथ जी का मंदिर भी है स्थापित

इस मंदिर में गंगा माता की मूर्ति के साथ ही भगवान रघुनाथ व राधा रानी की सुंदर छोटी मूर्ति स्थापित है। मुख्य पुजारी ने बताया कि भगवान रघुनाथ के साथ ही गंगा माता की पूजा करने से घर में सुख समृद्धि आती है। जन्माष्टमी पर इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। मुख्य पुजारी ने बताया कि गंगा माता मंदिर में सोने के हिंडोले में भगवान रघुनाथ की मूर्ति को झुलाया जाता है। जलझूलनी ग्यारस पर इसी हिंडोली पर भगवान को जलाया जाता है। यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। मुख्य पुजारी ने बताया कि एक समय में गंगा माता मंदिर के अधीन 400 बीघा जमीन थी जो वर्तमान में 100 ही है। इसी जमीन की आवक से ही मंदिर की देखरेख की जाती रही है

चमत्कारी है गंगा माता का मंदिर

गांव के बीचों-बीच स्थित गंगा माता का मंदिर क्षेत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। इस मंदिर की ख्याति बहुत प्राचीन है। दूर दराज से लोग इस मंदिर में माता गंगा के दर्शन करने आते हैं और मन्नत मांगते हैं। ऐसा कहां जाता है कि इस मंदिर की चौखट पर आने वाले हर भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। यह मंदिर बहुत चमत्कारी मंदिर माना जाता है।

सपने में सफेद घोड़ा या ऊंट दिखना करता है बड़े इशारे

4 तरह के जीव दिखना शुभ या अशुभ?

सपने में घोड़ा देखना सफलता का संकेत है।

ऊंट का सपना आर्थिक समृद्धि का संकेत है।

सफेद उल्लू का सपना शुभ संकेत माना जाता है।

सपने में घोड़ा दिखना

अगर आप सपने में घोड़ा देखते हैं, तो यह संकेत करता है कि आप सफलता की ओर बढ़ रहे हैं। खासतौर पर अगर सपने में घोड़ा दौड़ता हुआ दिखाई दे, तो यह आपके कार्यक्षेत्र में तरक्की की तरफ इशारा करता है। इसके अलावा, सफेद घोड़ा देखना आपके लिए करियर में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होने का संकेत हो सकता है।

सपने में ऊंट का दिखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर किसी व्यक्ति को सपने में ऊंट दिखाई देता है, तो यह एक सकारात्मक संकेत होता है। यह संकेत करता है कि भविष्य में उस व्यक्ति के करियर में सफलता मिल सकती है और साथ ही उसे धन प्राप्ति के अवसर भी मिल सकते हैं। ऊंट का सपना आर्थिक और व्यावसायिक समृद्धि के संकेत के रूप में देखा जाता है।

सपने में चीटियां दिखना

बहुत सारी चीटियां एक साथ सपने में देखना अच्छा संकेत नहीं होता। स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, जब कोई व्यक्ति सपने में चीटियां देखता है, तो यह संकेत देता है कि उसके जीवन में कई परेशानियां और कठिनाइयां सामने आ सकती हैं। ऐसे सपने जीवन में आने वाली मुश्किलों को लेकर चेतावनी देते हैं।

सपने में सफेद उल्लू दिखना

अगर सपने में सफेद उल्लू दिखाई दे, तो यह बेहद शुभ संकेत माना जाता है। इस तरह का सपना भविष्य में किसी बड़े व्यक्ति से मिलने और उसकी मदद से आर्थिक समृद्धि प्राप्त होने का संकेत देता है। सफेद उल्लू का सपना यह भी बताता है कि आपके रास्ते में सफलता के नए अवसर खुल सकते हैं।

आपका पार्टनर भी है इस राशि का?

साबित होते हैं अच्छे जीवनसाथी, जानें पहली 6 राशि के बारे में

मेष राशि– मेष राशि के जातक स्वभाव से बहुत ही ऊर्जावान और साहसी होते हैं। इनकी मित्रता सबसे अच्छी तुला राशि के लोगों से होती है, क्योंकि तुला राशि के लोग शांति और सामंजस्य पसंद करते हैं। जो मेष राशि वालों के स्वभाव से मेल खाते हैं। इसके अलावा मेष राशि वाले सिंह और धनु राशि के लोगों से भी अच्छे रिश्ते बनाते हैं। इन राशियों के बीच एक समझदारी और ऊर्जा का आदान-प्रदान होता है, जिससे मित्रता मजबूत होती है।

वृषभ राशि– वृषभ राशि के लोग स्थिर और धैर्यशील होते हैं। इन्हें वृश्चिक राशि के लोग अच्छे साथी साबित होते हैं, हालांकि वृश्चिक राशि वाले स्वभाव से थोड़ा तीव्र होते हैं, इसलिए इन दोनों को आपस में संवाद करने की जरूरत होती है। जीवनसाथी के तौर पर वृषभ राशि के लोग कन्या और मकर राशि वालों से अच्छे रिश्ते बना सकते हैं, क्योंकि ये राशियां भी स्थिर और विश्वसनीय होती हैं।

मिथुन राशि– मिथुन राशि के जातक सामाजिक और संवादप्रिय होते हैं। इन्हें धनु राशि के लोग सबसे अच्छे मित्र मिलते हैं, क्योंकि धनु राशि वाले लोग स्वतंत्र और साहसी होते हैं। इसके अलावा सिंह, कन्या, तुला और कुंभ राशि वाले लोग भी मिथुन राशि वालों के साथ अच्छे संबंध बनाते हैं। ये राशियां भी उनकी सामाजिक और खुशमिजाज प्रवृत्ति को समझती हैं।

कर्क राशि– कर्क राशि के जातक भावनात्मक और संवेदनशील होते हैं। इनकी मित्रता मकर राशि के लोगों से सबसे अच्छी होती है, क्योंकि मकर राशि वाले लोग स्थिर और विश्वसनीय होते हैं। इसके अलावा कर्क राशि वालों के लिए वृश्चिक और मीन राशि के लोग भी अच्छे मित्र साबित होते हैं, क्योंकि ये लोग भी संवेदनशील और समझदार होते हैं।

सिंह राशि– इनकी मित्रता मेष और धनु राशि के लोगों से सबसे अच्छी होती है, क्योंकि ये लोग साहसी और ऊर्जावान होते हैं। इसके अलावा सिंह राशि वाले तुला और मिथुन राशि के लोगों से भी अच्छे रिश्ते बना सकते हैं, क्योंकि ये लोग उनके विचारों को समझते हैं और उनके साथ समय बिताना पसंद करते हैं।

कन्या राशि– इनके लिए मीन राशि के लोग सबसे अच्छे मित्र होते हैं, क्योंकि मीन राशि वाले भी भावनात्मक और संवेदनशील होते हैं। इसके अलावा कन्या राशि वाले लोग मकर, वृषभ और कर्क राशि के लोगों से भी अच्छे रिश्ते बना सकते हैं। इन राशियों के लोग अपने साथी के साथ स्थिरता और समझदारी से भरे हुए होते हैं, जो मित्रता को मजबूत बनाता है।

हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं 'बदनाम': 'वामिका गब्बी

वामिका ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2013 में पंजाबी फिल्म 'तू मेरा 22 मैं तेरा 22' से की थी। वह 'मौसम', 'बिट्टू बॉस', '83', 'खुफिया' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है।

हिन्दी के साथ पंजाबी, मलयालम, तमिल तथा तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी वामिका गब्बी का करियर ग्राफ और उसकी फैन फॉलोइंग भी तेजी से बढ़ रही है। चाहे फिल्में हों या वैब सीरीज, उसने हर जगह अपनी अभिनय प्रतिभा को साबित किया है। अपनी पिछली फिल्म 'बेबी जॉन' में अपने शानदार अभिनय के लिए भी वामिका को फैन्स से बहुत प्यार मिला है। फिल्म में किरदार से वामिका को उसके फैन्स ने 'नए क्रश' का नाम दे दिया है। हाल ही में एक कंटेंट क्रिएटर नदीश भांची ने वामिका की काबिलियत पर सवाल उठाए। उसने कहा कि फैन्स अभिनेत्री की तारीफ उसकी काबिलियत देखकर नहीं बल्कि पी. आर. की खबरों को देखकर करते हैं।

नदीश ने वामिका पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी तारीफों के लिए पी. आर. का इस्तेमाल कर रही है। उसने कहा कि उसकी खूबसूरती और काबिलियत से नहीं बल्कि अच्छी पी.आर. टीम के कारण उसे लेकर इतनी चर्चा हो रही है। कंटेंट क्रिएटर नदीश के सवाल उठाने के बाद वानिका ने भी उसे आड़े हाथों लिया और तंज कसते हुए उसने उसे जवाब दिए।

नदीश ने वमिका की पी. आर. स्ट्रैटेजी का जमकर मजाक उड़ाते हुए एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसका टाइटल था, 'वामिका गब्बी की पी.आर. टोम मीटिंग।' वीडियो में वामिका की खूबसूरत, टैलेंटेड और नई नैशनल क्रश कहा गया। यहां तक कि उसकी ऐश्वर्य राय से भी तुलना की गई लेकिन यह बात वामिका गल्ली को रास नहीं आई।

जैसे ही वामिका की नजर इस विडियो पर पड़ी, उसने नदीश को जवाब में तंज कसते हुए लिखा, टैलेंटेड और खूबसूरत भी? उफ्फ ! बैंक यू और बाकी सबको शायद पता नहीं होगा कि हमने वामिका को अगला राष्ट्रपति बनाने की भी कोशिश की थी लेकिन हमारा यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं हुआ। वहीं नदीश ने वामिका के कमेंट पर जवाब देते हुए उसकी पी. आर. टीम को शांत रहने और उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना बंद करने की सलाह देते हुए लिखा, आप तो टैलेंटेड और खूबसूरत हैं हो। 'जुबली' में आपका काम बहुत पसंद आया। इस देश में राष्ट्रपति के लिए वोटिंग नहीं होती, वरना मेरा वोट तो आपको ही मिलता, बस अपनी पी.आर. टीम को थोड़ा 'चिल' कराओ। वे एक अच्छी-खासी एक्ट्रैस का नाम खरात्र करने में लगे हैं.।

फिर वामिका ने अकबर इलाहाबादी की हिन्दी शायरी के साथ बातचीत को खत्म करते हुए लिखा, हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं वदनाम, यो कल भी कर दे तो चर्चा नहीं होती।

अब तक का करियर

आमिका ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2013 में पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22' से की थी। वह 'मौसम', 'बिट्टू बॉस', '83', 'खुफिया' जैसी फिल्मों में नजर चुकी है। साल 2023 में वामिका को पीरियड ड्रामा वैच सीरीज 'जुबली' में नीलोफर कुरैशी के किरदार के लिए काफी सराहा गया। 'जुबली' को कई अवॉर्ड और नॉमिनेशन मिले। उसको पिछली बार फिल्म 'बेबी जॉन' में देखा गया था, जिसमें वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और जैकी श्रॉफ भी थे।

चोटिल रश्मिका मंदाना की मदद किए बिना कार में बैठे विजय देवरकोंडा, वीडियो वायरल

हाल ही में रश्मिका मंदाना की वॉकर पर चलते हुए एक विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह चोटिल नजर आ रही हैं। इस वीडियो को देखकर पता चलता है कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका कहीं से बाहर निकल रहे हैं, जिसमें विजय सीधा कार के अंदर चले जाते हैं और रश्मिका लंगड़ाते हुए अपने वॉकर पर आती हैं। लोगों ने कमेंट कर इसपर आलोचना की है।

चोटिल रश्मिका दिखीं असहाय

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के रिश्तों के बारे में किसी से अब छुपा हुआ नहीं है। आए दिन ये दोनों कहीं ना कहीं साथ में स्पॉट किए जाते रहते हैं। अभी कुछ दिनों पहल जिम के दौरान रश्मिका मंदाना को पैर में चोट लग गई थी, जिस कारण वह वॉकर का सहारा ले रही हैं। एक वायरल वीडियो में विजय देवरकोंडा आते हुए दिखते हैं और सीथा कार के अंदर घुस जाते हैं, बल्कि पीछे आ रही रश्मिका वॉकर के सहारे उछलती आती दिखती हैं। इस पर लोगों ने विजय की आलोचना की।

लोगों के आलोचनाओं वाले कमेंट्स वायरल

विजय देवरकोंडा के इस रवैये के कारण नेटिजंस इस पर अलग अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर उसपर लिखता है, उसने मदद तक नहीं की और एक अन्य यूजर लिखता है, मदद तो कर देता।

विजय और रश्मिका के रिश्तों पर कई सवाल

इन दोनों कलाकारों के रिश्तों के बारे में लोग आधिकारिक रूप से पुष्टि चाहते हैं, लेकिन अभी तक इसपर कोई भी जवाब नहीं मिला है। रश्मिका से एकबार किसी इवेंट में पूछा जाता है कि वह किस व्यक्ति से शादी करना चाहती हैं? क्या वह इसी इंडस्ट्री से हैं। इस सवाल पर रश्मिका कहती हैं, इसका जवाब सब जानते हैं, किसी का नाम लिए बिना। इन दोनों के बीच के रिश्ते के बारे में चर्चा जनवरी 2023 से शुरू हुई थी, जब ये मालदीव में छुट्टियां मनाने गए थे।

कैंसर पर बात करते हुए इमोशनल हुईं हिना खान : बोलीं- हमसे पूछिए कितना मुश्किल होता है रिपोर्ट का पॉजिटिव आना

विश्व कैंसर दिवस के मौके पर नरगिस फाउंडेशन की ओर से कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सोनाली बेंद्रे और टीवी एक्ट्रेस हिना खान पहुंचीं, जहां हिना कैंसर पर बात करते हुए इमोशनल हो गईं।

हिना खान ने कहा, 'आपको अंदाजा नहीं है कि वो पल कितना सुकून भरा होता है जब आपकी रिपोर्ट नेगेटिव आती है। जब आपके टेस्ट में कैंसर का कोई संकेत नहीं मिलता, तो वह कितनी बड़ी राहत होती है। लोग कहते हैं कि पैसे वेस्ट हो गए, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। बल्कि, आपको एक सुखद एहसास होता है कि आपकी जिंदगी में कैंसर जैसा कुछ नहीं है।' इमोशनल होते हुए हिना खान आगे कहती हैं, 'हमसे पूछिए, ये कितना मुश्किल होता है जब आप वो रिपोर्ट पढ़ते हैं। वो घंटी, जिसकी आवाज से आपको ये पता चलता है कि आपकी जांच रिपोर्ट आ चुकी है और डॉक्टर बताते हैं कि कैंसर का पता चला है, वो पल कितना दुख देता है। हालांकि, सही वक्त में मुझे इसके बारे में पता चल गया और इसका इलाज भी जारी है।'

हिना खान की मानें तो कई लोग कैंसर के बारे में बात नहीं करते, लेकिन इसे करना चाहिए क्योंकि आज के समय में जागरूकता होना जरूरी है, ताकि हम लोगों को मोटिवेट कर सकें। हर किसी की जिंदगी में अच्छे दिन होते हैं, तो बुरे भी आते हैं, लेकिन अच्छे दिन एक बार जरूर लौटकर आते हैं। उससे भी बड़ी बात यह है कि कैंसर ठीक हो सकता है। हिना ने कहा कि यही वजह है कि अब उन्होंने सबको जागरूक करने का ठान लिया है।

सोनाली बेंद्रे ने कहा, 'कैंसर से डरना चाहिए, लेकिन उससे लड़ना भी उतना ही जरूरी है। ऐसा नहीं है कि इसका इलाज नहीं हो सकता। आपको समय-समय पर अपना चेकअप कराना चाहिए, क्योंकि अगर पहले या दूसरे स्टेज में आपको कैंसर के बारे में पता चल जाता है, तो इसके ठीक होने के चांस ज्यादा होते हैं।

थर्ड स्टेज ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित हैं हिना

हिना ने 28 जून, 2024 को सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्हें स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर है। पोस्ट में हिना ने लिखा था, 'हाल ही में उड़ रही अफवाहों के बीच, मैं आपको कुछ जरूरी जानकारी देना चाहती हूं। मैं ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हूं। मैं ठीक हूं। मैं स्ट्रॉन्ग हूं और डटी हुई हूं। इस बीमारी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह से कमिटेड हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है और मैं इससे और भी मजबूत होकर उबरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।'

पापा की खींची लकीर छोटी नहीं कर पाए अभिषेक, प्रतिभा के मामले में नहीं किसी से कम

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के बेटे व लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन 05 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाया हैं। अभिषेक बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'रिफ्यूजी' से की। यह फिल्म साल 2000 में आई। इस हिसाब से जूनियर बच्चन को सिनेमा की दुनिया में कदम रखे इस साल 25 वर्ष हो रहे हैं।

अभिषेक बच्चन का जन्म 5 फरवरी 1976 को हुआ। अभिनय की दुनिया में कदम रखने के साथ ही उनकी तुलना पिता अमिताभ बच्चन से की जाने लगी। बॉलीवुड के शहंशाह का सिनेमा की दुनिया में क्या रुतबा है। उनके कद के आगे ठहर पाना अच्छे-अच्छे कलाकारों के बस की बात नहीं। फिर, पिता की खींची लकीर को छोटो कर पाना अभिषेक बच्चन के लिए भी कहां आसान है। करियर के मामले में उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली, जिसकी उम्मीद खुद उन्हें और पूरे बच्चन परिवार को रही है। हालांकि, प्रतिभा के मामले में अभिषेक बच्चन किसी से कम नहीं हैं। अभिनय के अलावा वे गायिकी और डांस का हुनर भी रखते हैं।

'ब्लफमास्टर' में सुनिधि चौहान के साथ गाया गाना

अभिषेक बच्चन डिस्लेक्सिया का शिकार रहे हैं। जब वे नौ साल के थे, तब उन्हें इसके बारे में पता चला। अपनी इस स्थिति को अभिषेक बच्चन ने आड़े नहीं आने दिया। उनका सफर प्रेरणा देने वाला है। अभिषेक बच्चन ने करियर की शुरुआत अपने पिता के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'मेजर साब' से बतौर स्पॉट बाय की। अभिषेक बच्चन सिर्फ अभिनय ही नहीं, गायिकी का हुनर भी रखते हैं। फिल्म 'ब्लफमास्टर' (2005) में उन्होंने सुनीधि चौहान के साथ 'राइट हेयर राइट नाओ' गाना गया।

बिग बी ने 'खाईके पास बनारस वाला' के हुक स्टेप अभिषेक से किए कॉपी

डांस के मामले में भी अभिषेक बच्चन का जवाब नहीं। अमिताभ बच्चन की फिल्म 'डॉन' के लोकप्रिय गाने 'खइके पान बनारस वाला' के डांस स्टेप के पीछे अभिषेक बच्चन ही हैं। अमिताभ बच्चन ने खुद अपने ब्लॉग में यह खुलासा किया कि फिल्म 'डॉन' के सुपरहिट गाने 'खइके पान बनारस वाला' का हुक स्टेप उन्हें अभिषेक बच्चन से मिला था। एक्टर के लिखा था, 'जब भी यह गाना बजता था तो अभिषेक इस पर डांस करने लगता था। इसका हुक स्टेप भी मैंने उसे ही करते देखा था, जिसे बाद में मैंने गाने में कॉपी किया'।

करीब तीन साल तक करते रहे संघर्ष

फिल्म 'रिफ्यूजी' से डेब्यू के बाद अभिषेक 'तेरा जादू चल गया', 'ढाई अक्षर प्रेम के','ओम जय जगदीश' और 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' जैसी कई फिल्मों में नजर आए। मगर, सभी फ्लॉप रहीं। करीब तीन साल तक वे संघर्ष करते रहे। इसके बाद अभिषेक ने कई अच्छी फिल्में कीं। इनमें 'धूम', 'बंटी और बबली' और 'युवा' शामिल रहीं।

फिर 'सरकार' में भी उन्हें एक अच्छा किरदार निभाने का अवसर मिला। 'गुरु' अभिषेक के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। अभिषेक बच्चन की पिछली फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' थी।

हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। अभिषेक को अब जल्द ही फिल्म 'हाउसफुल 5' में देखा जाएगा। निजी जिंदगी की बात करें तो अभिषेक बच्चन की शादी ऐश्वर्या राय से हुई है। कपल के एक बेटी आराध्या बच्चन है।

करनी हैं 'महिला प्रधान फिल्में' : प्रज्ञा जायसवाल

हाल ही में निर्देशक बॉबी कोली की फिल्म 'डाकू महाराज' में कावेरी का किरदार निभाने वाली प्रज्ञा जायसवाल इस फिल्म में काम करने का मौका पाकर खुद को भाग्यशाली मानती है। उसने कहा, मैं एक उग्र और दृढ़ निश्चयी कावेरी बनने की यात्रा को याद कर रही हूं, एक ऐसा किरदार, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगी। फिल्म के मुख्य कलाकार बालकृष्ण का आभार जताते हुए उसने कहा, आपके साथ काम करने के सबसे शानदार अनुभव के लिए बालकृष्ण सर आपका धन्यवाद। लोग कहते हैं कि मैं आपकी लक्की चार्म हूं, लेकिन वास्तव में सच इसके विपरीत है।

कावेरी बनने के अपने सफर का जिक्र करते हुए उसने कहा, जब मुझे निर्देशक बॉबी का कॉल आया (जब मैं तिरुपति में थी) तो मुझे पता था कि यह खास है। इसके तुरंत बाद लुक टैस्ट, हर दिन सैट पर कावेरी बनने से लेकर शूटिंग के आखिरी दिन तक, यह यात्रा रोमांच से भरी रही। आपके विजन के लिए धन्यवाद सर। आप उन बेहतरीन निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है। इस किरदार को इतनी खूबसूरती से जीवंत करने के लिए विजय कार्तिक कन्नन का धन्यवाद, मेरे लिए लड़ाई के सीन्स को इतना सहज बनाने के लिए वेंकट सर का और गाने में खूबसूरत पलों के लिए शंकर मास्टर का धन्यवाद।

मेरा जन्मदिन 12 जनवरी को था और यह मेरे लिए बेहद खास रहा क्योंकि इसी दिन फिल्म 'डाकू महाराज' रिलीज हुई। मैं खुशकिस्मत हूं कि जिस फिल्म में मैंने उनके साथ काम किया है, वह मेरे जन्मदिन पर रिलीज हुई। मुझे लगता है कि यह मेरे जन्मदिन पर एक बड़ा तोहफा है।

तेलुगु फिल्मों में मेरा सफर 2015 में शुरू हुआ था। इस सफर में मैंने कई मशहूर अभिनेताओं, निर्देशकों और तकनीशियनों के साथ काम किया और सिनेमा के बारे में कई चीजें सीखीं। मैं कई अच्छी फिल्मों का हिस्सा रही हूं। मैं और अच्छी फिल्मों के साथ मनोरंजन करने की कोशिश कर रही हूं। बालकृष्ण गारू के साथ लगातार काम करने का मौका पाकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। कोविड के दौरान किसी ने कोई बड़ी फिल्म नहीं की। ऐसे समय में बोयापति श्रीनु गरु ने एक बेहतरीन कहानी सुनाई और मुझे ऐसी बेहतरीन फिल्म का हिस्सा बनाया। फिल्म बहुत सफल रही और मेरे फिल्मी करियर को दूसरे स्तर पर ले गई।

उसने कहा, आगे मैं एस. एस. राजामौली और संजय लीला भंसाली जैसे डायरैक्टर्स की बड़ी फिल्मों में दमदार रोल करना चाहती हूं। मैं महिला प्रधान फिल्में भी करना चाहती हूं।

'मेरे हसबैंड की बीवी' से पहले भूमि की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस हाल, कितनी हिट-कितनी फ्लॉप

भूमि पेडनेकर ने अपने करियर की शुरुआत में ऐसे किरदार और फिल्में की हैं, जो सोशल इश्यू से जुड़ी रहीं। कुछ समय पहले वह अपनी इमेज चेंज करने के लिए ग्लैमर वाले रोल करने लगी। इसके बावजूद भी उनकी गर्ल नेक्स्ट डोर वाली इमेज बरकरार रही। जल्द ही भूमि की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' रिलीज होगी। इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर क्या होगा, ये तो वक्त बताएगा। इससे पहले जानिए, भूमि पेडनेकर की पिछले फिल्मों की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के बारे में।

थैंक यू फॉर कमिंग

2023 में भूमि पेडनेकर की फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' रिलीज हुई। इसी फिल्म से भूमि ने अपनी सोशल मैसेज वाली फिल्मों की इमेज को तोड़ने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर महज 6 करोड़ रुपये का बिजनेस ही कर सकी। फिल्म में भूमि के साथ कुछ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी नजर आईं लेकिन फिल्म की कहानी और किरदार दर्शकों को बिल्कुल भी पसंद नहीं आए।

भीड़

'भीड़' फिल्म को अनुभव सिन्हा ने डायरेक्ट किया था। फिल्म कोविड महामारी के दौरान की तकलीफों की कहानी कहती है। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर और राजकुमार राव मुख्य भूमिकाओं में दिखे। लेकिन इस फिल्म को भी दर्शकों ने नकार दिया। बॉक्स ऑफिस पर यह फ्लॉप साबित हुई।

रक्षाबंधन-बधाई दो

अक्षय कुमार के साथ पहले भी कुछ फिल्मों में काम कर चुकीं भूमि ने उनके साथ फिल्म 'रक्षाबंधन (2022)' की है। फिल्म में वैसे तो भूमि का रोल बहुत बड़ा नहीं था लेकिन वह हीरोइन के तौर पर नजर आईं। 70 करोड़ रुपये के बजट में बनीं, इस फिल्म ने बॉक्स पर लगभग 44.39 करोड़ ही भारतीय सिनेमाघरों में कमाए। इस तरह अक्षय कुमार के होने के बाजवूद यह फिल्म भी थिएटर में नहीं चल पाई और भूमि पेडनेकर के करियर में एक और फ्लॉप फिल्म जुड़ गई। साल 2022 में राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर स्टारर फिल्म 'बधाई हो' भी रिलीज हुई, इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाल नहीं किया।

पति पत्नी और वो- बाला

साल 2019 जरूर भूमि पेडनेकर के लिए अच्छा साबित हुआ था। इस साल उनकी दो फिल्में 'पति पत्नी और वो' और 'बाला' रिलीज हुई। 'पति पत्नी और वो' ने बॉक्स ऑफिस पर 86.89 करोड़ रुपये कमाए और हिट साबित हुई, इसमें भूमि पेडनेकर के अलावा अनन्या पांडे और कार्तिक आर्यन नजर आए। वहीं फिल्म 'बाला' भी बॉक्स ऑफिस हिट थी, इसमें भूमि के साथ आयुष्मान खुराना नजर आए थे। इसने बॉक्स ऑफिस पर 116 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

क्रश को प्रपोज करने जा रहे हैं तो ऐसे हों तैयार, जवाब हां ही आएगा

प्रपोज डे वैलेंटाइन वीक का दूसरा दिन होता है, जिसे 8 फरवरीको मनाया जाता है। यह दिन उन लोगों के लिए खास होता है जो अपने प्यारका इजहार करना चाहते हैं और अपने क्रश या पार्टनर को अपने दिल की बात बताने का सही मौका ढूंढ रहे होते हैं। प्रपोज डे प्यार का इजहार करने का सबसे अच्छा मौका होता है। बस सही वक्त, सही जगह और सच्चे दिल से अपनी फीलिंग्स शेयर करें।

यदि आप भी इस प्रपोज डे कुछ ऐसा ही करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो अपने लुक पर ध्यान अवश्य दें। यहां हम लड़कों के साथ-साथ लड़कियों के लिए भी कुछ टिप्स देने जा रहे हैं, ताकि सही लुक के साथ हर कोई अपने क्रश को प्रपोज कर सके।

जगह के हिसाब से कपड़े चुनें

अगर आप किसी कैफे या पार्क में अपने क्रश को प्रपोज कर रहे हैं, तो कपड़े कैज़ुअल लेकिन क्लासी लुक चुनें। यदि आप किसी रोमांटिक डिनर डेट पर जा रहे हैं, तो फॉर्मल या सेमी-फॉर्मल लुक बेस्ट रहेगा। अगर कोई खास थीम (जैसे समुद्र किनारे, गार्डन, या पार्टी) हो, तो उसी के अनुसार कपड़े चुनें।

कलर सेलेक्शन पर दें ध्यान

प्रपोजल के दौरान आपके कपड़े सही रंग के होना जरूरी है। ब्लू, व्हाइट, ब्लैक, बेज और पेस्टल शेड्स क्लासी और अट्रैक्टिव लगते हैं। अगर आप थोड़ा बोल्ड दिखना चाहते हैं, तो डार्क रेड, मैरून या नेवी ब्लू ट्राई कर सकते हैं। कपड़ों का सिलेक्शन करते समय ध्यान रखें कि ये बहुत ज्यादा चमकदार या भड़कीले न हों।

लड़कों के लिए हैं ये टिप्स

अगर कैजुअल लुक चाहिए तो अच्छी फिटिंग वाली शर्ट और डेनिम जींस पहनें। अगर सेमी-फॉर्मल लुक चाहते हैं तो एक सॉलिड ब्लेजर और अंदर टी-शर्ट पहन सकते हैं। अगर आप किसी हाई-एंड रेस्तरां में प्रपोज कर रहे हैं, तो वेल-फिटेड सूट पहनें। इसके साथ अच्छे स्नीकर्स, लोफर्स या फॉर्मल शूज आपके लुक को कम्प्लीट करेंगे।

लड़कियों के लिए स्टाइल टिप्स

एलिगेंट और सिंपल ड्रेस/स्कर्ट-टॉप पहन सकती हैं। यदि कैज़ुअल डेट पर प्रपोज करने का प्लान है तो डेनिम और ट्रेंडी टॉप अच्छा रहेगा। कुछ एथनिक कैरी करना है तो हल्का इंडो-वेस्टर्न कुर्ता या एथनिक ड्रेस भी शानदार लगेगा। आउटफिट के हिसाब से ही कंफर्टेबल हील्स, सैंडल या स्टाइलिश स्नीकर्स ट्राई करें।

परफ्यूम और ग्रूमिंग का रखें ध्यान

डेट पर जा रहे हैं तो हल्का लेकिन अच्छा परफ्यूम या डियो लगाएं ताकि आप फ्रेश महसूस करें। अपने हेयर स्टाइल सॉफ्ट और नेचुरल रखें। लड़के हैं तो शेव या ट्रिम करके एक साफ-सुथरी लुक कैरी करें। वहीं लड़कियां हल्का मेकअप कर सकती हैं, लेकिन बहुत ज्यादा ओवर मेकअप से बचें।

इस बात का खास ध्यान रखें

सही कपड़े पहनने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपका क्रश भी आपके लुक से इंप्रेस होगा। कपड़ों का चयन करते समय अपने पर्सनैलिटी का ध्यान रखें, ताकि आप सहज और आत्मविश्वासी महसूस करें। याद रखें, आपकी मुस्कान और आत्मविश्वास ही आपका सबसे बेहतरीन फैशन स्टेटमेंट है।

प्याज के रस में कभी भी न मिलाएं ये चीजें, वरना बाल होंगे डैमेज

बालों की बिगड़ी हुई दशा को सुधारने के लिए ज्यादातार लोग प्याज के रस का इस्तेमाल करते हैं। प्याज का रस सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह बालों की ग्रोथ और मजबूती के लिए फायदेमंद होता है, पर गलत चीजों के साथ मिलाने पर यह बालों को नुकसान भी पहुंचा सकता है।

अक्सर लोग ये तो जान लेते हैं कि प्याज का रस बालों के लिए लाभदायक है, लेकिन वो इस बारे में पता नहीं लगा पाते कि प्याज के रस के इस्तेमाल का सही तरीका क्या है। इसी के चलते हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल भूल से भी प्याज के रस के साथ मिलाकर नहीं करना है। यदि आप इन चीजों का इस्तेमाल करेंगे तो आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा सकता है।

सिरका

प्याज के रस में कभी भी सिरका मिलाकर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सिरका और प्याज दोनों ही एसिडिक होते हैं, जिससे स्कैल्प ड्राई और इरिटेट हो सकता है। अगर सिरका ज्यादा स्ट्रॉन्ग हुआ, तो यह स्कैल्प को जला सकता है। इससे बाल कमजोर होकर टूट सकते हैं और ज्यादा झड़ सकते हैं।

ब्लीच

कुछ लोग इसे बालों के रंग का हल्के करने या कलर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं लेकिन यदि आप इसे प्याज के रस में मिलाकर लगाएंगी, तो ये स्कैल्प और बालों को बहुत ज्यादा डैमेज कर सकता है। इससे स्कैल्प बर्न (जलने) जैसी फीलिंग हो सकती है। बालों की नैचुरल स्ट्रेंथ खत्म हो सकती है और बाल रूखे-सूखे हो सकते हैं।

नमक

कुछ लोग स्कैल्प को एक्सफोलिएट करने के लिए नमक मिलाकर लगाते हैं। पर, क्या आप जानते हैं कि प्याज के रस और नमक का मिश्रण स्कैल्प को ड्राई कर सकता है, जिससे बाल और ज्यादा झड़ सकते हैं, क्योंकि प्याज के रस में पहले से ही सल्फर होता है, और नमक डालने से यह और ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है। इसकी वजह से स्कैल्प पर जलन और खुजली हो सकती है।

नींबू का रस

प्याज के रस में कभी भी नींबू का रस मिलाकर बालों पर नहीं लगाना चाहिए। हालांकि नींबू में एसिड होता है, जो डैंड्रफ हटाने में मदद करता है लेकिन प्याज के रस के साथ यदि आप इसे मिलाकर लगाएंगी तो इससे बाल डैमेज हो सकते हैं। ये दोनों ही चीजें एसिडिक नेचर की होती हैं, जिससे स्कैल्प का pH बैलेंस बिगड़ सकता है। इससे स्कैल्प में जलन, खुजली और ड्राइनेस हो सकती है।

क्या है फेस वॉश करने का सही तरीका? दिन में कितनी बार धोएं चेहरा

भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारी स्किन धूप-प्रदूषण और धूल का सामना करती है। ऐसे में स्किन केयर करना एक चुनौती बन जाता हैं। रोज बाहर आने जाने से स्किन इतनी डल हो जाती है कि त्योहारों में भी तुरंत निखार पाना एक चैलेंज होता है। हम बाहर से आकर केवल चेहरे को धो लेते हैं और समझते हैं कि इससे हमारी स्किन बेहतर हो जाएगी। हालांकि, कई लोगों को यह तक नहीं पता है कि दिन में चेहरे को कितनी बार धोना चाहिए और इसका सही तरीका क्या है। तो आज की इस खबर में हम आपको इन सरल तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे आप अपना चेहरा अच्छे से साफ कर सकती हैं। आइए जानते हैं।

दिन में कितनी बार धोना चाहिए चेहरा?

आज कल महिलाएं अपनी लाइफ में इतना बिजी हैं कि उन्हें खुद के लिए भी समय नहीं मिल पाता है। नौकरी से लेकर घर तक को संभालने की वजह से वह बेसिक स्किन केयर रूटीन भी नहीं कर पाती हैं। ऐसे में वह अपने चेहरे को केवल एकाध बार ही धो पाती हैं। हालांकि, हम आपको बता दें कि आपको दिन में कम से कम दो बार चेहरे को धोना है। एक सुबह उठने के बाद और दूसरा रात को सोने से पहले। सुबह अगर आप फेस वॉश करती हैं तो अपने चेहरे पर एक फ्रेशनेस ऑब्जर्व कर पाती हैं। वहीं, दिनभर की थकावट के बाद भी रात में चेहरा धोना जरूरी है ताकि दिनभर के धूल और मेकअप को चेहरे से हटाया जा सके।

फेस वॉश करते समय रखें इन बातों का ध्यान

जब भी आप फेस वॉश करती हैं तो आपको इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आप कौन सा फेस वॉश या क्लींजर इस्तेमाल कर रही हैं। आपके लिए यह ध्यान देने की बात है कि आप जो भी प्रोडक्ट यूज करें वह आपकी स्किन टाइप के अनुसार हो। अगर इनमें से कोई आपकी स्किन टाइप के हिसाब से नहीं होती है तो आपके चेहरे की गंदगी कभी भी नहीं जाएगी। हमेशा ध्यान रखें कि चेहरा साफ करने के बाद मॉइस्चराइजर का यूज जरूर करें।

ऐसे फेस वॉश का इस्तेमाल करने से बचें

जब भी आप किसी फेस वॉश का चुनाव करें तो हमेशा ध्यान दें कि मोटे दानों वाले फेस वॉश इस्तेमाल नहीं करने हैं। इसके पीछे की बड़ी वजह यह है कि यह आपकी स्किन को नुकसान पहुंचाता है। फेस वॉश को कभी भी ड्राई स्किन पर नहीं लगाना चाहिए। इसे हमेशा गीले चेहरे पर लगना चाहिए और सिर्फ 20 या 30 सेकंड के लिए स्किन पर रब करके मसाज करनी चाहिए। इसके बाद चेहरा धो लेना चाहिए और तुरंत मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए।

वैलेंटाइन डे पर खिलेगा चेहरा, जब घर पर ऐसे करेंगी फेशियल

वैलेंटाइन वीक प्रेमी जोड़ों के लिए काफी खास माना जाता है। ऐसे में महिलाएं इसकी तैयारी काफी पहले से शुरू कर देती हैं। हर लड़की और महिला ये चाहती है कि वो वैलेंटाइन डे के साथ-साथ पूरे प्यार के हफ्ते में खूबसूरत नजर आएं। इसके लिए वो पार्लर जाकर फेशियल लेती हैं। फेशियल से चेहरा काफी दमक उठता है। लेकिन कई महिलाओं के पास पार्लर जाने का समय नहीं होता या फिर वो पैसे बचाने के चक्कर में पार्लर नहीं जाती हैं।

ऐसे में हम आपको घर पर ही फेशियल करना बताएंगे, ताकि आप बिना पैसे खर्च किए घरेलू चीजों के इस्तेमाल से ही अपना चेहरा चमका सकें। यहां घर पर ही फेशियल करने की सही गाइड दी गई है, जिससे आप टिप्स ले सकती हैं।

पहला स्टेप है क्लींजिंग

फेशियल करने के लिए सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करें। इसके लिए आप माइल्ड फेस वॉश या कच्चे दूध का उपयोग कर सकती हैं। यह आपकी त्वचा से गंदगी और एक्स्ट्रा ऑइल हटाने में मदद करेगा।

अब बारी है स्क्रबिंग की

चेहरा साफ करने के बाद अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें ताकि डेड स्किन सेल्स हट जाएं। इसके लिए 2 चम्मच चावल का आटा, 1 चम्मच शहद और कुछ बूंदें नींबू के रस का इस्तेमाल करें। सभी चीजों को मिलाकर हल्के हाथों से 5-7 मिनट तक स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें।

स्टीमिंग

गर्म पानी की भाप लें ताकि रोमछिद्र खुल सकें और त्वचा डीप क्लीन हो सके। एक कटोरी में गर्म पानी लें और तौलिए से सिर ढककर 5 मिनट तक स्टीम लें।

अब करें मसाज

मलाई और शहद को मिलाकर हल्के हाथों से 10 मिनट तक मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होगा और त्वचा को नेचुरल ग्लो मिलेगा।

सही फेस पैक का करें इस्तेमाल

मसाज के बाद आपको अब एक नेचुरल फेस पैक लगाना है। इसके लिए 2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच दही और आधा चम्मच हल्दी की जरूरत पड़ेगी। इन्हें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

मॉइस्चराइजिंग

आखिर में गुलाब जल और एलोवेरा जेल मिलाकर चेहरे पर लगाएं, जिससे त्वचा हाइड्रेट और फ्रेश बनी रहे। इस फेशियल से आपकी त्वचा वैलेंटाइन डे पर नेचुरली ग्लो करेगी, और आप दिखेंगी और भी ज्यादा खूबसूरत।

कल से शुरू हो रहा है प्यार का सप्ताह

देखिए रोज डे से वैलेंटाइन डे तक पूरी लिस्ट

वैलेंटाइन सप्ताह का हर दिन प्रेम करने वालों के लिए खास होता है। उनके लिए तो ये खास मौका होता ही है, साथ ही शादीशुदा जोड़ों, और आशिकों को भी ऐसा उत्सव है, जिसमें वह अपने साथी संग रिश्ते को सेलिब्रेट कर सकते हैं।

7 फरवरी (शुक्रवार) रोज डे

आशिकों के इम्तिहान का पहला दिन रोज डे के तौर पर मनाया जाता है।

8 फरवरी (शनिवार) प्रपोज डे

वैलेंटाइन सप्ताह के दूसरे दिन प्रपोज डे मनाया जाता है।

9 फरवरी (रविवार) चॉकलेट डे

प्रपोज डे के बाद चॉकलेट डे मनाया जाता है।

10 फरवरी (सोमवार) टेडी डे

जब लोग प्यार में होते हैं तो उनका दिल अपने प्रिय के लिए बच्चे की तरह बन जाता है।

11 फरवरी (मंगलवार) - प्रॉमिस डे

इस दिन कपल्स एक-दूसरे से प्यार, ईमानदारी और साथ निभाने का वादा करते हैं।

12 फरवरी (बुधवार) हग डे

एक जादू की झप्पी, सच में जादू की तरह ही होती है।

13 फरवरी (गुरुवार) किस डे

बिना किसी शब्द या भाषा के प्यार जाहिर करने का सबसे प्रभावी तरीका स्पर्श है।

14 फरवरी (शुक्रवार) वैलेंटाइन डे

यह प्रेम का सबसे खास दिन होता है, जब लोग अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराने के लिए डेट पर जाते हैं, गिफ्ट देते हैं और प्यार जताते हैं।

इन घरेलू नुस्खों से करिए दोमुंहे बालों का इलाज

कम पैसों में भी काम आएंगे ये टिप्स

लड़कियां और महिलाएं अपने बालों को लेकर काफी जागरूक होती हैं और इसका बेहद ख्याल भी रखती हैं। वह अपने चेहरे की तरह बालों का भी प्रॉपर देखभाल करती हैं। अपने शैंपू और कंडीशनर का चुनाव भी काफी सोच-समझ करती हैं। अगर बालों का ठीक से ख्याल नहीं रखा जाए तो यह खराब हो सकते हैं। कई लड़कियां समय-समय पर अपने बालों की ट्रिमिंग भी करवाती हैं।

दरअसल, ऐसा माना जाता है कि थोड़े-थोड़े समय पर अगर बालों को न कटवाया जाए तो दो मुंहे बालों की समस्या भी बढ़ जाती है। ऐसे में आज की इस खबर में हम आपको उन घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिसे करके आप इससे तुरंत निजात पा सकते हैं।

नीम का तेल करें यूज

नीम का तेल न केवल स्वास्थ्य के लिए बल्कि बालों के लिए भी काफी हेल्दी होता है। यह न केवल बालों को बल्कि स्कैल्प को भी काफी हेल्दी रखता है। अगर हर रोज नीम के तेल से मसाज करती हैं तो आपको दो मुंहे बालों से तुरंत छुटकारा मिल जाएगा।

शहद और केला है कारगर

आप बालों को धोने के बाद शहद और केला का हेयर मास्क भी लगा सकती हैं। ध्यान रहे कि इसे बनाने के लिए आपको सिर्फ पका हुआ केला ही लेना है। इसमें तुरंत शहद मिलाकर अच्छा सा मिक्स बनाएं। इसके बाद इस पेस्ट को बालों पर 20 से 25 मिनट तक रहने दें। इसके बाद बालों को अच्छे से शैंपू से वॉश कर लें।

एलोवेरा जेल भी होगा लाभकारी

एलोवेरा जेल चेहरे ही नहीं बल्कि बालों के लिए भी काफी लाभकारी होता है। आप इसे सिर पर लगाकर 30 से 40 मिनट कर छोड़ देती हैं और फिर हेयर वॉश करती हैं तो यह आपके बालों को पोषण प्रदान करेगा। यही नहीं, इसके अलावा आप दूध और नारियल तेल का इस्तेमाल भी एलोवेरा जेल के साथ कर सकते हैं।

घर पर करें ट्रिमिंग

ट्रिमिंग करने से बालों की हेल्थ काफी अच्छी रहती है और यह शानदार लुक भी देता है। थोड़े-थोड़े बाल कटवाना अच्छा है, लेकिन इसके लिए एक तय समय सीमा है। आप हर 15 दिन में बाल ट्रीम नहीं करवा सकती हैं। इसके लिए कम से कम आपको तीन से चार महीने में एक बार ट्रिमिंग करवानी चाहिए। इससे आपको स्प्लिट एंड से भी छुटकारा मिलता है और बाल भी अच्छे रहते हैं।

लग्जरी शॉपिंग में छोटे शहर वाले आगे

कहां क्या बिक रहा है ज्यादा

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। आमतौर पर लोग समझते हैं कि लग्जरी या महंगे सामानों की खरीदारी में महानगरों या बड़े शहरों वाले ही आगे होंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि भारत के छोटे शहरों में लग्जरी सामानों की खरीदारी बढ़ रही है। ई-कॉमर्स की बढ़ती पहुंच ने लग्जरी सामानों को सभी के लिए उपलब्ध करा दिया है। तभी तो अभी गुजरात के छोटे से शहर बोटाद और पश्चिम बंगाल का आसनसोल लग्जरी जूते, घड़ियां, कपड़े और एसेसरीज़ की खरीद में मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों से आगे पहुंच रहे हैं। इसका खुलासा टाटा क्लिक लग्जरी की एक रिपोर्ट से हुआ है।

पहले लग्जरी सामान सिर्फ़ अमीर लोग ही खरीद पाते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है, ₹लग्जरी अब सिर्फ़ उच्च नेट वर्थ वाले व्यक्तियों तक सीमित नहीं है। टियर-2 और 3 शहरों के ग्राहक और महानगरों के भीतर नए इलाकों के लोग इस उद्योग में एक बड़ा बदलाव ला रहे हैं।₹

दरअसल, अमीर लोगों के साथ-साथ 'हेनरी' ग्राहक भी लग्जरी सामानों की मांग बढ़ा रहे हैं। ये वो लोग हैं जो अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन अभी बहुत अमीर नहीं हैं। ये लग्जरी अनुभवों और सामानों की तलाश में रहते हैं।

टाटा क्लिक लग्जरी के सीईओ गोपाल अस्थाना कहते हैं, "यह वर्ग कामकाजी आबादी है जो अच्छी कमाई कर रही है और सक्रिय रूप से लग्जरी अनुभवों और वस्तुओं की तलाश में है।" टाटा क्लिक लग्जरी की बिक्री का हिसाब देखिए तो इसकी 55 फीसदी बिक्री पंचकुला और मैसूर जैसे गैर-महानगरीय शहरों से होती है। अस्थाना बताते हैं, इन ग्राहकों ने ब्यूटी, एसेसरीज़, कपड़े और जूतों की बिक्री में बड़ी उछाल ला दिया है, और उनके ऑर्डर का मूल्य महानगरीय ग्राहकों के बराबर है।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट का कहना है कि पहले लग्जरी सामान खरीदने वाले पुराने पैसे वाले अमीर या इंस्टीच्यूशंस ही होते थे। लेकिन अब छोटे शहरों के बिजनेस हेड जैसे लोग भी लग्जरी सामान खरीद रहे हैं। ग्राहक वर्ग बदल गया है। बुल्गारी Bvlgari जैसे ग्लोबल लग्जरी ब्रांड छोटे शहरों के ग्राहकों तक पहुंचने के लिए भारत में ऑनलाइन हो गए हैं। शॉपिंग मॉल की सीमित संख्या के कारण लग्जरी ब्रांड्स की भौतिक पहुंच सीमित है। अजियो लक्स जैसे ऑनलाइन लग्जरी प्लेटफॉर्म के आने से ब्रांड्स अपने दायरे का विस्तार कर पा रहे हैं।

एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि लग्जरी की मांग सिर्फ़ फैशन और ज्वैलरी तक ही सीमित नहीं है। अब आर्ट जैसी श्रेणियों ने भी इसने अपना आधार बढ़ाया है। इसके विस्तार में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की पहुंच ने भी मदद की है। यही नहीं, लग्जरी सामानों के नए ग्राहक अपने पारंपरिक समकक्षों के विपरीत, अधिक जानकारी रखते हैं। ये कोई भी खरीदारी करने से पहले खूब रिसर्च करते हैं।

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है, डिजिटल युग में, वे केवल एक ब्रांड के ऑफरिंग के प्राप्तकर्ता बनने को तैयार नहीं हैं। इसके बजाय, वे अपने विकल्पों का आकलन करने के लिए सोशल मीडिया, वेबसाइटों और ग्राहक समीक्षाओं के माध्यम से उपलब्ध ज्ञान का लाभ उठा रहे हैं। उदाहरण के लिए, टाटा क्लिक लग्जरी पर, कोई भी ग्राहक, चाहे किसी भी श्रेणी का हो, खरीदारी करने से पहले छह से सात ब्रांड देखता है।

सेंसेक्स 312 अंक गिरकर 78,271 पर बंद : निफ्टी भी 42 अंक गिरा

मुंबई , 5 फरवरी (एजेंसियां)। सेंसेक्स आज यानी 5 फरवरी को 312 अंक की गिरावट के साथ 78,271 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 42 अंक की गिरावट रही, ये 23,696 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, BSE स्मॉल कैप 709 अंक की तेजी के साथ 50,510 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 25 में गिरावट और 25 में तेजी रही। NSE सेक्टोरल इंडेक्स में रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा 1.85% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार रहा

लार्सन एंड टुब्रो, ITC, रिलायंस और SBI ने बाजार को गिराने में सबसे ज्यादा कॉन्ट्रिब्यूट किया। जबकि, HDFC बैंक, टाटा मोटर्स, अडाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस ने सेंसेक्स को ऊपर खीचने की कोशिश की।

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.085% और कोरिया के कोस्पी में 1.11% की तेजी रही। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.65% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

NSE के डेटा के अनुसार, 34 फरवरी को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 809.23 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 430.70 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

4 फरवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 0.30% की तेजी के साथ 44,556 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 0.72% चढ़कर 6,037 पर बंद हुआ। नैस्डैक इंडेक्स में 1.35% की तेजी रही।

कल तेजी के साथ बंद हुआ था बाजार

इससे पहले कल यानी 4 फरवरी को सेंसेक्स 1397 अंक की तेजी के साथ 78,583 के स्तर पर कारोबार बंद हुआ था। निफ्टी में भी 378 अंक की तेजी थी, ये 23,739 के स्तर पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट थी। निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 में तेजी और 11 में गिरावट थी। NSE सेक्टोरल इंडेक्स में FMCG सेक्टर को छोड़कर सभी सेक्टर बढ़त के साथ बंद हुए थे। निफ्टी ऑयल एंड गैस सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.70% की तेजी थी।

रतन टाटा के 15,000 करोड़ किसे मिलेंगे ?

दुनिया के लिए मिसाल बन सकती है उनकी वसीयत

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा चले गए लेकिन उनके नेक कामों की यादें और उनके बनाए गए संस्थान हमेशा रहेंगे। लेकिन उनकी बनाई हुई संस्था रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन (आरटीईएफ) को लेकर थोड़ी उलझन है। यह फाउंडेशन उनके निजी पैसों से चलाया जाएगा, जिससे समाज सेवा के काम होंगे। लेकिन आरटीईएफ के ट्रस्टी कौन चुनेगा, यह साफ नहीं है। दिवंगत रतन टाटा ने अपनी वसीयत में इस बारे में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिया है। टाटा ग्रुप से जुड़े लोग इसके लिए किसी निष्पक्ष व्यक्ति से मदद ले सकते हैं। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के किसी रिटायर्ड चीफ जस्टिस को इस मामले में आर्बिट्रेटर बनाया जा सकता है। वही तय करेगा कि ट्रस्टी चुनने का अधिकार टाटा की वसीयत को लागू करवाने लोगों, टाटा फैमिली या टाटा ट्रस्ट के सदस्यों में से किसके पास है।

रतन टाटा ने समाज सेवा के लिए साल 2022 में दो संस्थाएं बनाई थीं जिन्हें उनकी पर्सनल वेल्थ से

चलाया जाएगा। इनमें आरटीईएफ और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट शामिल हैं। इनमें से आरटीईएफ कंपनीज एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत बनाई गई थी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में रतन टाटा की 0.83% हिस्सेदारी थी। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार रतन टाटा की कुल नेटवर्थ लगभग 7,900 करोड़ रुपये थी। RTEF के पास टाटा डिजिटल और टाटा टेक्नोलॉजीज में भी थोड़ी हिस्सेदारी है।

15,000 करोड़ की नेटवर्थ

सूत्रों के मुताबिक रतन टाटा की नेटवर्थ 15,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा थी। टाटा ग्रुप के अधिकारियों के मुताबिक टाटा चाहते थे कि आरटीईएफ, टाटा ट्रस्ट से अलग रहे। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस का 66% हिस्सेदारी है। रतन टाटा अपनी ज्यादातर वेल्थ समाज सेवा में लगाना चाहते थे। माना जा रहा है कि उनकी ज्यादातर संपत्ति को आरटीईएफ मैनेज करेगा जबकि बाकी ट्रस्ट देखेगा। रतन टाटा के पास कई कारें थीं, जिनमें फेरारी और मसेराती भी शामिल हैं। इन कारों की नीलामी हो सकती है और इससे मिलने वाला पैसा आरटीईएफ को जाएगा।

टाटा ने आर.आर. शास्त्री और बुर्जिस तारापोरवाला को आरटीईएफ के होल्डिंग ट्रस्टी बनाया था। जमशेद पोंचा को सीईओ नियुक्त किया था। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को मैनेजिंग ट्रस्टी बनाने की इच्छा जाहिर की थी।

हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि आरटीईएफ के ट्रस्टी कौन नियुक्त करेगा। टाटा ने अपनी वसीयत के एग्जीक्यूटर्स के रूप में डेरियस खंबाटा, मेहली मिस्त्री, शिरीन और डायना जेजीभॉय को चुना था। सूत्रों का कहना है कि खंबाटा एक वरिष्ठ वकील हैं लेकिन साथ ही वह रतन टाटा की वसीयत के एग्जीक्यूटर भी हैं। इसलिए स्टेकहोल्डर्स किसी और सीनियर लीगल एक्सपर्ट से सलाह लेना चाहेंगे। जेजीभॉय बहनें रतन टाटा की सौतेली बहनें हैं। रतन टाटा के करीब मिस्त्री सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के बोर्ड ट्रस्टी हैं।

क्या कहते हैं जानकार

इस बारे में वसीयत के चारों एग्जीक्यूटर्स ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वसीयत की कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाने पर आरटीईएफको टाटा संस और ग्रुप की कंपनियों में रतन टाटा की हिस्सेदारी से काफी पैसा मिलेगा। रतन टाटा का 86 साल की उम्र में अक्टूबर 2024 में निधन हो गया था।

रतन टाटा चाहते थे कि आरटीईएफ समाज सेवा के नए और जरूरी क्षेत्रों पर ध्यान दे। आधुनिक भारत के लिए जरूरी तकनीकों पर शोध को बढ़ावा दे और ऐसे काम करे जिससे समाज का भला हो।

रिलायंस के टक्कर में कोई नहीं

कैश के ढेर पर बैठी हैं कंपनियां, दो साल में 35% बढ़ गई नकदी

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय कंपनियों के पास कैश लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दो साल में इसमें 35 फीसदी तेजी आई है। हाल में संसद में पेश इकनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारतीय कंपनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं लेकिन कर्मचारियों का पैसा बढ़ाने को तैयार नहीं हैं। सर्वे में कहा गया है कि कॉरपोरेट का मुनाफा 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है लेकिन कर्मचारियों की सैलरी इसके मुताबिक नहीं बढ़ी है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी 500 कंपनियों का कैश एंड कैश इक्विवेलेंट बैलेंस सितंबर 2022 में 10.6 लाख करोड़ रुपये था जो सितंबर 2024 में 35 फीसदी बढ़कर 14.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सीसीई कंपनी की बैलेंस शीट में एक लाइन आइटम होता है जो उसके कैश और एसेट्स की वैल्यू बताती है। सीसीई को तुरंत कैश में कन्वर्ट किया जा सकता है।

सबसे ज्यादा कैश बैलेंस वाली कंपनियों की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप पर है। निफ्टी 500 कंपनियों के पास जितना कैश है, उसका 15 फीसदी रिलायंस के पास है। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी के पास सितंबर, 2024 में 2.15 लाख करोड़ रुपये का कैश एंड कैश इक्विवेलेंट है। इसके बाद लार्सन एंड टुब्रो, टाटा मोटर्स, टीसीएस और विप्रो का नंबर है। ओएनजीसी, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स टॉप 10 में शामिल हैं। दिलचस्प बात है कि देश के तीसरे सबसे औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप की एक भी कंपनी शामिल नहीं है।

क्यों बढ़ा कैश

पिछले दो साल में इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन, रिलायंस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स के कैश रिजर्व में सबसे ज्यादा तेजी आई है। जानकारों का कहना है कि भारतीय कंपनियों ने कोरोना काल के बाद कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन का फायदा उठाया। साथ ही इन कंपनियों ने क्षमता विस्तार में ज्यादा पैसा नहीं लगाया। यही कारण है कि उनके पास कैश रिजर्व बढ़ा है। अमूमन इन पैसों को इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल, कैपेक्स और कर्ज के भुगतान में किया जाता है।

केमिकल, पावर, हेल्थकेयर, रियल्टी, ऑटो और ऑटो एंशिलियरी और एमएमसीजी सेक्टर की कंपनियों के पास कैश सबसे ज्यादा बढ़ा है। पिछले कुछ साल में कंपनियों ने ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स पर ही फोकस किया है और नए प्रोजेक्ट्स को होल्ड पर रखा है। आने वाले दिनों में भी कैपेक्स के जोर पकड़ने की उम्मीद कम है क्योंकि कॉरपोरेट अर्निंग्स और ग्लोबल टैरिफ के मामले में तस्वीर साफ नहीं है। साथ ही घरेलू स्तर पर भी डिमांड कम हो रही है।

10 ग्राम सोना पहली बार 84 हजार के पार : 36 दिनों में 8161 कीमत बढ़ी; इस साल दाम 90 हजार तक जा सकते हैं

नई दिल्ली,5 फरवरी (एजेंसियां)। सोना आज यानी 5 फरवरी को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,313 रुपए बढ़कर 84,323 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले कल यानी 4 फरवरी को सोना 83,010 रुपए प्रति दस ग्राम के ऑलटाइम हाई पर था।

चांदी के दाम में भी आज तेजी है। ये 1,628 रुपए महंगी होकर 95,421 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 93,793 रुपए किलो थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,390 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,240 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,050 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,240 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,240 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,290 रुपए है।

सोने में तेजी के 5 प्रमुख कारण

ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने से जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ गई हैं।

अमेरिका ने हाल ही में ब्याज दरों में कटौती की है, आगे भी कटौती कर सकता है।

डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोना महंगा हो रहा है।

महंगाई बढ़ने से भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिल रहा है ।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने से लोग गोल्ड ETF में निवेश बढ़ा रहे हैं।

2024 में गोल्ड ने 20% और सिल्वर ने 17% का रिटर्न दिया

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की

कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

इस साल 90 हजार रुपए तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद UK ने ब्याज दरों में कटौती और जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड ETF में निवेश भी बढ़ रहा है। इससे भी गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 90 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

पे नाऊ के जरिए योनो और यूपीआई के जुड़ने से सिंगापुर व भारत के बीच लेनदेन को मिलेगी बड़ी पहुंच

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पे नाऊ के माध्यम से योनो-यूपीआई को जोड़ने की योजना सिंगापुर से भारत आने वाले लेनदेन पर सकारात्मक असर डालेगा। भारतीय स्टेट बैंक की ओर से बुधवार को यह बात कही गई। एसबीआई के अनुसार योनो-यूपीआई-पेनाउ लिंकेज ऐसे समय में हो रहा है, जब सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस) और सिंगापुर में बैंकों के संघ (एबीएस) ने इस वर्ष के मध्य में दो नए भुगतान समाधान शुरू करने की योजना की घोषणा की है। ऐसा होने से कॉरपोरेट और खुदरा चेक उपयोगकर्ताओं दोनों के लिए ई-भुगतान में मिल सकेगी। एसबीआई सिंगापुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एमपी शिवा ने बुधवार को पीटीआई को बताया, भविष्य में सुधार के लिए, एसबीआई सिंगापुर यूपीआई से जुड़ने पर विचार कर रहा है। यूपीआई भारत सरकार की पहल प्रणाली है जो एकल इंटरफेस के माध्यम से कई बैंक खातों को संचालित करती है।

उन्होंने कहा, पेनाउ के माध्यम से योनो-यूपीआई एकीकरण की योजना सिंगापुर से भारत आने वाले लेनदेन के लिए बड़ी पहुंच प्रदान करेगी। शिवा ने आगे कहा कि सिंगापुर सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है और हम सेवाएं प्रदान करने में सर्वश्रेष्ठ बनना चाहेंगे, क्योंकि यहां पहले से ही डिजिटल लेनदेन की व्यापक रेंज मौजूद है।

योनो मोबाइल ऐप के साथ, ग्राहक कुछ ही टैप से अपने वित्त का प्रबंधन कर सकेंगे। भारत में धन भेजने से लेकर, बिल भुगतान करने, स्थानीय भुगतान प्रणालियों जैसे एमएएस इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट सिस्टम (एमईपीएस), जनरल इंटरबैंक रिकरिंग ऑर्डर (जीआईआरओ) और पेनाउ से फंड ट्रांसफर करने तक। उन्होंने कहा, ₹एसबीआई मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से लेनदेन का प्रबंधन बहुत आसान है।

योनो, जिसका संक्षिप्त नाम यू ओनली नीड वन है, एसबीआई सिंगापुर परिचालन के लिए बैंकिंग एप्लिकेशन को एक सुरक्षित और मजबूत ढांचे पर विकसित किया गया है, जिसमें योनो ग्लोबल में मौजूद यूजर इंटरफेस और अनुभव को शामिल किया गया है और यह सिंगापुर के अग्रणी खुदरा बैंकों जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

एक बार पैसा दीजिए और 15 साल तक टोल की छुट्टी

30,000रुपये में बनेगा 'लाइफटाइम पास'

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अगर आप अक्सर नेशनल हाइवेज पर पर सफर करते हैं, तो आपके लिए काम की खबर है। सरकार मिडिल क्लास परिवारों और कार मालिकों के लिए जल्द ही एक और तोहफा दे सकती है। सरकार एक सालाना टोल पास लाने वाली है। इस पास के लिए आपको सिर्फ 3,000 रुपये देने होंगे। फिर आप पूरे साल भर बिना किसी रुकावट के नेशनल हाइवेज पर सफर कर सकेंगे। यही नहीं आपके पास एक लाइफटाइम पास का भी विकल्प होगा। इसके लिए आपको 30,000 रुपये एक बार में देने होंगे और आप 15 साल तक बिना टोल दिए नेशनल हाइवेज पर गाड़ी चला सकेंगे।

सूत्रों के मुताबिक सड़क परिवहन मंत्रालय इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है। मंत्रालय प्राइवेट कारों के लिए प्रति किलोमीटर के हिसाब से लगने वाले टोल के रेट में भी बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इससे हाइवे इस्तेमाल करने वालों को थोड़ी राहत मिल सकती है। आपको कोई नया पास खरीदने की जरूरत नहीं होगी। ये पास आपके FASTag में ही जुड़ जाएगा।

साालाना पास का फायदा

अभी सिर्फ मासिक पास ही मिलता है। ये पास उन लोगों के लिए होता है जो रोजाना एक ही टोल प्लाजा से गुजरते हैं। इस पास के लिए आपको अपना पता और कुछ अन्य जानकारी देनी होती है। इस पास की कीमत 340 रुपये प्रति माह है। मतलब पूरे साल का खर्चा 4,080 रुपये होता है। एक सूत्र ने बताया कि पूरे एनएच नेटवर्क पर साल भर घूमने के लिए 3,000 रुपये का ऑफर अभी एक टोल प्लाजा पर मुफ्त सफर के लिए दिए जाने वाले पैसे से बहुत कम है। यह एक वैकल्पिक सुविधा होगी। विस्तृत विश्लेषण से पता चला है कि यह लोगों की पसंद बन सकता है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में कहा था कि उनका मंत्रालय कार मालिकों के लिए पास देने की योजना पर काम कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि मंत्रालय इसे कई समस्याओं का एक समाधान मान रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत •2051,हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-50
सूर्यास्त. -18-09
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मकर	मे	मकर...	05-23	बजे
चंद्र-	वृष	मे	कुंभ...	07-13	बजे
मंगल	मिथुन (व)	मे	मीन...	08-51	बजे
बुध-	मकर	मे	मेष...	10-27	बजे
गुरु-	वृष	मे	वृष...	12-12	बजे
शुक्र-	मीन	मे	मिथुन	14-12	बजे
शनि-	कुंभ	मे	कर्क..	16-25	बजे
राहु-	मीन	मे	सिंह...	18-37	बजे
केतु-	कन्या	मे	कन्या...	20-43	बजे
			तुला....	22-49	बजे
			वृश्चिक...	01-00	बजे
			धनु......	03-12	बजे

दिशाशूल • दक्षिण • जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमीं . 22-52 तक उपरान्त दशमीं
मास • माघ शुक्ल , गुरुवार 06 February
नक्षत्र • कृत्तिका 19-28 तक उपरान्त रोहिणी
योग • ब्रह्म 18-40 तक उप ऐन्द्र
करण- बालव 11-42 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार • धनिष्ठा मे रवि

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 11:05 से 12:30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:50 - 08:13	शुभ	रोग	18:09 - 19:48	अशुभ
लाभ	08:13 - 09:39	शुभ	काल	19:48 - 21:22	अशुभ
अमृत	09:39 - 11:05	शुभ	लाभ	21:22 - 22:56	शुभ
काल.	11:05 - 12:30	अशुभ	उत्पात	22:56 - 00:30	अशुभ
शुभ.	12:30 - 13:56	शुभ	शुभ	00:30 - 02:04	शुभ
रोग	13:56 - 15:22	अशुभ	अमृत	02:04 - 03:39	शुभ
उत्पात	15:22 - 16:48	अशुभ	चंचल	03:39 - 05:13	शुभ
चंचल	16:48 - 18:09	शुभ	रोग	05:13 - 06:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा , इसलिए आप अपनी पुरानी प्रतिबद्धताओं को समय पर खत्म कर पाएंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
उद्यम पूंजीपतियों के लिए आज का दिन शुभ हो सकता हैं! लोग आपकी विचारधारा से प्रभावित होंगे लेकिन अपनी बातो को उनके ऊपर न थोपे । हालांकि आपको धन मिलने में देरी हो सकती है परन्तु ये धन आपको मिलने की उम्मीद है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं अपना काम करें,सब सही होगा शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें कोई आपसे आज मिलने आएगा अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं अफवाहों से बचें और आनंद उठायें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

12 बार वोटिंग के दिन मोदी तीर्थ पहुंचे

8 में से 6 मौकों पर बीजेपी सत्ता में आई; महाकुंभ में मोदी

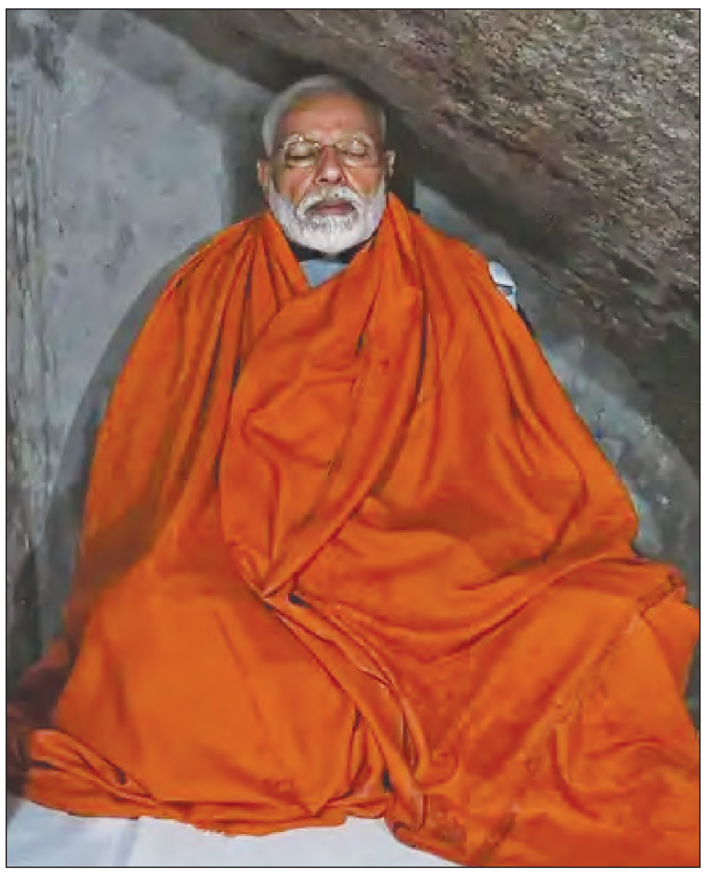

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। चुनाव से पहले पीएम मोदी की तीर्थ स्थल पर जाने की परंपरा रही है। 11 साल पहले प्रधानमंत्री बने मोदी अब तक 12 बार वोटिंग के दिन तीर्थ जा चुके हैं। इनमें 8 में से 6 मौकों पर बीजेपी सत्ता में आई। 2025 के कुंभ स्नान के लिए भी मोदी ने 5 फरवरी का खास दिन चुना, आज ही दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटों पर वोट भी डाले जा रहे हैं।

1. दिल्ली विधानसभा चुनाव, 05 फरवरी 2025 : प्रयागराज महाकुंभ में स्नान

दिल्ली में सभी 70 सीटों पर वोटिंग हो रही है। इसी दिन मोदी ने प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। स्नान के बाद पीएम ने सूर्य को अर्घ्य दिया।

› नतीजे : 8 फरवरी को वोट गिने जाएंगे

2. हरियाणा विधानसभा चुनाव, 05 अक्टूबर 2024 : महाराष्ट्र के जगदंबा माता मंदिर में पूजा

हरियाणा में 90 सीटों पर सिंगल फेज में वोटिंग होनी थी। इसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के वाशिम जिले में जगदंबा माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। मोदी ने मंदिर में नगाड़ा भी बजाया।

› नतीजे : 90 में से 48 सीटें जीतकर बीजेपी ने लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाई

3. लोकसभा चुनाव, 1 जून 2024 : विवेकानंद रॉक मेमोरियल में साधना

लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में 8 राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग होनी थी। मोदी 30 मई की शाम कन्याकुमारी पहुंचे। करीब 45 घंटों तक उन्होंने विवेकानंद रॉक मेमोरियल में साधना की। इस दौरान उन्होंने तमिल कवि तिरुवल्लुवर की 133 फीट ऊंची प्रतिमा के दर्शन किए। पीएम अलग-अलग तस्वीरों में रुद्राक्ष की माला जपते, ध्यान मंडपम के कॉरिडोर में बैठे और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा को नमन करते दिखाई दिए।

› नतीजे : इन 57 सीटों में से 18 बीजेपी को मिलीं। कुल 240 सीटें जीतकर बीजेपी ने एनडीए की साथी पार्टियों के साथ लगातार तीसरी बार सरकार बनाई

4. लोकसभा चुनाव, 20 मई 2024 : पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पूजा

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण की वोटिंग का दिन था। 8 राज्यों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले जाने थे। इसमें ओडिशा की 5 लोकसभा सीटें शामिल थीं। इसी दिन प्रधानमंत्री मोदी पुरी पहुंचे और जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

› नतीजे : इन 49 सीटों में से 16 सीटें ही बीजेपी जीत सकीं

5. लोकसभा चुनाव, 13 मई 2024 : पटना साहिब गुरुद्वारा में लंगर सेवा

लोकसभा चुनाव के चौथे फेज में 10 राज्यों की 96 सीटों पर वोटिंग थी। इसी दिन पीएम मोदी बिहार के पटना साहिब गुरुद्वारा पहुंचे। उन्होंने गुरुद्वारे में सेवा कार्य किया, रोटियां बेलीं, श्रद्धालुओं को खाना परोसा और वहां आने वाले लोगों से मुलाकात भी की।

› नतीजे : इन 96 सीटों में से 39 पर बीजेपी को जीत मिली

6. लोकसभा चुनाव, 05 मई 2024 : अयोध्या राम मंदिर में पूजा

लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज में 12 राज्यों की 94 सीटों पर वोट डाले गए। इसमें यूपी की 10 सीटें शामिल थीं। इससे ठीक दो दिन पहले पीएम मोदी अयोध्या पहुंचे और हाल ही में बने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम ने अयोध्या में रोड शो भी किया।

› नतीजे : इन 94 सीटों में से 57 पर बीजेपी ने जीत दर्ज की

7. कर्नाटक विधानसभा चुनाव, 10 मई 2023 : राजस्थान के श्रीनाथजी मंदिर में पूजा

कर्नाटक में सभी 224 विधानसभा सीटों पर वोट डाले गए। इस दिन पीएम मोदी राजस्थान में थे। उन्होंने उदयपुर के श्रीनाथजी मंदिर पूजा-अर्चना की। इस मंदिर में कृष्ण बालरूप में पूजे जाते हैं।

› नतीजे : 135 सीटें जीतकर कांग्रेस ने सत्ता हासिल की। बीजेपी को महज 66 सीटें मिलीं। पिछले चुनाव के मुकाबले 38 सीटें कम

8. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव, 27 मार्च 2021 : बांग्लादेश के मतुआ मंदिर में पूजा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 30 और असम में 47 सीटों पर पहले चरण की वोटिंग होनी थी। इस दिन पीएम मोदी, बांग्लादेश के ढाका में यशोश्वरी मंदिर शक्ति पीठ पहुंचे और मां काली की पूजा-अर्चना की। वे ओराकांडी में मतुआ समुदाय के मंदिर भी गए। पश्चिम बंगाल की 70 सीटों पर मतुआ समुदाय का प्रभाव माना जाता है।

› नतीजे : पश्चिम बंगाल में बीजेपी को 77 सीटें मिलीं। पहली बार बीजेपी राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। असम में बीजेपी ने 60 सीटें जीतकर लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की

9. लोकसभा चुनाव, 19 मई 2019 : केदारनाथ में ध्यान

लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में 8 राज्यों की 59 सीटों पर वोट डाले जाने थे। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर सामने आई। 11 हजार फीट की ऊंचाई पर बने केदारनाथ मंदिर में भगवा कपड़े पहने मोदी ध्यान लगाए हुए थे। मोदी ने उस गुफा में करीब 17 घंटे बिताए। गुफा से बाहर निकलने के बाद मोदी बोले-मैं जब भी भगवान के चरणों में आता हूं, तो कुछ मांगता नहीं। क्योंकि, उसने आपको मांगने नहीं, देने योग्य बनाया है।

› नतीजे : 59 में से 36 सीटें बीजेपी ने जीतीं। कुल 303 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत के साथ बीजेपी ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई और नरेंद्र मोदी पीएम बने

10. गुजरात विधानसभा चुनाव, 12 दिसंबर 2017 : अंबाजी मंदिर में पूजा

गुजरात विधानसभा चुनाव में 9 दिसंबर और 14 दिसंबर को वोटिंग होनी थी। इसी बीच 12 दिसंबर को पीएम मोदी मेहसाणा के प्रसिद्ध अम्बाजी मंदिर पहुंचे। यहां करीब 12 मिनट तक उन्होंने मां अम्बा की पूजा और आरती की।

› नतीजे : 18 दिसंबर 2017 को जब रिजल्ट आया तो बीजेपी ने 182 में से 99 सीटों पर जीत हासिल की। बीजेपी को 49.1% वोट मिले। लगातार 8वीं बार बीजेपी की सरकार बनी और विजय रुपाणी दूसरी बार सीएम बने

11.यूपी विधानसभा चुनाव, 08 मार्च 2017 : सोमनाथ मंदिर में पूजा

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण में 40 सीटों पर वोटिंग होनी थी। उसी दिन पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर में खास पूजा की। उनके साथ तब के बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह भी थे। रुद्राक्ष की माला और सुनहरा अंगवस्त्र पहने अभिषेक और आरती करते हुए हुए मोदी की तस्वीरें सियासी गलियारों में चर्चा में रहीं।

› नतीजे : 11 मार्च को यूपी चुनाव के नतीजे आए। 15 साल बाद बीजेपी की वापसी हुई। 403 में से 312 सीटें बीजेपी ने जीत लीं। योगी आदित्यनाथ सीएम बने

12. असम विधानसभा चुनाव, 11 अप्रैल 2016 : केरल के पारावुर पुत्तिंगल मंदिर में घायलों से मिलें

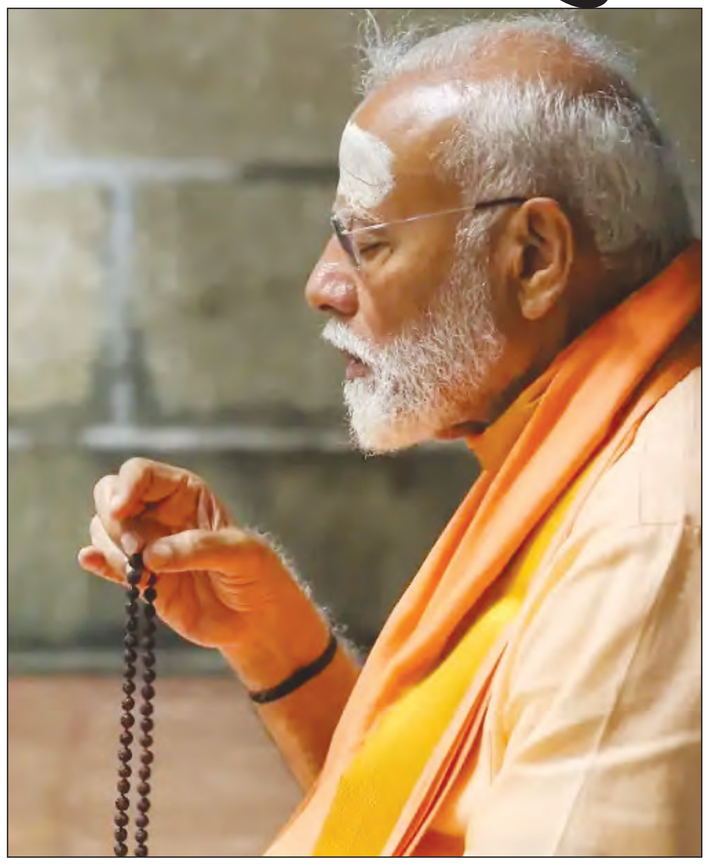

असम विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण में 61 सीटों पर वोटिंग होनी थी। इसके एक दिन पहले यानी 10 अप्रैल 2016 की सुबह केरल के कोल्लम जिले के पारावुर पुत्तिंगल मंदिर में एक कार्यक्रम के दौरान आग लग गई। इसमें करीब 111 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा घायल हो गए। शाम होते तक पीएम मोदी भी पहुंच गए। उन्होंने इलाके और अस्पताल का दौरा किया। घायलों से मिले।

› नतीजे : असम में बीजेपी ने 126 में से 86 सीटें जीतीं। बीजेपी को 41.9% वोट मिले। पहली बार असम में बीजेपी की सरकार बनी

दोनों लोकसभा चुनाव में वापसी, 6 में से 4 राज्यों में बीजेपी की सरकार

5 फरवरी 2025 को संगम में स्नान से पहले मोदी 11 बार वोटिंग के दिन किसी न किसी तीर्थ यात्रा पर रहे हैं। इस दौरान 2 बार लोकसभा और 6 राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए। दोनों लोकसभा में बीजेपी ने सत्ता हासिल की। जबकि 6 राज्यों में से 4 राज्यों में बीजेपी ने सरकार बनाई। यानी 75 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ। 11 चुनाव वाले दिन तीर्थ यात्रा से मोदी ने कुल 1662 सीटों को कवर किया। इसमें से 854 सीटें बीजेपी ने जीत लीं। यानी करीब 52% स्ट्राइक रेट के साथ।

माता-पिता के प्रति बेटे के कर्तव्य अलग रहने की जिद पर पत्नी को तलाक

हाईकोर्ट ने अर्जी पर सुनाया फैसला

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक पति को तलाक दे दिया है। पत्नी माता-पिता से अलग रहने की जिद्द करती थी। कोर्ट ने इसे मानसिक प्रताड़ना माना। कोर्ट ने बेटे की अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी के सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि भारत में बेटों का पत्नी के कहने पर अपने माता-पिता को छोड़ देना आम बात नहीं है।

फरियादी की जून 2017 में शादी हुई थी। शादी के कुछ समय बाद पत्नी ने पति के परिवार से अलग रहने की जिद की। वह ग्रामीण जीवन से असहज थी और अपना करियर बनाना चाहती थी। पति ने रायपुर में अलग घर किराए पर लेकर सुलह की कोशिश की। लेकिन पत्नी का व्यवहार अपमानजनक और क्रूर रहा। वह बिना बताए घर छोड़कर चली गई। इसके बाद पति ने क्रूरता के आधार पर तलाक के लिए अर्जी दी।

पत्नी का परिवार के साथ रहने से इनकार

रायपुर की एक निचली अदालत ने प्रशांत की अर्जी खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा कि उसने मानसिक क्रूरता साबित नहीं की। पति ने हाई कोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। उसने तर्क दिया कि पत्नी के लगातार उसके परिवार के साथ रहने से इनकार, उसकी बिना बताए अनुपस्थिति और उसके अपमानजनक व्यवहार से मानसिक क्रूरता हुई।

हाई कोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला

हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा कि पत्नी के व्यवहार से स्पष्ट रूप से मानसिक क्रूरता हुई। कोर्ट ने बेटे के अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के नैतिक और कानूनी दायित्व पर जोर दिया, खासकर जब उनकी आय सीमित हो।

पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता देने का आदेश

पत्नी की शिक्षा और दोनों पक्षों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने पति को दो महीने के भीतर पत्नी को 5 लाख रुपये स्थायी गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने विशेष रूप से पत्नी के पति के परिवार से अलग रहने की जिद के मुद्दे को संबोधित किया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि बिना किसी उचित कारण के पति को अपने परिवार से अलग रहने के लिए मजबूर करने के लिए पत्नी के लगातार प्रयास उसके लिए कष्टदायक होंगे और क्रूरता का कार्य माना जाएगा।

मूर्ति विसर्जन के दौरान अश्लील गाने को लेकर विवाद

धनबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के लोहारबरवा में सरस्वती प्रतिमा के विसर्जन के दौरान हंगामा हो गया। इस दौरान बरवाअड्डा पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें कई युवक जख्मी हो गए। घायलों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के लाठीचार्ज के विरोध में ग्रामीणों ने लोहारबरवा-टुंडी रोड को जाम कर दिया। ग्रामीणों ने पुलिस पर बेवजह लाठी भांजने का आरोप लगाया। वे दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग के साथ नारेबाजी करने लगे। सूचना पर बरवाअड्डा थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि मौके पर पहुंचे। ग्रामीण दोषियों पर कार्रवाई की मांग पर अड़े थे, पर बाद में थाना प्रभारी ने उन्हें समझा-बुझा कर शांत कराया।

हथियार सप्लाई करने वाले अरेस्ट नक्सलियों के टारगेट में थे पुलिस जवान

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एनआईए ने बड़ी कार्रवाई की है।

एनआईए ने छत्तीसगढ़ में हथियार बरामदगी के एक मामले में नक्सलियों के सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के नक्सलियों के सहयोगी थे। एनआईए के आधिकारिक बयान के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के कट्टर सहयोगियों के रूप में हुई है।

नक्सलियों को देते थे शरण

बयान में कहा गया है कि एनआईए की जांच में पता चला है कि अनीश खान उर्फ अन्नू खान उर्फ अज्जू खान, अनिल कुमार नेताम, जयसिंग हिडको और रघुवीर लंबे समय से नक्सली संगठन के सदस्यों को शरण देने और सहायता प्रदान करने में शामिल थे।

एनआईए के बयान में कहा गया है कि ये गिरफ्तारियां कांकेर जिले में भाकपा (माओवादी) नक्सलियों से हथियारों की बरामदगी से संबंधित एक मामले के सिलसिले में की गई हैं।

हथियार करते थे सप्लाई

नक्सलियों को सहारा देने के अलावा इन आरोपियों ने सीपीआई (माओवादी) कैडरों को विस्फोटक और डेटोनेटर सहित आपत्तिजनक सामग्री मुहैया कराई थी।

इन नक्सलियों का प्लान कांकेर जिले के मुजालगोंडी गांव के पास पुलिस टीम पर हमला करने का था। जांच से यह भी पता चला है कि हमले के साथ-साथ राज्य में चुनाव बहिष्कार के आह्वान के लिए एक बैठक की योजना सीपीआई (माओवादी) के सदस्यों ने बनाई थी। बता दें कि राज्य में इन दिनों नगरीय निकाय चुनाव चल रहे हैं।

बड़े नक्सलियों के साथ था संपर्क

छत्तीसगढ़ में एनआईए की कार्रवाई में यह बात भी सामने आई है कि पकड़े गए नक्सलियों के सहयोगियों का संपर्क नक्सलियों के टॉप लीडर्स से था। टॉप लीडर्स ने निर्देश के बाद ये ये नक्सलियों को विस्फोटक और डेटोनेटर समेत कई आपत्तिजनक सामान की सप्लाई करते थे।

सड़क पर बिखरा है सीयूजे के छात्रों का शव

रांची, 5 फरवरी (एजेंसियां)। रांची जिले के मांडर थाना क्षेत्र के मालटोटी डाइवर्सन में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड के दो छात्रों को ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले छात्र का नाम देवदास है। वहीं छात्रा का नाम ऐश्वर्या है। दोनों जियो-इर्फॉमेटिक डिपार्टमेंट के स्टूडेंट हैं। छात्र देवदास पीएचडी स्कॉलर था। वहीं छात्रा मास्टर्स पहले साल में पढ़ती थी। जानकारी के मुताबिक दोनों एक बाइक पर सवार हो कर ब्रांबे कैंपस से मनातू कैंपस जा रहे थे। इसी बीच डाइवर्सन के पास मालवाहक ट्रक ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। जहां शव पड़े हैं, वहां देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाइक सवार काफी दूर तक घसीटते चले गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद सीयूजे प्रबंधन के लोग और बड़ी संख्या में छात्र घटनास्थल पर पहुंचे और डाइवर्सन के पास हादसे वाली जगह पर ही बैठ गए।

गृहमंत्री अमित शाह आज आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कल यानी छह फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरा में रहेंगे। इस दौरान वे चंद्रगिरी तीर्थ में आयोजित विश्व शांति महायज्ञ में समेत कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को दिल्ली से रायपुर एयरपोर्ट दोपहर 12:25 बजे पहुंचेंगे। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से प्रज्ञागिरी डोगरगढ़ हैलीपैड आएंगे। वहां से सड़क मार्ग से चंद्रगिरी तीर्थ के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय मंत्री शाह चंद्रगिरी तीर्थ में दोपहर 1:10 बजे पधारेंगे। जहां वे विभिन्न कार्यक्रम के तहत आचार्य गुरुवर विद्यासागर महामुनिराज के प्रथम समाधि स्मृति महोत्सव व श्री 1008 सिद्धचक्र विधान विश्व शांति महायज्ञ में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 2:10 बजे से 2:40 बजे तक अमित शाह विद्यायतन समाधि स्मारक चन्द्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ में आयोजित विनयांजलि समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद गृह मंत्री शाह सड़क मार्ग से दोपहर 2:50 बजे छोटी बमलेश्वरी माता मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे।

फ्री सेनेटरी नैपकीन, वाई-फाई आवासहीनों को मकान

श्रद्धांजलि योजना में 5 हजार मिलेंगे, निकाय-चुनाव में बीजेपी के घोषणा पत्र के जवाब में कांग्रेस के बड़े वादे

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपना जन घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष फोकस किया है। स्कूल-कॉलेज छात्राओं को मुफ्त सेनेटरी नैपकीन दी जाएगी। सभी स्कूल-कॉलेजों और चौक-चौराहों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। आवासहीनों को मकान दिए जाएंगे। कांग्रेस के घोषणा पत्र के मुताबिक बीपीएल कार्डधारकों को श्रद्धांजलि योजना के तहत 2000 की जगह 5000 रुपए मिलेंगे। प्रॉपर्टी टैक्स की राशि टाइम पर भुगतान करने पर छूट दी जाएगी। सभी निकायों में कॉम्पिटिशन एग्जाम के लिए स्टूडेंट्स को फ्री लाइब्रेरी की सुविधा मिलेगी। वहीं मेनिफेस्टो में पत्रकारों के लिए सभी नगर निगमों में हाईटेक रेस्ट रूम बनाने का जिक्र है।

बीजेपी का 'अटल विश्वास पत्र' जारी

इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है, जिसे 'अटल विश्वास पत्र' नाम दिया गया है। इसमें कुल 20 बड़े वादे किए गए हैं, जो जनता के लिए कई सुविधाएं और राहत लेकर आने का दावा करते हैं।

पुराने वादों की लिस्ट जारी की

बीजेपी के घोषणा पत्र के जवाब में कांग्रेस ने पुराने वादों की लिस्ट जारी की। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब भाजपा अपने पिछले घोषणा पत्र को पूरा नहीं कर पाई, तो किस नैतिकता से नए वादे कर रही है? 2023 के विधानसभा चुनाव में 'मोदी की गारंटी' के नाम पर किए गए 20 वादों में से 17 आज भी अधूरे हैं, जबकि जिन 3 वादों पर कुछ काम हुआ है, वो भी आधे-अधूरे हैं।

रायपुर में गर्लफ्रेंड को मारने से पहले 30 किमी घुमाया

बोला-शादी का दबाव बना रही थी

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में एक बॉयफ्रेंड ने पूरी प्लानिंग करके अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या की। वारदात से पहले लड़की को बाइक से घुमाने ले गया। 30 किलोमीटर तक बाइक चलाते हुए हत्या के लिए सुरक्षित ठिकाना खोजता रहा। फिर जगह मिलते ही वहां लड़की का गला घोंट दिया। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने पहचान छिपाने लाश के चेहरे पर तेजाब छिड़का। पुलिस ने आरोपी विवेक सेंन्द्रे को गिरफ्तार कर लिया है। विवेक के मुताबिक रचना शादी का दबाव बना रही थी। वहीं आरोपी का पता चलते ही फांसी देने की मांग को लेकर लोगों ने देर शाम सरस्वती नगर थाने के सामने जमा होकर विरोध जताया, जीई रोड जाम करने की कोशिश की, हालांकि सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।

नक्सलियों की टूट गई कमर

सरेंडर करनेवाले टॉप कमांडर ने बताया क्या है माओवादियों के हेडक्वॉर्टर अबूझमाड का हाल

रायपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व माओवादी कमांडर गिरिधर ने खुलासा किया कि अब अबुझमाड़ माओवादियों का गढ़ नहीं रहा। पिछले साल आत्मसमर्पण के बाद उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके पर कब्जा कर लिया है। उनका कहना है कि अब माओवादी आंदोलन कमजोर पड़ गया है और वहां के लोग लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव की दिशा में बढ़ रहे हैं।

नक्सलवादियों के गढ़ से एक बड़ी खबर आई है। यहां के पूर्व माओवादी कमांडर गिरिधर ने एक बड़ा खुलासा किया है। उसने बताया है कि अबुझमाड़ अब माओवादियों का गढ़ नहीं रहा। यह इलाका महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर फैला है। पचास सालों तक यहां खून-खराबा हुआ। लेकिन अब सुरक्षाबलों ने इसे अपने कब्जे में ले लिया है। गिरिधर पीएलजीए के एक बड़ा कमांडर था। पीएलजीए यानी पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी। यह माओवादियों की सेना है। गिरिधर ने 28 साल तक महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सात 'दलम' चलाए। 'दलम' माओवादियों के छोटे-छोटे गुट होते हैं। वे जंगलों में छिपकर रहते हैं और हमले करते हैं। गिरिधर ने कहा, 'अबुझमाड़ की पहाड़ियां अब माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना नहीं रहीं। हमारे कब्जे वाले इलाके खत्म हो गए हैं। कमांडो दंडकारण्य के जंगलों के हर हिस्से में घुस रहे हैं। माओवादियों की संख्या लगभग खत्म हो गई है।' गिरिधर ने माओवादी आंदोलन को छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'आंदोलन में एक चिंगारी थी। नेताओं के पास एक दृष्टि थी। विचारधारा और पार्टी का आकर्षण था। लेकिन आज के समाज में बदलाव सिर्फ लोकतंत्र से ही लाया जा सकता है। एक आदिवासी दूसरे आदिवासी को क्यों मारे? एक पुलिस वाला, दूसरा नक्सली। किसी उद्देश्य के लिए मरना स्वीकार्य है, लेकिन बेमतलब की हत्याओं का इतिहास में कोई स्थान नहीं है।

गिरिधर ने 2009 में राजनांदगांव के एसपी विनोद चौबे पर घात लगाकर हमला किया था। उस पर 185 मामले दर्ज थे। पिछले साल जून में उसने अपनी पत्नी संगीता के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। संगीता भी माओवादियों की एक बड़ी नेता थीं।

गिरिधर गांववालों को माओवादियों में भर्ती करवाने में माहिर थे। आजकल के युवा स्मार्टफोन, बाइक और अच्छे काम-धंधे की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। फिर भी गिरिधर उन्हें माओवादियों में शामिल कर लेते थे।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 104 भारतीय अमृतसर पहुंचे

> 205 लोग चिह्नित हुए थे > 186 की लिस्ट आई थी > ये कब आएंगे क्लियर नहीं

अमृतसर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए अवैध तरीके से रह रहे 104 भारतीयों की वतन वापसी हो गई है। इन्हें लेकर बुधवार (5 फरवरी) दोपहर करीब 2 बजे यूएस मिलिट्री का C-17 विमान अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा। इसे पैसेंजर टर्मिनल के बजाय एयरफोर्स के एयरबेस पर उतारा गया है। अमृतसर एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक इन लोगों की वैरिफिकेशन की जा रही है। यहां से इमिग्रेशन और कस्टम से क्लियरेंस के बाद पंजाब पुलिस को सौंप दिया जाएगा। इसके लिए बसें अंदर मंगाई गई हैं।

अमेरिका ने कुल 205 भारतीयों को डिपोर्ट करने के लिए चिह्नित किया है। इसी बीच 186 भारतीयों को डिपोर्ट करने वाली लिस्ट भी सामने आई। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि बाकी बचे लोग कहां हैं और कब डिपोर्ट किए जाएंगे। यूएस मिलिट्री का यह विमान भारतीय समय के मुताबिक 4 फरवरी की सुबह 3 बजे अमेरिका से रवाना किया गया था। यह पहली बार है जब अमेरिका अप्रवासियों को भेजने के लिए सैन्य विमान का इस्तेमाल कर रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद अवैध तरीके से रह रहे बाहरी लोगों को डिपोर्ट करने के आदेश दिए थे।

सबसे ज्यादा हरियाणा-गुजरात और पंजाब के

अमृतसर एयरपोर्ट पर लाए गए 104 लोगों में हरियाणा और गुजरात के 33-33, पंजाब के 30, महाराष्ट्र के 3, उत्तर प्रदेश-चंडीगढ़ के 2 लोग शामिल हैं। इनमें कुछ परिवार भी हैं, जिनमें 8-10 साल के बच्चे भी शामिल हैं। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के लोगों को बाई रोड घर भेजा जाएगा। गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के लोगों को बाई एयर ही आगे भेजा जा सकता है।

पंजाब पुलिस ने डिटेंशन सेंटर नहीं बनाया

एयरपोर्ट के सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक इनमें कोई बड़ा अपराधी नहीं है। पंजाब पुलिस का कहना है कि इन्हें डिटेन करने के फिलहाल कोई आदेश नहीं हैं। न ही सरकार ने कोई डिटेंशन सेंटर बनाया है। ऐसे में संभावना है कि एयरपोर्ट पर क्लियरेंस के बाद इन्हें इनके घर रवाना कर दिया जाएगा।

केंद्र ने सभी अवैध प्रवासियों का डेटा चेक किया

केंद्र सरकार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सभी अवैध प्रवासियों की भारत में रिहाइश का पूरा डेटा चेक करने के बाद ही उन्हें देश में आने की इजाजत मिली है। 23 जनवरी को विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर चर्चा की। इस दौरान डिपोर्ट करने पर सहमति बनी। वहीं, 27 जनवरी को राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया कि फोन पर वार्ता के दौरान इस मुद्दे पर पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि जो सही होगा, वही करेंगे।

पूर्व पासपोर्ट अधिकारी बोले-सर्टिफिकेट पर लौटेंगे, वैरिफिकेशन होगी

अमृतसर के पूर्व पासपोर्ट अधिकारी जेएस सोढ़ी ने बताया कि जिस भी व्यक्ति को डिपोर्ट किया जाता है, उसके पास अपना पासपोर्ट नहीं होता। ऐसे में संबंधित भारतीय दूतावास उन्हें सर्टिफिकेट इश्यू करता है, जो भारत में लैंड होते ही वापस ले लिया जाता है। यह सर्टिफिकेट इश्यू होने से पहले भारतीय दूतावास संबंधित व्यक्ति के बारे में विस्तृत जानकारियां जुटाता है। भारत लौटने के बाद भी स्थानीय पुलिस इन पर नजर रखती है। इनकी वेरिफिकेशन दोबारा से की जाती है।

भारतीयों को ला रहे विमान पर 6 करोड़ खर्च

जिस विमान से अमेरिका ने भारतीयों को भेजा है, उस पर लगभग 6 करोड़ रुपए का खर्च आया है। यह चार्टर्ड विमान सामान्य उड़ान से लगभग 6 गुना ज्यादा कीमती है। सफर में अवैध प्रवासी हथकड़ियों में ही रहेंगे। राष्ट्रपति ट्रम्प हमेशा से अवैध प्रवासियों को क्रिमिनल करार देते आए हैं। अवैध प्रवासियों को सेना के विमान से डिपोर्ट करने के पीछे ट्रम्प सख्त संदेश देना चाहते हैं कि अवैध प्रवासियों के लिए अब अमेरिका में कोई जगह नहीं है।

स्पेन में काम के घंटे घटाने का प्रस्ताव

हर हफ्ते 40 की जगह 37.5 घंटे काम कैबिनेट की मंजूरी, अब संसद में पेश होगा

मैड्रिड, 5 फरवरी (एजेंसियां)। स्पेन की सरकार ने कर्मचारियों के हफ्ते में काम के घंटों में कटौती करने का फैसला किया है। मंगलवार को कैबिनेट की साप्ताहिक बैठक में लेबर मिनिस्टर योलांडा डियाज ने इसे लेकर प्रस्ताव को पेश किया। इस प्रस्ताव में हर हफ्ते काम के घंटों को 40 से घटाकर 37.5 घंटे करने का फैसला लिया गया है, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दी। अब इसे संसद में पेश किया जाएगा।

एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन यानी नौकरी देने वाले कंपनियों के संगठन ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। हालांकि इसके बावजूद भी मंत्री डियाज ने इसे पेश किया। डियाज स्पेन की कट्टर वामपंथी पार्टी सुमार की नेता है। ये पार्टी स्पेन की गठनबंधन सरकार का हिस्सा है। लेबर मिनिस्टर डियाज स्पेन सरकार में डिप्टी पीएम भी हैं।

कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी बढ़ाना और जीवन बेहतर करना मकसद

लेबर मिनिस्टर डियाज ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इस प्रस्ताव का मकसद काम के घंटों के कम करके कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी बढ़ाना और उनके जीवन को बेहतर बनाना है। इस विधेयक को अभी संसद की मंजूरी मिलना बाकी है। रॉयटर्स के मुताबिक प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के नेतृत्व वाली सरकार के संसद में स्पष्ट बहुमत नहीं है।

इस विधेयक को पारित कराने के लिए उन्हें छोटी पार्टियों का समर्थन लेना होगा। लेकिन ये इतना आसान नहीं रहने वाला है। ये पार्टियां विधेयक को लेकर अलग-अलग मांग कर रही है। ऐसे में उनके बीच संतुलन बिठाना सांचेज के लिए अहम चुनौती होगी।

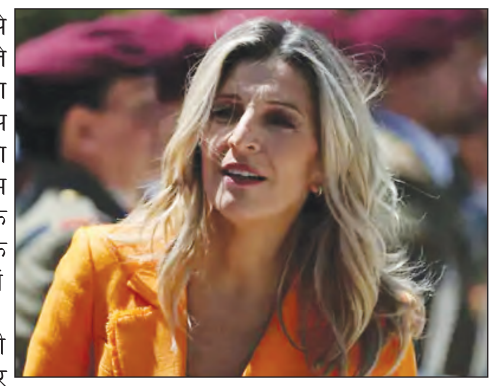

काम के घंटे कम करने पर पिछले साल हुए थे प्रदर्शन

पिछले साल सितंबर में काम के घंटे कम करने को लेकर स्पेन में प्रदर्शन हुए थे। स्पेन की प्रमुख यूनियन्स, कंपनियों और सरकार के काम के घंटे करने को लेकर दबाव बना रही थी। पीएम सांचेज ने सितंबर से ही इसे लेकर कंपनियों को राजी करने के लिए कोशिशें शुरू कर दी थी। दूसरी तरफ यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने भी स्पेन और उसके प्रतिद्वंद्वियों के बीच प्रोडक्टिविटी के अंतर को कम करने के लिए रिपोर्ट पेश की थी।

> कश्मीर-कश्मीर चिल्लाया पाकिस्तान

शहबाज और जरदारी ने भारत के खिलाफ पीटी छाती, संयुक्त राष्ट्र से लगाई गुहार

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। कंगाल पाकिस्तान के लिए अपने लोगों को संभालना मुश्किल हो रहा है, लेकिन वह कश्मीर-कश्मीर चिल्लाने से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर कश्मीर का राग अलापा है। बुधवार 5 फरवरी को पाकिस्तान कथित तौर पर कश्मीर एकजुटता दिवस मना रहा है। पाकिस्तान के सरकारी रेडियो की रिपोर्ट के अनुसार, जरदारी और शरीफ ने कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने गुहार लगाई है।

कश्मीर को लेकर क्या बोले शहबाज?

एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, शहबाज शरीफ ने कहा कि मध्य पूर्व में हाल के घटनाक्रमों ने दिखाया है कि लंबे समय से चले आ रहे विवादों को बढ़ने नहीं दिया जाना चाहिए। उनका इशारा गाजा में इजरायल और हमास युद्ध की तरफ था, जो आगे बढ़कर लेबनान और यमन तक पहुंच गया। शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर एकजुटता दिवस मना रहा है कि ताकि कश्मीरी लोगों के प्रति अटूट समर्थन व्यक्त किया जा सके। हालांकि, पाकिस्तान की सरकार और सेना दोनों देश की खस्ताहाल हालत से परेशान लोगों की निराशा को दबाने के लिए कश्मीर मुद्दे का इस्तेमाल करती है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान में शहबाज शरीफ ने एक बार फिर कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र का रोना रोया और आत्मनिर्णय के अधिकार की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना की मौजूदगी को भी स्वीकार कर लिया। शरीफ ने कहा कि आज भारत के नियंत्रण वाला कश्मीर और पीओके दुनिया के सबसे अधिक सैन्यीकृत क्षेत्रों में से एक है। शहबाज शरीफ ने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर विवाद पाकिस्तान की विदेश नीति का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी संयुक्त राष्ट्र से गुहार लगाई और कहा कि वह दिन कश्मीरी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास दिलाता है।

इस्माइली मुस्लिमों के धार्मिक लीडर आगा खान का निधन

लिस्बन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। इस्माइली मुसलमानों के धार्मिक और आध्यात्मिक नेता और अरबपति आगा खान का मंगलवार को 88 साल की उम्र में निधन हो गया। आगा खान फाउंडेशन के हवाले से बताया कि शिया इस्माइली मुसलमानों के 49वें वंशानुगत इमाम आगा खान चतुर्थ का पुर्तगाल में निधन हो गया। उनके उत्तराधिकारी की घोषणा बाद में की जाएगी। आगा खान के 3 बेटे और 1 बेटी है।

आगा खान का असली नाम प्रिंस शाह करीम अल हुसैनी था। उनका जन्म 13 दिसंबर, 1936 को जिनेवा में हुआ था और उन्होंने अपना शुरुआती बचपन केन्या के नैरोबी में बिताया। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से इस्लामी हिस्ट्री में ग्रेजुएशन करने वाले आगा खान 20 साल की उम्र में इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता बन गए थे।

अमेरिका गाजा पर कब्जा करके री-डेवलप करेगा : ट्रम्प

इजराइली पीएम ने सपोर्ट किया, कहा-वहां हमास को खत्म करने समेत हमारे 3 टारगेट

वॉशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका दौरे पर पहुंचे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ट्रम्प ने कहा कि गाजा में तबाही के कारण फिलिस्तीनियों के पास वहां से जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने सुझाव दिया कि जॉर्डन और मिस्र इन फिलिस्तीनियों को अपने यहां शरण दें। इसके बाद अमेरिका गाजा को अपने कब्जे में लेकर री-डेवलप करेगा।

ट्रम्प ने कहा कि गाजा को फिर से बसाने के बजाय फिलिस्तीनियों को किसी नई जगह पर बसाना बेहतर होगा अगर सही जगह मिल जाए और वहां अच्छे घर बना दिए जाएं, तो वह गाजा लौटने से बेहतर होगा। नेतन्याहू ने ट्रम्प के इस प्लान का सपोर्ट करते हुए कहा कि यह प्लान इतिहास बदल सकता है। इजराइली पीएम ने कहा कि उनके गाजा में तीन मकसद हैं।

पहला बंधकों को आजाद कराना, दूसरा गाजा में अपने पहले से तय मकसद पूरा करना और तीसरा हमास की सैन्य ताकत को पूरी तरह खत्म करना। उन्होंने कहा कि हम तीनों को हासिल करेंगे।

नेतन्याहू बोले- ट्रम्प व्हाइट हाउस में इजराइल के सबसे अच्छे दोस्त नेतन्याहू ने ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि आप व्हाइट हाउस में इजराइल के अब तक के सबसे अच्छे दोस्त हैं। आपने वहीं से शुरू किया है, जहां से छोड़ा था। इजराइली पीएम ने ट्रम्प को इजराइली बंधकों की रिहाई का श्रेय देते हुए कहा- आपकी लीडरशिप की वजह से बंधक अपने घर वापस आ पाए।

ट्रम्प बोले-यह मिडिल ईस्ट में शांति लाने की योजना

ट्रम्प ने सुझाव दिया कि अमेरिका गाजा का कंट्रोल अपने हाथ में ले सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका वहां मौजूद खतरनाक बमों और अन्य हथियारों को हटा सकता है। साथ ही नष्ट हो चुकी इमारतों को भी साफ कर सकता है। अमेरिका उस जगह को साफ करके ऐसा आर्थिक विकास कर सकता है, जिससे वहां के लोगों के लिए नौकरियों और घर की असीमित व्यवस्था बन सके। ट्रम्प ने कहा कि मैंने पिछले कई महीनों में गाजा की स्थिति को करीब से समझा है और वहां कब्जा करके विकास करने की योजना को दुनिया के टॉप लीडर्स से जबरदस्त समर्थन मिला है। यह मिडिल ईस्ट में शांति लाने की कारगर योजना है।

ट्रम्प ने यह भी कहा, 'मैं जल्द ही इजराइल, गाजा, सऊदी अरब और मिडिल ईस्ट के अन्य स्थानों का दौरा करूंगा। मिडिल ईस्ट एक शानदार जगह है। यह वाकई खूबसूरत इलाका है, जहां शानदार लोग रहते हैं, लेकिन वहां खराब नेतृत्व ने कई समस्याएं पैदा कर दी हैं।'

ट्रांसजेंडर खिलाड़ी महिला वर्ग के खेलों में नहीं ले सकेंगी हिस्सा!

राष्ट्रपति ट्रंप का आदेश

वॉशिंगटन, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही एक ऐसे कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं, जिसके बाद ट्रांसजेंडर खिलाड़ी महिला वर्ग के खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। यह आदेश उन ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों पर लागू होगा, जो जन्म के समय पुरुष थे और बाद में लिंग परिवर्तन कराकर महिला बन गए। डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही इस आदेश पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। बीती जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आदेश में स्पष्ट कर दिया था कि आधिकारिक दस्तावेजों में सिर्फ महिला और पुरुष के तौर पर लोगों की पहचान दर्ज की जाएगी।

स्वीडन स्कूल हमले में 11 लोगों की मौत

> पुलिस का दावा-हमलावर ने की आत्महत्या

ओरेब्रो, 5 फरवरी (एजेंसियां)। स्वीडन के ओरेब्रो शहर में एक स्कूल पर हुई गोलीबारी की वारदात में 11 लोगों की मौत हो गई है। स्वीडिश पुलिस ने इसकी पुष्टि की है।

हालांकि पुलिस को अभी यह पता नहीं चल पाया है कि गोलीबारी में कितने लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एड फोरेस्ट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जांचकर्ता गोलीबारी के बारे में और जानकारियां जुटा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट नहीं है कि गोलीबारी स्कूल (भवन) के अंदर हुई या क्या और भी हमलावर इसमें शामिल थे।'

स्कूल के अन्य हिस्सों को खाली कराया गया

घटनास्थल से सामने आए वीडियो में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और अन्य आपातकालीन वाहन देख जा सकते हैं। इसके अलावा छात्रों को पास की इमारतों में शरण लेते हुए भी देखा गया। गोलीबारी के बाद स्कूल के अन्य हिस्सों को खाली करा दिया गया। न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रॉमर ने बताया, ओरेब्रो में हिंसा की खबरें बेहद गंभीर हैं। सरकार पुलिस के साथ निरंतर संपर्क में है और घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

पीएम क्रिस्टर्सन ने घटना पर जताया दुख

स्वीडिश मीडिया के अनुसार, प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि यह 'पूरे स्वीडन के लिए बहुत दुखद दिन है।' कैंपस रिसबर्गस्का नाम के इस स्कूल में 20 साल से अधिक उम्र के लोग पढ़ते हैं। ये स्कूल स्टॉकहोम से लगभग 200 किमी (125 मील) पश्चिम में मौजूद है। जिसमें 20 साल से अधिक उम्र के छात्रों को प्राथमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा, प्रवासियों के लिए स्वीडिश भाषा की कक्षाएं, व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाते हैं।

शिक्षिका और छात्र गोलीबारी से सहमे

वहीं इस वारदात के बाद पुलिस वाहन और एम्बुलेंस स्कूल के आसपास के इलाके में पहुंच गए, जबकि एक हेलिकॉप्टर भी मौके पर मौजूद था। शिक्षिका लीना वारेनमार्क ने बताया कि उन्होंने लगभग 10 गोलियों की आवाज सुनी। छात्र आंद्रियास सुंडलिंग ने बताया कि उन्होंने तीन गोलियों की आवाज और जोरदार चीखें सुनीं। उन्होंने कहा, हम स्कूल से निकाले जाने का इंतजार कर रहे हैं। हमें बताया गया है कि हमें इंतजार करना है। बता दें कि, ओरेब्रो शहर की आबादी लगभग 1,55,000 है।

नस्लीय सद्भाव पर नया कानून पारित, इससे विदेशी हस्तक्षेप पर लगेगी लगाम

सिंगापुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव को मजबूत करने वाला एक नया कानून पारित किया गया है। इस कानून का उद्देश्य देश में नस्लीय सद्भाव को बढ़ावा देना और साथ ही विदेशी हस्तक्षेप पर लगाम लगाना है। यह कानून सिंगापुर की संसद में एकमत से पारित हो गया। सिंगापुर में 300 समूह और व्यापारिक संघों को नस्ल आधारित इकाई घोषित किया गया है और इन्हें विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद का खुलासा करना होगा।

यह कानून मंगलवार को पारित किया गया। सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री के षणमुगम ने कहा कि सिंगापुर में पहले से ही नस्लीय सद्भाव को खतरे में डालने वाले आचरण से निपटने के कानून हैं, लेकिन नया कानून इन कानूनों को एक जगह पर लाता है। नए कानून में सामुदायिक सुधारात्मक पहल की भी शुरुआत की गई है, जो कम गंभीर नस्लीय अपराधों में आरोपियों को अभियोजन के बदले एक मौका देता है। हालांकि इससे सिंगापुर में मुक्त भाषण पर थोड़ी लगाम लगेगी। षणमुगम ने कहा, 'हमने हमेशा सिंगापुर में नस्लीय सद्भाव को अहम आधार माना है, और इसलिए, इस विधेयक को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।'

सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगी दक्षिणपंथी पार्टी

> पीएम बायरू ने बजट किया पारित

पेरिस, 5 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस की सरकार के खिलाफ नेशनल असेंबली में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का धुर दक्षिणपंथी नेता ले पेन की पार्टी नेशनल रैली समर्थन नहीं करेगी। इससे साफ है कि फ्रांस के प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे और देश का 2025 का बजट पारित हो जाएगा। पार्टी ने कहा कि हम अस्थिरता लाभ नहीं उठाएंगे। उधर, प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू ने सोमवार को 2025 के बजट को सांसदों के वोट के बिना ही स्वीकृत कराया।

दक्षिणपंथी नेशनल रैली के अध्यक्ष जॉर्डन बार्डेला ने कहा कि मौजूदा दौर में फ्रांसीसी अस्थिरता के नए दौर का लाभ नहीं उठाएंगे। वहीं वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन पहले ही कह चुका है कि वह अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा क्योंकि यह फ्रांस को बजट देने का समय है। दरअसल, फ्रांस के नए प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू की सरकार के खिलाफ नेशनल असेंबली में कट्टर वामपंथी दल अविश्वास प्रस्ताव लाया है। इस प्रस्ताव को पारित कराने के लिए 577 सांसदों में से कम से कम आधे वोटों की जरूरत होगी। माना जा रहा है कि कट्टर वामपंथी सांसद प्रस्ताव के समर्थन में मतदान कर सकते हैं, लेकिन उनके पास मध्यमार्गी गठबंधन की सरकार को गिराने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है।

प्रधानमंत्री ने सांसदों के वोट के बिना ही स्वीकृत कराया बजट

फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू ने सोमवार को 2025 के बजट को सांसदों के वोट के बिना ही स्वीकृत कराया। इसके लिए उन्होंने विशेष सांविधानिक शक्तियों का इस्तेमाल किया। फ्रांस के संविधान के तहत अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने पर बजट को स्वतः ही स्वीकृत माना जाएगा। पिछले साल दिसंबर में बजट विवाद के बाद ही दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसके चलते उनको तीन महीने बाद ही प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

नए प्रधानमंत्री ने गठबंधन के दलों से की बात

पीएम फ्रांस्वा बायरू ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाए रखने के लिए, गठबंधन के दलों से कई बार बात की है। उन्होंने सार्वजनिक अस्पतालों के लिए अधिक धन उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की और राष्ट्रीय शिक्षा में 4,000 नौकरियों में कटौती नहीं करने का वादा किया। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वे सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 64 करने को लेकर बातचीत करने के लिए तैयार हैं। फ्रांस में जुलाई में हुए आम चुनाव में 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट (एनएफपी) गठबंधन के पास सबसे ज्यादा 190 सीटें थीं। मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन के पास लगभग 160 सीटें और दक्षिणपंथी नेता ले पेन की नेशनल रैली के पास 140 सीटें थीं।

'फलस्तीन बनने तक इस्राइल से नहीं रखेंगे कोई संबंध', सऊदी अरब ने ट्रंप को दिया झटका

रियाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब ने डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइल को झटका देते हुए कहा है कि जब तक फलस्तीन देश नहीं बन जाता है, तब तक इस्राइल के साथ कोई कूटनीतिक संबंध नहीं बनाएंगे। सऊदी अरब ने कहा कि वे फलस्तीन की अलग देश के रूप में मांग से पीछे नहीं हटेंगे। सऊदी अरब का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब मंगलवार को ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे चाहते हैं कि अमेरिका, गाजा पर नियंत्रण रखे और गाजा से विस्थापित लोगों को गाजा के बाहर बसाया जाए।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी किया। सोशल मीडिया पर साझा इस बयान में कहा गया है कि सऊदी अरब का विदेश मंत्रालय यह स्पष्ट करता है कि फलस्तीन देश बनाने को लेकर हमारा विचार दृढ़ है और ये बदलने वाला नहीं है। युवराज और

प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने 18 सितंबर 2024 को शूरा काउंसिल के पहले सत्र में भी स्पष्ट और दृढ़ तौर पर फलस्तीन को अलग देश बनाने का समर्थन किया था।

युवराज ने जोर देकर कहा था कि वह फलस्तीन को अलग देश बनाने का समर्थन जारी रखेंगे और पूर्वी यरूशलम उसकी राजधानी होनी चाहिए, जब तक ये नहीं होता है, तब तक इस्राइल के साथ कोई कूटनीतिक संबंध स्थापित नहीं किए जाएंगे। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि 'सऊदी अरब, फलस्तीन के लोगों के अधिकारों को किसी भी तरह से खारिज करने का विरोध करता है, फिर चाहे वो पुनर्वास संबंधी नीतियां हों, जमीन पर कब्जा हो या फिर फलस्तीन के लोगों को उनकी जमीन से विस्थापित करने की कोशिश के जरिए हो।

सऊदी अरब फलस्तीन के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगा।' सऊदी अरब का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब मंगलवार को ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्हाइट हाउस में एक संयुक्त प्रेसवार्ता के दौरान कहा था कि वे चाहते हैं कि गाजा पर अमेरिका का स्वामित्व रहे और गाजा में पुनर्निर्माण का काम अमेरिका करे।

हाईकोर्ट ने पूछा- पंचायतों में कैसे लगाए प्रशासक

भजनलाल सरकार ने जवाब के लिए 2 सप्ताह की मांगी मोहलत

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ग्राम पंचायतों में पूर्व निर्वाचित सरपंचों को ही प्रशासक लगाने के मामले में हाईकोर्ट से जवाब देने के लिए राज्य सरकार ने दो सप्ताह की मोहलत मांगी है। हाईकोर्ट ने पूछा है कि ये प्रशासक किस प्रावधान के तहत लगाए गए हैं। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद के यह कहने पर कि जवाब तैयार है, कोर्ट ने सुनवाई टाल दी।

मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव व न्यायाधीश उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने गिरिराज सिंह व अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई की थी। प्रार्थी पक्ष की ओर से अधिवक्ता प्रेमचंद देवन्दा ने कोर्ट को बताया कि पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल पांच साल से एक दिन भी ज्यादा नहीं हो सकता।

सरकार ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि प्रशासकों का कार्यकाल कब तक होगा और चुनाव कब तक करा दिए जाएंगे। उन्होंने पूर्व निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्राइवेट व्यक्ति बताते हुए कहा कि इन्हें वित्तीय अधिकार भी दे दिए गए हैं।

विधानसभा में हंगामे पर गृह राज्य मंत्री ने उठाए सवाल

कहा- अपनी दिशा से भटक गया है विपक्ष

टोंक, 5 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। देवनारायण जयंती के अवसर पर टोंक दौरे पर पहुंचे मंत्री बेढम का भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को भगवान देवनारायण जयंती की शुभकामनाएं दीं और विधानसभा में विपक्ष के रवैये पर बड़ा पलटवार किया।

मंत्री बेढम ने कहा कि विपक्ष अपनी दिशा भटक गया है। उन्होंने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक गोविंद सिंह डोटासरा के बयानों को आधारहीन बताते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को तो बोलने तक नहीं दिया जाता। विपक्ष का मतलब होता है

कि अगर सरकार विकासोन्मुखी हो तो उसका सहयोग करें, लेकिन कांग्रेस के नेता विधानसभा में तथ्यहीन बयान देकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। इससे विपक्ष की भूमिका पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

प्रदेश में पेपर लीक माफियाओं, बजरी माफिया और जल जीवन मिशन घोटाले पर कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों पर मंत्री बेढम ने जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चला रही है। डोटासरा बड़ी मछलियों की गिरफ्तारी की बात कर रहे हैं, तो उनकी यह इच्छा भी जल्द ही पूरी होगी। हमारी पुलिस मुस्तैदी से काम कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्री बेढम ने राजस्थान के विकास को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य विकास की दृष्टि से नंबर वन बनने जा रहा है। उन्होंने विपक्ष को सकारात्मक भूमिका निभाने की सलाह दी और कहा कि जनता ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया है। हाल ही में हुए उपचुनावों में भाजपा को जनता का भारी समर्थन मिला, जिससे साफ हो गया है कि आगामी चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा।

विधानसभा से वरिष्ठ भाजपा नेता किरोड़ीलाल मीणा की अनुपस्थिति को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री बेढम ने कहा कि हर विधायक को परिस्थितियों के हिसाब से सदन से छुट्टी लेने का अधिकार है।

प्रयागराज में हुए धार्मिक आयोजन के दौरान भगदड़ में हुई मौतों पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री बेढम ने कहा कि मैं मृतकों को श्रद्धांजलि देता हूं और इसके साथ ही उत्तरप्रदेश सरकार का भी धन्यवाद करता हूं कि इतने विशाल आयोजन को उन्होंने व्यवस्थित रूप से संभाल लिया।

मंत्री बेढम के इस बयान से साफ है कि सरकार विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और आने वाले समय में भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी टकराव और तेज होने वाला है।

आसाराम के बाद अब उसके सेवादारों पर भी छेड़छाड़ का आरोप, दर्ज हुआ लज्जा भंग करने का मामला

जोधपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम के जोधपुर आश्रम के सेवादारों पर भी यौन शोषण के आरोप लग गए हैं। आसाराम के जोधपुर आश्रम में कुछ महिलाओं ने सेवादारों पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए एफआईआर भी करवा दी है।

बता दें कि मध्यप्रदेश की कुछ महिलाएं जोधपुर आश्रम में सत्संग सुनने आई थीं। इनका आरोप है कि आश्रम के चार सेवादारों ने अलग कमरे में ले जाकर उनके साथ छेड़छाड़ की। इसमें आसाराम का लीगल टीम संभालने वाला पंकज उर्फ अर्जुन और स्वास्थ्य टीम के प्रमुख डॉ. सचित भोला शामिल है। इसमें चेतनराम साहू और जीवननाम के शख्स को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि, यह घटना 21 जुलाई 2024 की बताई जा रही है।

महिला का आरोप?

महिला का आरोप है कि जेल से

ही आसाराम का ऑनलाइन सत्संग चलता था। सत्संग सुनने गई महिलाओं के साथ वहां छेड़छाड़ की गई। आरोप यह भी है कि इसके बाद मामले को दर्ज कराने के लिए महिलाएं पुलिस के पास गईं, लेकिन केस दर्ज नहीं किया गया। पुलिस कमिश्नर से भी इसकी शिकायत की गई, लेकिन इसके बाद भी मामला दर्ज नहीं किया गया। अब इस्तगासे के जरिए पीड़ित महिला ने रिपोर्ट डाली तो पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

आश्रम में सत्संग सुनने गई थी महिला

इस्तगासे के माध्यम से कमिश्नरेट के बोरानाडा थाने में दर्ज हुए इस प्रकरण में मध्यप्रदेश की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि वह आसाराम के आश्रम पाल रोड जोधपुर में आती रहती है और ऑनलाइन सत्संग सुनती है। उस दिन परिवादी के साथ छह बहनें और साधक भी सत्संग सुन रहे थे। बात 21 जुलाई 2024 की है, जब हम सभी साधक भाई बहनें गुरु पूर्णिमा मनाने आश्रम पाल रोड जोधपुर गए थे। सत्संग ऑनलाइन लाइव आ रहा था।

महिलाओं ने बताया कि सत्संग सुनने के दौरान हमने सेवादारों से पूछा कि केस अच्छे से लड़ रहे हो या नहीं। इस पर सेवादारों ने कहा कि आप हमें मत पूछो आश्रम मैनेजमेंट के मुखिया और लीगल टीम के मुखिया पंकज मीरचंदानी उर्फ अर्जुन से पूछो कि केस के बारे में क्या चल रहा है। हमने पंकज से मिलवाने को कहा है तो साधकों ने कहा कि चलो ऊपर तुम्हें मिलवाता हूं।

पीड़ित महिला ने बताया कि उसके साथ छह बहनें भी आश्रम के ऊपर गई तो वहां पर पंकज मीरचंदानी, चेतन, जीवन और बाकी अन्य लोग भी थे। ऊपर जाते ही इन लोगों ने पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगे। महिलाओं ने बाकी सेवादारों को यह बात बताई और कुछ सेवादार ऊपर आए, तब तक पंकज मीरचंदानी खिड़की से भाग गया और फिर हम लोगों ने चेतन को पकड़ लिया था।

237 करोड़ के बिजली घोटाले में नया मोड़

5 आरोपी अफसरों में से 4 को ही थमाई चार्जशीट

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बिजली तंत्र सुधार के नाम पर 237 करोड़ रुपए के चर्चित घोटाले में पांच आरोपी अफसरों में से चार को ही चार्जशीट थमाई गई है। 5वें आरोपी तत्कालीन तकनीकी निदेशक और अभी अजमेर डिस्कॉम के एमडी को गवाह बनाने के नाम पर बचाने के प्रयास शुरू हो गए हैं।

सवाल यह भी उठ रहा है कि इस घोटाले से जुडे. दस्तावेज व जांच रिपोर्ट मौजूद होने के बावजूद आरोपी को ही गवाह बनाने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? चर्चा है कि बचाव के इन प्रयासों में ऊर्जा विभाग के आला अफसर जुटे हुए हैं।

इस घोटाले की जांच रिपोर्ट में सामने आया था कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के वक्त डिस्कॉम के अफसरों और अनुबंधित कंपनी की मिलीभगत से जीएसएस (ग्रिड सब स्टेशन) निर्माण के नाम पर सरकारी खजाने को चपत लगाई गई।

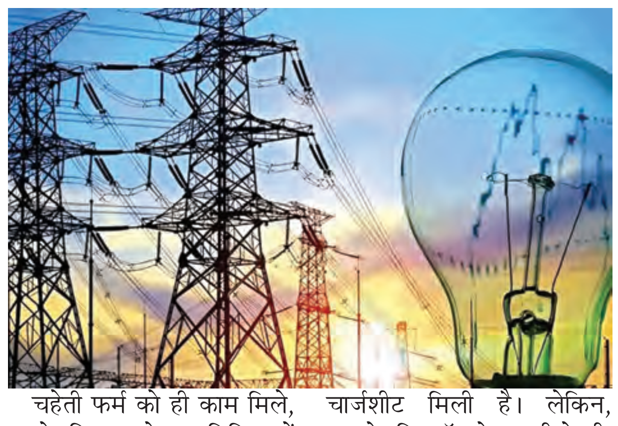

चहेती फर्म को ही काम मिले, इसके लिए न केवल निविदा में विशेष शर्त जोड़ी गई, बल्कि फर्म को 246 प्रतिशत अधिक रेट पर काम सौंप दिया गया।

गौरतलब है कि राजस्थान पत्रिका ने इस घोटाले का खुलासा किया, जिसके बाद डिस्कॉम प्रबंधन ने एक्शन की शुरुआत की।

इन्हें थमाई चार्जशीट

पूर्व एमडी आरएन कुमावत, वित्त निदेशक एसएन माथुर, मुख्य अभियंता आरके मीणा, मुख्य अभियंता अनिल गुप्ता को चार्जशीट मिली है। लेकिन, अजमेर डिस्कॉम के एमडी के.पी. वर्मा को चार्जशीट नहीं मिली है।

विधानसभा में लगा प्रश्न

भाजपा विधायक संदीप शर्मा ने भी इस घोटाले के मामले में विधानसभा में प्रश्न लगाया है। इस कारण भी डिस्कॉम प्रबंधन ने चार्जशीट देने की प्रक्रिया तेज कर दी। डिस्कॉम इसका जवाब तैयार कर रहा है।

जिम्मेदारों से सवाल

1. एक फरवरी, 2024 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी और 8 जुलाई, 2024 को जांच कमेटी ने रिपोर्ट सौंप थी। उसी समय काम क्यों नहीं रोका गया? फर्म आर.सी. एंटरप्राइजेज को केवल निर्धारित अवधि में काम पूरा नहीं करने से जुड़ा नोटिस क्यों दिया गया? ज्यादा दर पर किए गए काम के भुगतान का जिमेदार कौन है?

2. मामला कोर्ट में जरूर है, लेकिन कोर्ट ने नोटिस जारी नहीं करने से जुड़े कोई निर्देश नहीं दिए।

3. कुछ आरोपी अफसरों ने कार्यादेश जारी करने के लिए दबाव में हस्ताक्षर करने का तर्क देकर बचने की कोशिश की है।

मंत्री ने बताया-तत्कालीन निदेशक को क्यों नहीं दी चार्जशीट?

मामला एसीबी को भेज दिया है। वहां से कार्रवाई होनी है, इसलिए अब ज्यादा कुछ नहीं बता सकते हैं। मुझे जानकारी दी गई है कि अजमेर डिस्कॉम के एमडी के.पी. वर्मा गवाह बने हैं, इसलिए चार्जशीट नहीं दी है।

ओरण भूमि कब्जे को लेकर सदन में हंगामा

मंत्री ने खातेदारों में पूर्व विधायक और पत्नी का लिया नाम

जयपुर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को गैर मुमकिन ओरण भूमि आवंटन को लेकर जोरदार हंगामा हो गया। बीजेपी विधायक केसा राम चौधरी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए कहा कि तहसील मारवाड़ जंक्शन में 240 बीघा जमीन अवैध तरीके से खुर्दबुर्द की गई है।

जिस व्यक्ति के पास पहले से ही 1088 बीघा जमीन है, उसे घोड़े चराने के नाम पर किस तरह से यह ओरण की जमीन दे दी गई। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या सरकार बिना नियम बिना आवंटन सिर्फ पटवारी के नोट पर खुर्दबुर्द की गई इस जमीन को वापस लेगी।

इस पर मंत्री हेमंत मीणा ने अपने जवाब में पटवारी का नोट पढ़ते हुए कहा कि यह भूमि पूर्व में राजस्व रिकॉर्ड में गैर मुमकिन ओरण में दर्ज थी। इसके बाद 2021 में यह भूमि केसरी सिंह के रिकॉर्ड में घोड़े चराने के लिए दर्ज कर दी गई। मंत्री ने कहा कि पटवारी के रिकॉर्ड में कहीं पर भी आवंटन नियम का जिक्र नहीं किया गया।

मंत्री जब जवाब पढ़ रहे थे तो नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उन्हें बीच में टोकते हुए कहा कि यह सारे जवाब में लिखित में आ चुके हैं, फिर इन्हें पढ़ना जरूरी है क्या? इस पर मंत्री बोले कि 240 बीघा गैर मुमकिन औरण भूमि किसी के नाम पर दर्ज हो गई यह कोई मामूली बात नहीं है पढ़ना पड़ेगा।

इसी बीच विधायक केसा राम चौधरी ने एक खातेदार के दो अलग-अलग मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति सदन को दिखाई। इस पर बीजेपी विधायकों ने हंगामा कर दिया। बीजेपी विधायक ने चिल्लाते हुए कहा कि कांग्रेस वाले ओरण की जमीन खा गए। इसके बाद राजस्व मंत्री ने कहा कि मामले की जांच कलेक्टर से करवा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि ओरण की भूमि बिना किसी आदेश के दिया जाना बहुत ही गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि अभी हमारे मंत्री ने कहा है कि यदि कांग्रेस विधायक चाहें तो अभी हम सदन में नाम भी बता देंगे। इनमें यहां के सदस्य रहे पूर्व विधायक, कांग्रेस के प्रत्याशी और कांग्रेस के नेता के नाम हैं। इस पर सदन में जबरदस्त हंगामा हो गया। जोगाराम बोले हम इसकी पूरी जांच करेंगे। इसके बाद मंत्री ने खातेदारों के नाम सदन में पढ़े। इनमें पहले नंबर अमृतलाल पुत्र चंबालाल माली, दूसरे खातेदार के रूप में बृजराज सिंह पुत्र खुशवीर सिंह जोझावर, तीसरे नंबर पर खुशवीर सिंह जोझावर पुत्र जालसिंह और उनके बाद इंदू कुमारी पत्नी सुखवीर सिंह जोझावर का नाम लिया।

सगाई के दिन भीषण एक्सीडेंट में 3 की मौत

एक बच्चे समेत 2 गंभीर घायल, जेसीबी से हटाई कारें

बारां, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बारां के मांगरोल थाना क्षेत्र में बमोरीकलां मार्ग पर महू बालाजी धाम से पहले दो कारों में आमने-सामने की भिडंत हो गयी। घटना में दो जनों की मौके पर और एक की बारां अस्पताल में मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बमोरीकलां का परिवार सीसवाली से सगाई पहराकर कार से लौट रहा था। बालाजी धाम के पहले खातौली से आ रही कार से इनकी कार भिड़ गयी। खातौली से आ रही कार का एयरबैग खुलने से उसमें सवार लोग बच गये। वहीं कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी।

दूसरी कार में बमोरीकलां लौट रहे एक ही परिवार के दो भाई देवलाल धाकड़ व बद्रीलाल धाकड़ निवासी बमोरीकलां की मौके पर ही मौत हो गई। इन्हें उपजिला चिकित्सालय लाया गया। कार में सवार जीवनलाल धाकड़ (50), विष्णु धाकड़ (4), पराग धाकड़ (5) निवासी बमोरीकलां गंभीर घायल हो गए। इनको बारां भेजा गया है।

जेसीबी की सहायता से वाहन हटाए गए। घटना के बाद उप जिला चिकित्सालय व मौके पर खासी भीड़ एकत्र हो गयी। रात हो जाने के कारण मृतकों के शव मोर्चरी में रखवाए गए। इनका पोस्टमार्टम बुधवार को होगा।

एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का डोडा चूरा जब्त

नारकोटिक्स विभाग ने तस्करी के खिलाफ उठाए कठोर कदम

चित्तौड़गढ़, 5 फरवरी (एजेंसियां)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) चित्तौड़गढ़ की टीम को मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। चितौड़गढ़ की टीम ने 931 किलो 800 ग्राम डोडा चूरा पकड़ा है। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले में नारकोटिक्स चित्तौड़गढ़ का अनुसंधान जारी है। सूत्रों की मानें तो पकड़े गए मादक पदार्थ का अनुमानित मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक है।

प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) राजस्थान ने डोडा चूरा की एक बड़ी खेप पकड़ी है। उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा नरेश बुंदेल के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई और इसमें जोधपुर पुलिस का भी सहयोग लिया गया।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ यूनिट को गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर अधीक्षक (निवारक) ने अपनी टीम को जोधपुर रवाना किया। जोधपुर पुलिस के डीसीपी (पश्चिम) राजर्षि राज वर्मा और उनकी टीम के विशेष सहयोग से 47 बोरो में भरा 931.800 किलोग्राम डोडा चूरा मामाजी महाराज के थान (मंदिर) से जब्त किया गया।

यह कार्रवाई थाना भगत की कोठी व थाना लूनी, जिला जोधपुर के संयुक्त बल की ओर से लूनी-उनियारा रोड पर स्थित गांव फिंच में आज की गई। जब्त मादक पदार्थ को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8/15 के तहत जब्त कर लिया गया। इस संबंध में प्रकरण संख्या 03/2025 दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में संलिप्त आरोपियों की पहचान और नेटवर्क की विस्तृत जांच की जा रही है।

निवारक एवं आसूचना प्रकोष्ठ चित्तौड़गढ़ के अधीक्षक डीके सिंह ने बताया कि सीबीएन व पुलिस प्रशासन अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रखेगा ताकि राज्य में नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जा सके।

प्रयागराज महाकुंभ से आ रही श्रद्धालुओं की बस पलटी

2 महिलाओं की मौत; एक दर्जन से अधिक यात्री घायल

दौसा, 5 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार अलसुबह एक भीषण हादसा हो गया। इसमें करीबन 15 लोग घायल हो गए। वहीं दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार घायलों में अधिकांश महिलाएं है। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए दौसा जिला अस्पताल रेफर किया है। हादसा जिले के बालाहेड़ी थाना क्षेत्र स्थित पीपलखेड़ा गांव में करीब साढ़े चार बजे हुआ।

थाना प्रभारी भगवान सहाय के अनुसार बड़ी संख्या में श्रद्धालु तीन बसों में सवार होकर प्रयागराज महाकुंभ स्नान कर लौट रहे थे। नेशनल हाईवे 21 पर स्थित पीपलखेड़ा गांव समीप बस के आगे अचानक सांड आ गया। अनियंत्रित बस लहराते हुए डिवाइडर पर चढ़कर हाईवे पर पलट गई।

हादसे के वक्त बस में लोग सो रहे थे। अचानक बस पलटने से चीख-पुकार मच गई। सहायता के लिए आवाजें सुनकर हाईवे के पास घरों में रहने वाले लोग घटनास्थल की तरफ पहुंचे। बस में फंसे लोगों

को बाहर निकालने में सहयोग किया और बालाहेड़ी पुलिस को बुलाया।

वहीं हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। इस दौरान सूचना मिलते ही बालाहेड़ी थाना पुलिस कुछ समय बाद ही घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को महुआ अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल महिला और पुरुष दर्द से कराहते हुए दिखे। एएसआई सियाराम ने बताया कि हादसे के बाद तुरंत अस्पताल में पहुंचकर घायलों का इलाज शुरू करवाया।

कपड़े की पोटली में 500-500 के नोट दिखाकर रुपये डबल करने का झांसा, फिर ठगे 46 हजार

अलवर, 5 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर के कोतवाली थाना क्षेत्र में रुपए डबल करने का झांसा देकर 46 हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित सुबेसिंह पुत्र हरबंस निवासी विजय मंदिर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि ट्रैक्टर की किस्त भरने के लिए वह 3 फरवरी को बैंक से रुपए निकालने के लिए अलवर आया था। इस दौरान दोपहर करीब एक बजे रघु मार्ग स्थित सचिन टावर में बैंक ऑफ इंडिया की

शाखा से 46 हजार रुपए निकलवाने के बाद बैंक के अंदर खड़ा होकर रुपए गिन रहा था।

कपड़े की पोटली में 500-500 के नोट दिखाए

तभी दो व्यक्ति आकर उससे बातचीत करने लगे और उसे बातों में उलझाकर बैंक से नीचे ले आए। उन्होंने कहा कि वे 46 हजार रुपए का डबल रुपया कर उसे देंगे। उनके पास जादू का कारनामा है। वह उनकी बातों में आ गया और रुपए दे दिए। उन्होंने कपड़े की पोटली में 500-500 के नोट दिखाए और कपड़े की एक पोटली बांधकर दे दी। थोड़ी देर बाद जब उसने कपड़े की पोटली खोली तो उसमें रुपयों की जगह कागज भरे हुए थे।

लूट के पांच आरोपी गिरफ्तार चाकू व एक्टिवा बरामद

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मीरचौक पुलिस ने लूट के मामलें में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक चाकू, एक एक्टिवा वाहन और नकदी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद शहर स्नेहा मेहरा ने बताया कि बीते एक फरवरी को दबीरपुरा , हैदराबाद के निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उससे 19 जनवरी को गुरवाना गली, चारमीनार, हैदराबाद में चाकू की नोंक पर 5 व्यक्तियों द्वारा 40 हजार रुपए की लूट की गई। शिकायत प्राप्त होने पर, मीरचौक पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, आरोपियों को गिरफ्तार किया और वाहन, छोटे ब्लेड वाला चाकू और सेल फोन बरामद किए।

पुलिस ने इस मामले में सैयद फहद अली, निवासी शमा टॉकीज के पास, जहनुमा, फलकनुमा, हैदराबाद, मोहम्मद तौहीद उद्दीन, निवासी जहनुमा, फलकनुमा, हैदराबाद, सैयद रूमान उल्लाह हुसैनी निवासी मोगलपुरा, ओवैसी स्कूल, हैदराबाद, मोहम्मद अब्दुल रऊफ, निवासी सैदाबाद कॉलोनी, लोकटिया पार्क के पास, हैदराबाद, मोहम्मद शोएब खान निवासी , मोगलपुरा, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक एक्टिवा, एक चाकू और नकद 18500 रुपए आदि बरामद किया है।

स्नेहा मेहरा, पुलिस उप आयुक्त, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद, मोहम्मद मजीद, अतिरिक्त उप पुलिस आयुक्त, दक्षिण क्षेत्र, एनएसएसवी वेंकटेश्वर राव, एसीपी मीरचौक डिवीजन ने आरोपियों को पकड़ने और चोरी की गई संपत्ति को बरामद करने में एसएचओ मीरचौक और डीआई मीरचौक और एचसी श्रीनिवास राव, पीसी संतोष, पीसी अनिल, पीसी साई किरण के प्रयासों की सराहना की। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण क्षेत्र, हैदराबाद शहर स्नेहा मेहरा ने कहा कि पुलिस नागरिकों से आग्रह करती है कि वे साइबर धोखाधड़ी के बारे में ऑनलाइन एप्लिकेशन पेश करने वाले अजनबियों पर विश्वास न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन या 100 डायल पर दें।

एसबीआई स्टाफ यूनियन हैदराबाद सर्कल की आम बैठक आयोजित

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)स्टाफ यूनियन हैदराबाद सर्कल की हैदराबाद के नारसिंगी में आयोजित हुई। बैठक में् महासचिव राजगोपालन श्रीराम और अध्यक्ष चक्रवर्ती श्रीधर की विशेष उपस्थिति रही। इसमें एसबीआई के लगभग 6000 कर्मचारियों ने भाग लिया। महासचिव श्रीराम के सेवानिवृत्त होने के कारण नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया।

जिसमें चक्रवर्ती श्रीधर को नये अध्यक्ष तथा के. श्रीनिवास शांडिल्य को महासचिव के रुप में चयनित किया गया। विभिन्न मॉड्यूलों के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इसके चलते 3 फरवरी को, नई कार्यकारिणी ने सदस्यों के हर्षोल्लास के मध्य अपना-अपना कार्यभार संभाला।

आरटीसी बस में जन्मी बच्ची को आजीवन मुफ्त यात्रा

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) प्रबंधन ने गडवाल में बस में जन्मी बच्ची को आजीवन मुफ्त बस पास देने की घोषणा की है।

प्रशिक्षु निदेशक वीसी सज्जनार ने गर्भवती महिला की देखभाल करने के लिए बस के कर्मचारियों की सराहना करते हुए बुधवार को बस भवन में उन्हें सम्मानित किया।

इससे पहले प्रबंधन ने आरटीसी बसों और बस स्टेशनों में जन्म लेने वाले बच्चों को आजीवन मुफ्त बस पास देने का निर्णय लिया था।

2 जनवरी को गडवाल जाने वाली बस में सवार रायचूर की एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा हुई। बस कंडक्टर किशोर कुमार और ड्राइवर नरेंद्र गौड़ ने बस रोकी और तुरंत एंबुलेंस को बुलाया। मेडिकल स्टाफ और अन्य महिला यात्रियों की मदद से महिला ने बस में सुरक्षित रूप से एक बच्ची को जन्म दिया। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अन्य आरटीसी कर्मचारियों को उनकी सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया गया, जिनमें मनुगुरु बस डिपो के बस चालक कोटेश्वर राव शामिल हैं, जिन्होंने दिसंबर 2024 में बस में एक अन्य यात्री द्वारा चुराई गई एक महिला यात्री की सोने की चेन बरामद करने में मदद की।

जगतियाल बस डिपो की उप प्रबंधक सुनीता को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने बस कर्मचारियों की मदद से इस साल जनवरी में चलती बस में दिल का दौरा पड़ने वाले एक यात्री की जान बचाई थी।

अवैध व देसी शराब पर छापेमारी

सिरपुर कागजनगर/ आसिफाबाद,5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर आबकारी सीआई, वी. रवि ने कहा कि अवैध शराब के कब्जे की सूचना के आधार पर कागजनगर शहर में छापेमारी की गई और (45) ऑफिसर चॉइस 180 मिलीलीटर की बोतलें, (76) डीके व्हिस्की 180 मिलीलीटर की बोतलें, (31) रॉयल स्टैग व्हिस्की 180 मिलीलीटर की बोतलें जब्त करने के बाद, रतनम श्रीकांत, वोग दिवाकर, अंशुमान सिंह और येनम राजू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जिन्हें बाइक पर (200) देसीदार परिवहन करते पकड़ा गया। पता चला कि आबकारी एसएसआई पी. लोभानंद, आई. सुरेश और उनके कर्मचारी इन छापों में शामिल थे।

पुलिस ने शांति और कल्याण समिति के साथ बैठक की

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के दक्षिण क्षेत्र की पुलिस उपायुक्त स्नेहा मेहरा ने आगामी मेले और त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए एक समारोह हॉल में हैदराबाद शहर की दक्षिण क्षेत्र शांति और कल्याण समिति के साथ बातचीत की।

इस कार्यक्रम में दक्षिण क्षेत्र के अतिरिक्त डीसीपी मोहम्मद मजीद, एसीपी मीरचौक वेंकटेश्वर राव, एसीपी चारमीनार पी.चंद्र शेखर, एसीपी फलकनुमा एम.ए. जावेद, एसीपी छतरीनाका चौधरी चंद्रशेखर, दक्षिण क्षेत्र और केंद्रीय शांति समिति के निरीक्षक किशन शर्मा, मोहम्मद मूज और दक्षिण क्षेत्र शांति और कल्याण समिति के लगभग 105 सदस्यों ने भाग लिया।

इस बैठक के दौरान डीसीपी, साउथ जोन हैदराबाद सिटी ने सबसे पहले शांति समिति के सदस्यों के पिछले वर्षों के समन्वय और सहयोग की सराहना की और आगे भी शांति समिति के सदस्यों से दक्षिण क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए इसी तरह के सहयोग की मांग की और कैलेंडर जारी किया।

शांति समिति ने दक्षिण क्षेत्र में सार्वजनिक शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए आगामी मेलों और त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पूर्ण समर्थन और काम करने की इच्छा का आश्वासन दिया।

तूरूप बाजार स्थित श्री राजस्थानी विश्वकर्मा समाज बन्धुओं द्वारा सुभाष नगर में भव्य नवनिर्माणाधीन विश्वकर्माजी महाराज मंदिर को अतिशीघ्र पूर्ण कराने के लिए समाज बन्धुओं से सहयोग के लिए विचार-विमर्श करते हुए अध्यक्ष नेमीचन्द जांगिड़, बेगम बाजार विश्वकर्मा समाज अध्यक्ष जामताराम, मसराराम, दिलीप शर्मा, ओमप्रकाश, रामचन्द्र, घेवरराम, गौतम राम, कांतिलाल, मिश्राराम, पुखराज, प्रकाश, चेतनराम, शांतिलाल सुथार व समाज बन्धु।

देवासी समाज का सम्मान समारोह कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 5 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित श्री बाबा रामदेवरा दरबार में समस्त राईका, रेबारी एवं देवासी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में राष्ट्रीय पशुपालक संघ पदाधिकारी के हैदराबाद भाग्यनगर की धरा पधारने पर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक केवलराम देवासी ने बताया कि नगरागमन पर राष्ट्रीय पशुपालक संघ के पदाधिकारीयों अध्यक्ष लालजी राईका, संस्थापक उपाध्यक्ष झालाराम देवासी, भीखूसिंह राईका, कोषाध्यक्ष किशनराम देवासी का सम्मान समारोह गुरुवार 6 फरवरी सायं 7.15 बजे से आयोजित किया जाएगा। अवसर पर समाज के भविष्य,

चहुमुखी विकास एवं एकता पर विचार-विमर्श किया जाएगा। पधारे प्रवासी समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शमशाबाद शाखा अध्यक्ष केवलराम लुणी, मेड़चल शाखा अध्यक्ष महेन्द्र देवासी, बंडलागुडा शाखा अध्यक्ष निम्बाराम मादलिया, बेगम बाजार शाखा अध्यक्ष कालुराम देवासी, बालाजी नगर शाखा अध्यक्ष मांगीलाल देवासी, नाथुराम देवासी, जोराराम देवासी, जगदीश देवासी, प्रकाश देवासी, मोहन देवासी एवं समस्त राईका, रेबारी एवं देवासी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) के सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। समस्त देवासी समाज प्रवासी बन्धुओं से विशेष निवेदन है समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

एससीआर महाप्रबंधक ने अकोला-परली खंड का निरीक्षण किया

कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपे

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने नांदेड़ मंडल के अकोला-परली खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ नांदेड़ मंडल की मंडल रेल प्रबंधक सुश्री नीति सरकार और मुख्यालय तथा मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अरुण कुमार जैन ने अकोला रेलवे स्टेशन से निरीक्षण की शुरुआत की, जहां उन्होंने स्टेशन मास्टर के कमरे, फुट ओवर ब्रिज, रनिंग रूम की जांच की। उन्होंने अकोला रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया और स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और अपने ज्ञापन सौंपे। इसके बाद उन्होंने अकोला-वाशिम सेक्शन का रियर विंडो सेफ्टी निरीक्षण किया। उन्होंने अकोला और वाशिम के बीच लेवल क्रॉसिंग गेट का निरीक्षण किया और सेफ्टी नंबर एक्सचेंज रजिस्टर और आपातकालीन उपकरण आदि की जांच की। इसके बाद महाप्रबंधक वाशिम रेलवे स्टेशन पहुंचे और वहां सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन मास्टर कार्यालय और प्लेटफॉर्म, स्टेशन परिसर, क्रू लॉबी और सर्कुलेटिंग एरिया में उपलब्ध यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध फूड स्टॉल का भी निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थों की दरों और गुणवत्ता की समीक्षा की। हिंगोली जाते समय उन्होंने चंद्रभागा नदी पर बने प्रमुख स्टील गर्डर ब्रिज का निरीक्षण किया।

इसके बाद महाप्रबंधक ने हिंगोली रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया, उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और यात्री सुविधाओं, हॉल्ट के प्रावधान, नई ट्रेनों की शुरूआत आदि के बारे में ज्ञापन सौंपे। महाप्रबंधक ने मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की और उन्हें एससीआर द्वारा किए जा रहे विकास योजनाओं की जानकारी दी। महाप्रबंधक ने पूर्णा रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया, उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन मास्टर के कार्यालय, उपलब्ध यात्री सुविधाओं और स्टेशन परिसर, क्रू लॉबी का निरीक्षण किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूर्णा स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान, कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपे और उन्होंने चल रही परियोजनाओं के बारे में मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने परली रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन मास्टर के कार्यालय का भी निरीक्षण किया, स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और स्टेशन के विकास कार्यों की भी समीक्षा की।

साईनाथ एवं स्वरूप कुमार मनोनीत

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साईनाथ जायसवाल को अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और दक्षिण क्षेत्र प्रभारी मनोनीत किया गया। इसी तरह स्वरूप कुमार जायसवाल को महासभा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जायसवाल समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनके मनोनयन पर आशा व्यक्त की कि वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूर्ण निष्ठा से निभाएंगे।

पिछड़ी व अनुसूचित जातियों का लंबे समय से संजोया सपना हकीकत में बदला: टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा है कि पिछड़ी जातियों (बीसी) और अनुसूचित जातियों (एससी) की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाएं हाल ही में तेलंगाना में जाति जनगणना और एससी वर्गीकरण के माध्यम से पूरी हुई हैं। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और विभिन्न मंत्रियों को दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना स्वतंत्रता के बाद से पिछड़ी जातियों की जाति जनगणना कराने वाला एकमात्र राज्य है। बुधवार को गांधी भवन में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान गौड़ ने पिछड़ी जातियों के कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक आदी श्रीनिवास और बीरला इलैया और अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ कहा कि बिहार जैसे राज्यों में अभी तक जाति जनगणना लागू नहीं हुई है, जबकि तेलंगाना ने इस पहल को सफलतापूर्वक हकीकत बना दिया है। महेश कुमार गौड़ ने कहा, "यह बेहतर होगा कि विपक्षी दल जाति जनगणना सर्वेक्षण की आलोचना करने के बजाय सुझाव और सिफारिशें करें। जाति जनगणना सर्वेक्षण वैज्ञानिक तरीके से किया गया था और सर्वेक्षण से पता चला है कि 56 प्रतिशत से अधिक आबादी पिछड़ी जाति की है।" उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता जाति जनगणना पर पिछड़ी जाति संघों को गुमराह कर रहे हैं और पिछड़ी जाति के नेताओं से विपक्षी नेताओं के जाल में न फंसने का आग्रह किया।

के.बी.आर. पार्क में स्थित भगवान गणेश की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, माया अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, मल्लिका, गोपाल बलदवा, प्रवीण अग्रवाल, संतोष बाई अग्रवाल, विजया कुमार अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, विनोद तिकमनी, डॉ. राधा कृष्ण, विजय कुमार तुंबी, विट्ठल दास अग्रवाल, महेश कुमार डाकोतिया, अशोक सरायवाला, अजय अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला आदि।

हमारा जाति-आधारित सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण सबसे वैज्ञानिक और सटीक : उत्तम

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित जाति-आधारित सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण स्वतंत्रता के बाद से सबसे वैज्ञानिक, पारदर्शी और सटीक जनसंख्या अध्ययन था। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के बाद यह पहला क्षेत्र-आधारित जाति सर्वेक्षण था, जिससे विपक्षी दलों द्वारा उद्धृत सभी आंकड़े झूठे और काल्पनिक साबित हुए। योजना विभाग के प्रमुख सचिव (योजना) संदीप कुमार सुल्तानिया, राज्य नोडल अधिकारी और हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी द्वारा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में भाग लेने से पहले बुधवार को विधानसभा समिति हॉल में मीडिया को संबोधित करते हुए, मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार ने डेटा संग्रह में उच्चतम स्तर की सटीकता सुनिश्चित की है। जाति सर्वेक्षण के लिए कैबिनेट उप-समिति का नेतृत्व करने वाले उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अतीत में कोई भी प्रामाणिक जाति-आधारित डेटा संकलित नहीं किया गया था, खासकर पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए। पिछले अध्ययनों के विपरीत, जो अधूरे या अनौपचारिक थे, यह पहला वैध और विस्तृत जाति सर्वेक्षण था।

निष्कर्ष विभिन्न समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों का आकलन करके कल्याणकारी नीतियों को आकार देने में मदद करेंगे। उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि पहले भी इसी तरह के सर्वेक्षण किए गए थे, उन्होंने बताया कि गहन घरेलू सर्वेक्षण (आईएचएस) 2014 को पिछली बीआरएस सरकार ने कभी सार्वजनिक नहीं किया था और यहां तक कि केसीआर सरकार ने भी इसे आधिकारिक डेटा के रूप में समर्थन नहीं दिया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा किया गया सर्वेक्षण जाति जनसांख्यिकी को सटीक रूप से दर्ज करने का एकमात्र वास्तविक प्रयास था और कोई भी इसकी प्रामाणिकता को चुनौती नहीं दे सकता। बाद में, स्पीकर गददम प्रसाद कुमार, परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और उत्तम कुमार रेड्डी, मुख्य सचेतक आदी श्रीनिवास, सांसद डॉ मल्लू रवि, एमएलसी और विधायकों के साथ, सर्वेक्षण के लिए अपनाई गई पद्धति और प्रक्रिया पर पीपीटी प्रस्तुति में शामिल हुए। जब डेटा संग्रह पूरा हो गया, तो उन्नत सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (सीजीजी) द्वारा प्रसंस्करण और विश्लेषण किया गया। कुल 76,000 डेटा एंट्री ऑपरेटरों को 36 दिनों के भीतर प्रतिक्रियाओं को डिजिटाइज़ करने के लिए भर्ती किया गया था, जो राज्यव्यापी सांख्यिकी, ग्रामीण और शहरी जनसांख्यिकी और जाति-वार जनसंख्या के आंकड़ों को कवर करने वाले चार खंडों में डेटा को वर्गीकृत करने से पहले सटीकता सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित त्रुटि पहचान तंत्र का उपयोग कर रहे थे। सर्वेक्षण में "कोई जाति नहीं" और "कोई धर्म नहीं" श्रेणियां भी पेश की गईं, उन्होंने कहा कि दुष्प्रचार और मनगढ़ंत आंकड़ों के अलावा विपक्ष के पास इस प्रामाणिक डेटासेट का मुकाबला करने के लिए कुछ भी ठोस नहीं है।परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी और डॉ. मल्लू रवि ने कहा, "अब सर्वेक्षण पूरा हो जाने के बाद, तेलंगाना सरकार का लक्ष्य प्रभावी नीति निर्माण के लिए इस डेटा का उपयोग करना है। यह सर्वेक्षण डेटा-संचालित शासन में एक ऐतिहासिक पहल है, जो सभी समुदायों के लिए समान विकास और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

पीएम योजना के तहत शुरू किए गए कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाएः- दीपक तिवारी

कुमरमभीम आसिफाबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि जिले में प्रधानमंत्री श्री योजना के तहत चयनित आदर्श विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों, जिला परिषद हाईस्कूलों और आश्रम विद्यालयों में किए गए कार्य अगले शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत तक पूरे किए जाने चाहिए। बुधवार को जिला केन्द्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रट भवन के सभाकक्ष में प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी ई. गम्मानियाल ने स्कूल प्रधानाचार्यों, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विशेष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि जिले के चयनित विद्यालयों में स्थायी आधारभूत संरचना, पेयजल, शौचालय, बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण, चारदीवारी निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए तथा आगामी शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ तक प्रस्ताव तैयार कर उपयोग में लाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार विद्यार्थियों को पूर्ण सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए सभी कदम उठाएगी तथा इस संबंध में अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए जिले में स्वीकृत विद्यालयों के विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करवाएं।

यौन शोषण करने के आरोप में 25 साल की सजा

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को एक व्यक्ति को नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने के आरोप में दोषी करार देते हुए 25 साल कैद की सजा सुनाई। बशरथनगर निवासी मोहम्मद फरीद (45) ने वर्ष 2020 में एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया था। पीड़िता द्वारा यौन शोषण की जानकारी अपने एक रिश्तेदार को देने के बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और फरीद के खिलाफ पोक्सो का मामला दर्ज किया गया। उसे गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने उसे दोषी पाया और उसे 25 साल जेल की सजा सुनाई और उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'यह लोकतांत्रिक प्रणाली ...

तमिलनाडु सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पेश हुए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि कानून के अमुताबिक जब राज्य की विधानसभा कोई विधेयक पारित करती है, तो राज्यपाल उसे दोबारा विचार करने के लिए भेज सकते हैं।

लेकिन अगर वही विधेयक फिर से विधानसभा से पारित होकर राज्यपाल को भेजा जाता है, तो राज्यपाल के पास मंजूरी देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। यह हमारे सांविधानिक ढांचे में तय प्रक्रिया है। अगर वे फिर भी मंजूरी नहीं देते हैं या असहमति जताते हैं, तो यह हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विफलता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान में स्पष्ट प्रावधान हैं कि राज्य पाल दूसरी बार विधेयक पर मंजूरी देने के लिए बाध्य होते हैं। वहीं, तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने भी यही दलील दी कि विधेयकों को राष्ट्रपति को भेजने का विकल्प पहली बार में ही किया जाना था और बाद में ऐसा नहीं किया जा सकता।

तिरुपति मंदिर में ...

इतना ही नहीं इसमें आगे कहा गया है कि टीटीडी के सभी कर्मचारी सदियों से चली आ रही परंपराओं और मूल्यों को कायम रखते हुए मंदिर की पवित्रता बनाए रखने और भक्तों की मान्यताओं और भावनाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'भारतीयों के हाथ ...

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मुझे याद है कि दिसंबर 2013 में अमेरिका में एक भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागड़े को हथकड़ी लगाई गई थी और कपड़े उतारकर तलाशी ली गई थी। विदेश सचिव सुजाता सिंह ने अमेरिकी राजदूत नैन्सी पॉवेल के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था'।

'यूपीए सरकार ने इस पर तीखा जवाब दिया। मीरा कुमार, सुशील कुमार शिंदे और राहुल गांधी जैसे नेताओं ने उस समय भारत आए अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल (जॉर्ज होल्डिंग, पीट ओल्सन, डेविड श्वेइकर्ट, रॉब वुडल और मेडेलीन बोर्डालो) से मिलने से इनकार कर दिया'।

कांग्रेस नेता ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अमेरिकी कार्रवाई को 'निंदनीय' बताया था। उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिकी दूतावास को दिए जाने वाले कई भत्ते वापस ले लिए, जिसमें दूतावास के कर्मचारियों की तरफ से रियायती दरों पर खाद्य और शराब का आयात शामिल है। पवन खेड़ा ने कहा कि आयकर विभाग ने अमेरिकी दूतावास के स्कूल की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, 'जॉन केरी ने देवयानी खोबरागड़े के साथ किए गए व्यवहार पर खेद व्यक्त किया। अमेरिकी प्रशासन ने विदेश सचिव सुजाता सिंह को फोन करके अमेरिका की ओर से खेद व्यक्त किया।' बता दें कि, 1999 बैच की आईएफएस अधिकारी खोबरागड़े को वीजा धोखाधड़ी के आरोप में न्यूयॉर्क में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद दोनों देशों के बीच विवाद शुरू हो गया था और भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी राजनयिकों की कुछ श्रेणियों के विशेषाधिकारों को कम करने के अलावा अन्य कदम उठाए थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई ने मांग लिया रोहित शर्मा से जवाब

क्या चैंपियंस ट्रॉफी के बाद संन्यास ले लेंगे भारतीय कप्तान?

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म ने बीसीसीआई को भी बड़ी टेंशन दे दी थी. इसके बावजूद बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रोहित शर्मा को ही अपना लीडर चुना और उन पर भरोसा जताया. हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद रोहित शर्मा को अपना फ्यूचर प्लान बीसीसीआई को बताना होगा. रोहित शर्मा अब अपने करियर के अंतिम दौर में हैं. अप्रैल 2025 में रोहित 38 साल के हो जाएंगे और उनके संन्यास लेने की खबरें अक्सर तूल पकड़ती हैं. अब बीसीसीआई ने सख्ती दिखाते हुए रोहित से जवाब मांग लिया है.

क्या चैंपियंस ट्रॉफी के बाद संन्यास ले लेंगे रोहित शर्मा?

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स साल 2027 के वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग करना चाहते हैं. ऐसे में रोहित शर्मा का स्टैंड भी क्लियर होना चाहिए. माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के बाद टीम इंडिया बदलाव के दौर से गुजर सकती है. रोहित शर्मा का फ्यूचर भी चैंपियंस ट्रॉफी पर निर्भर रहेगा. उन्हें इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करना होगा. टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद रोहित शर्मा को अपना फ्यूचर प्लान बीसीसीआई के सामने रखना पड़ेगा. अब ये तो वक्त ही बताएगा कि रोहित शर्मा का करियर चैंपियंस ट्रॉफी के बाद किस तरफ मुड़ता है? क्या वो संन्यास ले लेंगे या फिर आगे भी खेलना जारी रखेंगे?

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'सेलेक्टर्स ने इस मामले को लेकर रोहित से पिछली मीटिंग के दौरान चर्चा की थी. रोहित को कहा गया था कि उन्हें ये फैसला लेना होगा कि वो चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने फ्यूचर को किस तरह से देखते हैं. क्योंकि टीम मैनेजमेंट ने आने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए कुछ प्लानिंग की है. टीम मैनेजमेंट सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी लोग एक सहज बदलाव के लिए एक ही पेज पर हों'.

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले वनडे सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

टीम इंडिया 20 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी. इससे पहले 6 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज शुरू हो रही है. वनडे सीरीज में भी टीम इंडिया की कमान रोहित के हाथों में हैं. रोहित के सामने इस सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन करने की चुनौती होगी.

क्या इस सीजन खेलेंगे तेज गेंदबाज मयंक यादव?

फिटनेस को लेकर जहीर खान ने दिया अपडेट

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी का हर किसी को इंतजार है। क्रिकेट में डेब्यू के बाद अपनी स्पीड के दम पर अचानक सुर्खियों में आने वाले मयंक की फिटनेस को लेकर पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटॉर जहीर खान ने बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने संकेत दिया कि टीम मयंक को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस लाने को लेकर जल्दी में नहीं है और इसके बजाय वह यह सुनिश्चित कर रही है कि बिना किसी ब्रेक के उन्हें लंबे समय तक खिलाया जा सके।

जहीर ने कहा कि एनसीए के साथ मिलकर मयंक की रिकवरी के लिए रोडमैप पर काम किया जा रहा है। जहीर ने कहा, 'एनसीए के साथ उनकी रिकवरी और फिटनेस के रोडमैप पर हमारी काफी बातचीत हुई है। इसलिए हम उनके साथ काम कर रहे हैं। हमें उनसे सहयोग की भी उम्मीद है, क्योंकि वह न केवल एलएसजी के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि वह भारतीय क्रिकेट के लिए भी बहुत जरूरी हैं।'

'चोट से लगातार जूझते रहे हैं मयंक

इस तेज गेंदबाज का पिछले साल चोटों से गहरा नाता रहा। अपने पहले तीन में से दो आईपीएल मैचों में 'प्लेयर ऑफ द मैच' बनकर सुर्खियां बटोरने वाले मयंक ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था।

बांग्लादेश के खिलाफ अपने पहले मैच के दौरान उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में लगातार 145 किमी प्रति घंटे की स्पीड से बॉलिंग की और चार विकेट लेकर सीरीज समाप्त की।

मयंक को एलएसजी ने किया है रिटेन

भारतीय टीम के साथ उनके भविष्य को लेकर उत्साह और फैंस का उन्हें और जसप्रीत बुमराह को एक साथ देखने का सपना अभी-अभी जोर पकड़ रहा था, लेकिन पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 मैच से पहले उन्हें एक बार फिर चोट लग गई। इसके बाद से ही वो इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उनकी क्षमता को देखते हुए एलएसजी ने मेगा ऑक्शन के दौरान उन्हें बनाए रखने के लिए 11 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट किया।

ऑस्ट्रेलिया को लग सकता है डबल झटका

मार्श के बाद पैट कमिंस भी हो सकते हैं चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

मेलबर्न, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया सहित सभी आठ टीमों की निगाहें सिर्फ चैंपियंस ट्रॉफी पर टिकी हुई हैं. सभी टीमों ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है. हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत से पहले ऑस्ट्रेलिया को डबल झटका लग सकता है. स्टार ऑल राउंडर मिचेल मार्श पहले ही बैक इंजरी के चलते इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. वहीं अब मार्श के बाद ऑस्ट्रेलिया का एक और दिग्गज खिलाड़ी इस टूर्नामेंट से बाहर हो सकता है. ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस पर चोट के चलते बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है.

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं कमिंस

पैट कमिंस बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद से टखने की चोट से जूझ रहे हैं. अभी तक वो इस चोट से उबर नहीं पाए हैं. कमिंस जल्द ही इस चोट से ठीक नहीं होते हैं तो उनके हाथ से चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने का सुनहरा मौका निकल जाएगा. ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का भी मानना है कि कमिंस के चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने की संभावना कम है. अगर ऐसा होता है तो ये ऑस्ट्रेलिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे बड़ा झटका होगा. क्योंकि कमिंस ऑस्ट्रेलिया के कप्तान होने के अलावा एक ऑल राउंडर की भूमिका भी निभाते हैं. वो तेज गेंदबाजी करने के अलावा निचले क्रम में बैटिंग में भी टीम को मजबूती देते हैं.

कमिंस नहीं तो कौन करेगा कप्तानी?

यदि एंकल इंजरी के चलते कमिंस को बाहर का रास्ता देखना पड़ता है तो फिर सबसे बड़ा सवाल ये है कि ऑस्ट्रेलिया की कमान चैंपियंस ट्रॉफी में कौन संभालेगा? इसके सबसे बड़े दावेदार हैं स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड. इस रेस में स्मिथ, हेड से आगे हैं.

स्मिथ पहले भी ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी कर चुके हैं और मौजूदा श्रीलंका दौरे पर भी स्मिथ ही ऑस्ट्रेलिया की कमान संभाल रहे हैं.

श्रीलंका दौरे से भी बाहर हैं कमिंस

भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद पैट कमिंस को एंकल इंजरी का सामना करना पड़ा था. इसके चलते वो श्रीलंका दौरे से भी बाहर हो गए थे. इसके अलावा उन्होंने दूसरी बार पिता बनने के कारण भी इस दौरे से खुद को दूर कर लिया था. इसके बाद स्टीव स्मिथ को श्रीलंका दौरे के लिए कप्तान बनाया गया था. यहां दोनों टीमें दो टेस्ट के बाद दो वनडे मैच भी खेलेगी. पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया था. 6 फरवरी से दूसरे टेस्ट की शुरुआत होगी. इसके बाद वनडे सीरीज खेली जाएगी.

15 साल की माया मुंबई ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

बेलारूस की श्यामनोविच को हराया

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की उभरती हुई टेनिस खिलाड़ी 15 वर्षीय माया राजेश्वरन रेवती ने एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेलारूस की इरिना श्यामनोविच को सीधे सेटों में हराकर अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की की। माया ने शानदार परिपक्वता दिखाते हुए अपने से अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी।

वाइल्ड कार्ड धारक भारतीय खिलाड़ी अंकिता रैना ने हमवतन वैष्णवी अडकर पर दबदबा बनाते हुए 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की एलेना प्रिडांकिना को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराया। स्लोवाकिया की तीसरी वरीयता प्राप्त अन्ना कैरोलिना श्मीडलोवा ऑस्ट्रेलिया की टीना स्मिथ की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रही। श्मीडलोवा ने पहला सेट गंवाने के बाद 6-7, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। जापान की माई होनटामा ने छठी वरीयता प्राप्त हमवतन नाओ हिबिनो को कड़े मुकाबले में 7-6, 6-4 से हराकर उलटफेर किया।

गुजरात जायंट्स को मिला नया कप्तान

गार्डनर के हाथ में टीम की कमान

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के आगामी सीजन के लिए गुजरात जायंट्स का नया कप्तान बनाया गया है। उन्होंने नए कप्तान के रूप में हमवतन बेथ मूनी की जगह ली है। लीग की शुरुआत से ही गार्डनर गुजरात की टीम का अहम हिस्सा रही हैं। उन्होंने पिछले दो सीजन में 324 रन बनाए और गेंद से भी कमाल दिखाते हुए 17 विकेट झटके।

कप्तान बनने पर गार्डनर ने क्या कहा

गुजरात का कप्तान नियुक्त किए जाने पर गार्डनर ने कहा, 'गुजरात जायंट्स का कप्तान बनाया जाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनना बहुत पसंद है और मैं आगामी सीजन में इस शानदार टीम को लीड करने के लिए उत्साहित हूं। हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिक्स-अप है और हमारी टीम में भारतीय टैलेंट भरा हुआ है। मैं टीम के साथ काम करने और अपने फैंस को गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हूं।' ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक गार्डनर दो बार की बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड विजेता हैं। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर कंगारू टीम को 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी रही थीं।

गार्डनर की नियुक्ति पर टीम के हेड कोच माइकल क्लिंगर ने कहा, 'वह एक कड़ी कॉम्पिटीटर हैं। उनकी मैच को लेकर जागरूकता, स्किल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें गुजरात जायंट्स की कप्तानी के लिए बेहतर ऑप्शन बनाती है। हमें विश्वास है कि वह आगे बढ़कर टीम को लीड करेंगी और टीम को एक सफल अभियान की ओर ले जाएंगी।'

एकल छोड़ मिश्रित युगल में सफलता हासिल कर रहे सतीश और आद्या

डेढ़ साल के अंदर 33वें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली, 5 फरवरी (एजेंसियां)। क्या होता है जब दो एकल खिलाड़ी युगल में एक साथ खेलते हैं? इसका फायदा भी हो सकता है और नुकसान भी लेकिन सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ के लिए यह कदम शानदार साबित हुआ क्योंकि वे अब भारतीय बैडमिंटन की शीर्ष मिश्रित युगल जोड़ी हैं। सतीश और आद्या की जोड़ी 2023 में विश्व रैंकिंग में 432वें स्थान से डेढ़ साल के भीतर 33वें स्थान पर पहुंच गई।

चार फरवरी 2023 को सतीश और आद्या ने ईरान इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीता। इसके ठीक एक साल बाद इस जोड़ी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। तमिलनाडु के सतीश ने इसके बाद उत्तराखंड के सूर्याक्ष रावत को 21-17, 21-17 से हराकर पुरुष एकल का भी स्वर्ण पदक जीता। सतीश और आद्या ने इसके अलावा अजरबेजान और युगांडा में खिताब जीते लेकिन पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहे।

पिछले साल अप्रैल से दोनों मलयेशियाई कोच जीवननाथन नायर के मार्गदर्शन में क्वालालंपुर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। हालांकि वीजा सीमाओं के कारण वे वहां एक महीने से अधिक नहीं रह सकते जिसका अर्थ है कि उन्हें अक्सर यात्रा करनी पड़ती है। तैराक के रूप में शुरुआत करने के बाद अपने बड़े भाई अरुण कुमार को देखकर 12 साल की उम्र में बैडमिंटन की ओर रुख करने वाले सतीश ने हाल ही में कहा कि हम केवल डेढ़ साल से साथ हैं। भारत में मेरी कुछ पारिवारिक समस्याएं थी इसलिए मुझे मलयेशिया जाना पड़ा।

आद्या ने कहा, इसलिए पिछले अप्रैल से हमने क्वालालंपुर में प्रशिक्षण लेने की कोशिश की है। यदि दो सप्ताह से अधिक की ट्रेनिंग होती है तो हम क्वालालंपुर जाते हैं। अन्यथा, हम भारत के किसी एक केंद्र में एक सप्ताह की ट्रेनिंग करते हैं। तेइस वर्षीय आद्या ने कहा कि वे दीर्घकालिक वीजा के लिए प्रयास कर रहे हैं जिससे कि वे बार-बार यात्रा करने की चिंता किए बिना मलयेशिया में ट्रेनिंग कर सकें।

उन्होंने कहा, हम अधिकतर बंगलूरू में ट्रेनिंग लेते हैं क्योंकि मेरा घर बंगलूरू में है। कभी-कभी वह कोयंबटूर जाता है इसलिए हम बारी-बारी से ऐसा करते हैं। आद्या ने कहा, अगर हम पूरी तरह से क्वालालंपुर में जा पाएं तो यह आदर्श स्थिति होगी। हम दीर्घकालिक वीजा हासिल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हम प्रयास कर रहे हैं लेकिन अभी तक सफल नहीं हो पाए हैं। क्योंकि एकमात्र विकल्प कामकाजी वीजा है और कामकाजी वीजा के साथ हम इस तरह टूर्नामेंट के लिए यात्रा नहीं कर सकते क्योंकि आप केवल 90 दिन के लिए मलयेशिया से बाहर रह सकते हैं। आद्या अब केवल मिश्रित युगल खेलती हैं जबकि सतीश एकल और युगल दोनों में प्रतिस्पर्धा कर रहे है और उन्होंने कुछ सफलता भी हासिल की है। चेन्नई के 23 वर्षीय सतीश ने 2023 में ओडिशा मास्टर्स के रूप में अपना पहला सुपर 100 खिताब हासिल किया और पिछले दिसंबर में गुवाहाटी मास्टर्स में एक और सुपर 100 खिताब जीता। सतीश ने कहा, मुझे अपनी टीम को श्रेय देना चाहिए। मैं दो स्पर्धाओं में खेल रहा हूं जो आसान नहीं है लेकिन वे मेरा ख्याल रख रहे हैं। मेरे कोच जीवा और मेरे ट्रेनर वरुण सुरेश मेरा ख्याल रख रहे हैं। हम मलयेशिया में एशिया बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग कर रहे हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले 17 में से 13 खिलाड़ियों का करियर खत्म

चैंपियन बनने के बाद दोबारा नहीं मिला मौका!

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान करने वाली आखिरी टीम रही. कुछ दिनों पहले ही पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय दल का ऐलान किया है. हालांकि इस टीम में सिर्फ तीन ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे थे. तब पाकिस्तान की 17 सदस्यीय टीम थी. हालांकि अब आठ साल बाद उनमें से 14 खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में मौका नहीं मिला. कुछ खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है तो कुछ खिलाड़ी लंबे समय से पाकिस्तान की टीम से बाहर चल रहे हैं. एक खिलाड़ी ऐसा है जो अभी युवा है और उसका अभी लंबा करियर बचा है. इसके बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले 17 में से 13 खिलाड़ियों का करियर खत्म हो चुका है.

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले 17 में से 13 खिलाड़ियों का करियर खत्म!

शादाब खान साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पाकिस्तानी टीम में शामिल थे. लेकिन उन्हें इस बार स्क्वाड में जगह नहीं मिली. 26 साल के शादाब पाकिस्तान के लिए तीनो फॉर्मेट में खेल चुके हैं. उनके पास अभी एक लंबा करियर बचा हुआ है. उनके अलावा अन्य प्लेयर्स की बात करें तो सरफराज अहमद साल 2017 के दौरान पाकिस्तान के कप्तान थे. उन्हीं की कप्तानी में पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी. हालांकि 2021 से सरफराज ने कोई वनडे नहीं खेला है. 33 साल के अहमद शहजाद ने भी 2017 के बाद से कोई वनडे नहीं खेला. अजहर अली ने साल 2022 में संन्यास ले लिया था. सोहेल हैरिस को 2023 के बाद से वनडे टीम में मौका नहीं मिला. उमर अकमल 2019 से वनडे टीम से बाहर हैं.

स्पिनर इमाद वसीम ने अपना आखिरी वनडे 2020 में खेला था. मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक जैसे दिग्गज पाकिस्तानी खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं. मोहम्मद आमिर ने दिसंबर 2024 में संन्यास लिया था. वहाब रियाज ने 2023 में संन्यास की घोषणा की थी. रूमान रईस का वनडे करियर सिर्फ 9 वनडे मैचों में सिमट कर रह गया. 30 साल के तेज गेंदबाज हसन अली 2023 से वनडे टीम से बाहर हैं और एक अन्य तेज गेंदबाज जुनैद खान ने साल 2019 में अपना आखिरी वनडे खेला था. जुनैद की गिनती अब पूर्व खिलाड़ियों में होती हैं.

साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले 17 में से सिर्फ 3 खिलाड़ी पाकिस्तान की टीम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए शामिल किए गए हैं. इनमें बाबर आजम, फहीम अशरफ और फखर जमान का नाम हैं. तीनों खिलाड़ी आठ साल बाद एक बार फिर से अपने देश के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते हुए नजर आएंगे.

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले पीसीबी को आईसीसी से मिली बड़ी राहत, दूर हो गई सबसे बड़ी टेंशन!

इस्लामाबाद, 5 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी का आगाज होने में अब गिने-चुने दिन बचे हैं। 19 फरवरी से इस टूर्नामेंट का आगाज हो जाएगा। इस टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को बड़ी राहत मिली है, जहां उसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के साथ ट्राई-नेशन सीरीज के लिए लाहौर और कराची के मैदानों का इस्तेमाल करने की परमिशन दे दी है।

बता दें कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए स्टेडियम तैयार करने की रेस में पीसीबी इस समय पिछड़ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मेगा इवेंट के शुरू होने में अब सिर्फ दो सप्ताह से भी कम का समय बचा है, लेकिन इसके बावजूद दोनों स्टेडियम में निर्माण कार्य अभी भी चल रहा है। हालांकि पीसीबी को उम्मीद है कि स्टेडियम समय पर तैयार हो जाएंगे।

ट्राई नेशन सीरीज पहले मुल्तान में आयोजित होनी थी, लेकिन बाद में इसे कराची और लाहौर में ट्रांसफर कर दिया गया। आईसीसी के नियमों के अनुसार, क्रिकेट की सबसे बड़ी संस्था किसी आईसीसी टूर्नामेंट से तीन सप्ताह पहले स्टेडियम का कंट्रोल अपने पास लेता है। हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बोर्ड ने पीसीबी को स्पेशल छूट दी है। इससे पाकिस्तान को मेगा इवेंट के लिए स्टेडियम तैयार करने में मदद मिलेगी। इस सीरीज के बाद ही आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए स्टेडियम को पूरी तरह अपने कंट्रोल में लेगा।

8 फरवरी से शुरू होगी सीरीज

बता दें कि ट्राई-नेशन सीरीज 8 फरवरी से शुरू होगी, जिसका फाइनल 14 फरवरी को होगा। इस बीच चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान के कराची, लाहौर और रावलपिंडी में आयोजित होगी, जबकि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

पिछली सरकार ने बीसी के लिए कुछ नहीं किया : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कांग्रेस सरकार से राज्य के 56 प्रतिशत गरीब जाति समुदायों के साथ न्याय करने और बीसी जाति गणना पर साजिशों को पलटने का आह्वान किया है, जो कई वर्षों से अन्याय सह रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी ने बीसी के लिए कुछ नहीं किया है और उस पार्टी के विधायकों ने विधानसभा और विधान परिषद में वॉकआउट किया और बीसी का अपमान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति जनगणना राहुल गांधी का विचार था और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इसे संभव बनाया और इतिहास रचा। हाल ही में तेलंगाना सरकार के सामाजिक, आर्थिक, रोजगार, शिक्षा, राजनीतिक और जाति सर्वेक्षण - 2024 की घोषणा के जारी होने के अवसर पर पीसीसी प्रमुख बोम्मा महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मंत्री कोंडा सुरेखा ने सरकारी सचेतक बिड़ला इलैया, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अध्यक्ष वीरलापल्लीया शंकरैया, एमएलसी एग्गे मल्लेशम के साथ पत्रकारों से बात की।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि पिछले कुछ दशकों में राज्य में बीसी की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन सामाजिक न्याय नहीं मिल पा रहा है. अवेदाना ने व्यक्त किया कि पिछली सरकार को बीसी की पूरी तरह से परवाह नहीं थी। उन्होंने कहा कि उस समस्या को हल करने के लिए उनके सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में बीसी जाति जनगणना की गई। अखिल भारतीय कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जाति गणना राहुल गांधी की सोच से की गई है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने जाति गणना संबंधी बयान पर विधानसभा और विधानमंडल में चर्चा की अनुमति दे दी है।

उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है क्योंकि जब इतने महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो रही थी तो बीआरएस विधायिका के सदस्य बैठक के बीच में ही चले गये। सुरेखा ने उन्हें याद दिलाया कि इस अधिनियम के माध्यम से, वे समझ जाएंगे कि उनके मन में बीसी के लिए कितना प्यार है। क्या आपने बीआरएस शासन के दौरान व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण आयोजित करके बीसी के लिए कुछ किया? उसने पूछा. क्या उन्होंने कम से कम व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की है?

ऐसा माना गया था। बीसी के लिए अपनी सरकार के प्रयासों को दरकिनार करने के लिए, बीआरएस अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से जाति जनगणना पर नकारात्मक प्रचार फैला रहा है। हालाँकि, सुरेखा ने कहा कि यदि जाति गणना के कार्यान्वयन को अवरुद्ध किया जाता है, तो बीसी को नुकसान होगा।

चेरुवुगट्टू ब्रह्मोत्सव में उमड़ी भारी भीड़

नलगोंडा, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को श्री पार्वती जदला रामलिंगेश्वर स्वामी के ब्रह्मोत्सव के लिए नलगोंडा जिले के चेरुवुगट्टू मंदिर की ओर जाने वाले सभी रास्ते बंद हो गए। इस समारोह को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं, क्योंकि श्रद्धालु मुख्य देवता को पवित्र चावल चढ़ाने के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहे थे।

पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। मंदिर में केवल अधिकृत वाहनों को ही जाने की अनुमति थी। उपस्थित लोगों में नकरेकल के विधायक वेमुला वीरेशम और उनकी पत्नी शामिल थे, जबकि कई अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष अवसर पर देवताओं की पूजा में शामिल हुए। श्री पार्वती जदला रामलिंगेश्वर स्वामी का कल्याणोत्सव ब्रह्मोत्सव के हिस्से के रूप में सुबह के समय किया गया।

विदेशी नागरिक जॉन्सन 1.60 करोड़ रुपए के ड्रग समेत गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस - एचन्यू टीम से मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर, लैंगरहाउस पुलिस और एचन्यू ने एक विदेशी नागरिक ड्रग सप्लायर ऑलिवर उर्फ जॉन्सन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से ड्रग एमडीएमए वजन 1300 ग्राम और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। बरामद सामान का मूल्य कुल 1.60 करोड़ रुपये है। पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स/एच-न्यू हैदराबाद सिटी वाई.वी.एस.सुधींद्र ने बताया कि ऑलिवर उर्फ जॉनसन इमो स्टेट, नाइजीरिया, निवासी है और मौजूदा समय में नालासोपारा ईस्ट नाइनटी फीट रोड, मुंबई में रह रहा है। ड्रग सप्लायर ओलिवर उगोचुकु उर्फ जॉनसन का जन्म और पालन-पोषण ओरसू, इमो राज्य, नाइजीरिया संघीय गणराज्य में हुआ था। उसने 6वीं कक्षा में अपनी स्कूली शिक्षा छोड़ दी थी। शुरुआत में वह नाइजीरिया में अपने भाई की प्रोविजन शॉप में काम करता था। वर्ष 2008 में उसने पासपोर्ट प्राप्त किया। 19 फरवरी 2009 को बिजनेस वीजा पर वह नई दिल्ली, भारत आया। शुरुआत में उसने कॉस्मेटिक्स/कपड़ों का व्यवसाय किया लेकिन वह अपनी आजीविका नहीं चला पाया। फिर उसने अन्य नाइजीरियाई लोगों के साथ दोस्ती की जो ड्रग तस्करी कर रहे थे और आसानी से पैसा कमा रहे थे और ऐशो-आराम कर रहे थे। तब से उसने नई दिल्ली में ड्रग तस्करी करना शुरू कर दिया। वर्ष 2009 में उसका वीजा समाप्त हो गया वर्ष 2013 में उसे दिल्ली के लोधी कॉलोनी पुलिस स्टेशन ने हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसके लिए वह 5 साल 9 महीने जेल में रहा था। जेल से बाहर आने के बाद, वर्ष 2019 में वह नई दिल्ली से मुंबई के नालासोपारा में रहने लगा। अपने जीवनयापन के लिए उसने फिर से मुंबई में ड्रग का कारोबार करना शुरू कर दिया और मुंबई और बैंगलोर में अन्य नाइजीरियाई लोगों को नशीले पदार्थो की आपूर्ति करने लगा। वह जरूरत के आधार पर थोक में ड्रग खरीदता था, यानी, ओयिबो नाम के नाइजीरियाई से 1 किलोग्राम या 2 किलोग्राम, दिल्ली में 300 रुपये प्रति ग्राम की दर से सस्ती दर पर और इसे मुंबई, हैदराबाद और बैंगलोर में अन्य नाइजीरियाई लोगों को 600 से 1000 रुपये प्रति ग्राम में बेचकर आसानी से पैसा कमाता था। इस प्रकार दो फरवरी को ड्रग सप्लायर ओयिबो ने उसे 1300 ग्राम ड्रग सप्लाई करने का निर्देश दिया। तदनुसार ओलिवर उगोचुकु 1300 ग्राम वजन वाली एमडीएमए ड्रग लेकर हैदराबाद पहुंचा और ओयिबो से आगे के निर्देशों का इंतजार करने नलगा। इसी बीच उसे गिरफ्तार किया गया।

कानूनी रणनीति बनाने पर कर रहे विचार

दलबदलू विधायकों ने अयोग्यता नोटिस के बाद की मीटिंग

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए 10 विधायकों ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई, जब तेलंगाना विधानसभा सचिव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उनके खिलाफ अयोग्यता याचिका पर नोटिस भेजा। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र के आवास पर हुई बैठक में कानूनी रणनीतियों और सर्वोच्च न्यायालय तथा विधानसभा अधिकारियों के प्रति प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दलबदलू विधायकों - दानम नागेंद्र, कदियम श्रीहरि, तेलम वेंकट राव, गुडेम महिपाल रेड्डी, काले यादैया, बंदला कृष्णमोहन रेड्डी, प्रकाश गौड़, एम संजय कुमार, अरेकापुडी गांधी और पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी - को 4 फरवरी को नोटिस मिले थे। बैठक में सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी भी मौजूद थे।

सूत्रों से पता चलता है कि विधायक जवाब देने से पहले दिल्ली में कानूनी सलाह लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर चर्चा की कि क्या विधानसभा सचिव से उनके जवाब के लिए अतिरिक्त समय मांगा जाए। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अयोग्यता याचिका पर कार्रवाई न किए जाने के बाद बीआरएस ने दलबदलू विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, अदालत ने बीआरएस के खिलाफ फैसला सुनाया, जिसके बाद पार्टी को सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना पड़ा। सर्वोच्च न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया, जिसके कारण विधायक अब अपने बचाव के लिए कई तरह के उपाय करने में जुट गए हैं।

अपना नाम बदल लें राहुल गांधी : केटीआर

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग आरक्षण वृद्धि पर यू-टर्न लेने के बाद, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि पार्टी ने साबित कर दिया है कि उसकी सभी गारंटी, वादे और घोषणाएं राजनीतिक दिखावा मात्र हैं। उन्होंने कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी को अपना नाम बदलकर 'चुनावी गांधी' रखने का सुझाव दिया।

कांग्रेस के पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र को शत-प्रतिशत झूठ और पूरी तरह से दिखावा बताते हुए, रामा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता नहीं है।

गुम्माडीडाला में आधी रात को ड्रामा

जीएचएमसी ने की चुपचाप डंप यार्ड बनाने की कोशिश

संगारेड्डी, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के बावजूद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों ने गुम्माडीडाला मंडल के प्यारा नगर में डंप यार्ड का निर्माण शुरू कर दिया। विरोध के डर से जीएचएमसी अधिकारियों ने मंगलवार आधी रात को निर्माण कार्य शुरू कर दिया, जिससे विवाद खड़ा हो गया। सूचना मिलने पर कई स्थानीय बीआरएस और कांग्रेस नेता काम रोकने के लिए मौके पर पहुंचे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और पुलिस थानों में ले जाया गया।

घटना के बाद तनाव फैल गया, क्योंकि प्यारा नगर और नल्लावली गांवों से बड़ी संख्या में लोग काम रोकने के लिए मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि डंप यार्ड से स्थानीय स्तर पर पर्यावरण प्रदूषण होगा, जिससे उनका जीवन मुश्किल हो जाएगा।

जीएचएमसी ने कचरा डंप करने के लिए बड़ी संख्या में वाहन मंगवाए थे। इस बीच, जीएचएमसी के अधिकारी लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए गुम्माडीडाला में सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

अपराध मामलों की जांच में आईटी सेल की भूमिका सराहनीय : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा कि पुलिस आयुक्तालय में जटिल अपराध मामलों की जांच में आईटी सेल की भूमिका सराहनीय है। मंगलवार को आईटी सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक विशेष समीक्षा बैठक में बोलते हुए उन्होंने हत्या के मामलों, संपत्ति अपराधों, चेन स्नैचिंग, वाहन चोरी, मोबाइल चोरी और सड़क दुर्घटनाओं जैसे कई जटिल मामलों की जांच में तेजी लाने में तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए आईटी सेल टीम की सराहना की।

सुधीर बाबू ने कहा कि आईटी सेल के कुशल कामकाज के कारण, तकनीकी साक्ष्य के संग्रह के माध्यम से कम से कम समय में कई जटिल अपराधों में वास्तविक संदिग्धों को पकड़ना संभव हो पाया है और अपराधियों को दंडित किया जा रहा है।

उन्होंने सुझाव दिया कि नागरिकों के बीच सीसीटीवी कैमरों के महत्व को और अधिक प्रचारित किया जाना चाहिए और पहले से लगाए गए कैमरों को ठीक से काम करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन का आश्वासन

डंप यार्ड निर्माण का ग्रामीणों ने किया था विरोध

संगारेड्डी, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अतिरिक्त आयुक्त (परिवहन और स्वच्छता) सीएन रघु प्रसाद ने कहा कि प्यारानगर में एकीकृत नगर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन स्थल पर अपशिष्ट का उपचार यूरोपीय तकनीक का उपयोग करके किया जाएगा और इससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा। मंगलवार रात जब जीएचएमसी के अधिकारी डंप यार्ड का निर्माण शुरू करने के लिए कचरा ले जाने वाले वाहनों के साथ प्यारानगर पहुंचे, तो ग्रामीणों ने इस कदम का कड़ा विरोध किया। पुलिस ने प्यारानगर और नल्लवल्ली के 45 ग्रामीणों को हिरासत में ले लिया और भारी संख्या में पुलिस तैनात करके अपना काम फिर से शुरू कर दिया।

बुधवार को गुम्माडीडाला में समाचार संवाददाताओं से बात करते हुए रघु प्रसाद ने कहा कि उनकी 2008 से प्यारानगर में डंप यार्ड स्थापित करने की योजना थी। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने 2015 में राजस्व विभाग से 150 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था। अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि उन्होंने 2023 तक सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली हैं और औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं चूंकि उन्हें साइट तक पहुंचने के लिए एक एप्रोच रोड बनाने की जरूरत है, इसलिए उन्होंने कहा कि डंप यार्ड के काम में थोड़ी देरी हुई है। जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त ने कहा कि वे हर दिन 130 ट्रकों को जोड़कर 2,000 ट्रक कचरा डंप करेंगे। कार्यकारी अभियंता श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि यहां इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक जवाहर नगर डंप यार्ड की तुलना में कहीं अधिक उन्नत होगी। उन्होंने कहा कि यह किसी भी बदबू को बाहर नहीं निकलने देता है और कोई भी कचरा खुले में नहीं फेंका जाएगा। उन्होंने कहा कि कचरे को आधुनिक वाहनों में ले जाया जाएगा जो तेल टैंक की तरह दिखेंगे। संपीड़ित कचरे को टैंक में ले जाया जाएगा। कचरे को बंकरों में डंप किया जाएगा। यार्ड में 48 मेगावाट का अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाला बिजली संयंत्र होगा।

चेरलापल्ली में बुझाई गई आग

16 करोड़ रुपये तक की संपत्ति का नुकसान

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चेरलापल्ली औद्योगिक क्षेत्र में सर्वोदय सॉल्वेंट केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग पर बुधवार तड़के कई घंटों की मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियों के साथ ही दर्जनों अग्निशमन कर्मियों और स्थानीय पुलिस ने कड़ी मशक्कत की। मंगलवार शाम करीब 6 बजे लगी आग पर बुधवार सुबह करीब 3 बजे काबू पा लिया गया। फैक्ट्री में केमिकल रिएक्टर में विस्फोट हो गया, जिससे चार मंजिला इमारत ढह गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। आग आसपास के उद्योगों में फैल गई, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

फैक्ट्री से घना धुआं निकलने लगा और उसके बाद आग की तेज लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोग इस डर से अपने घरों से बाहर निकल आए कि कहीं आग रिहायशी इलाकों में न फैल जाए। सूचना मिलने पर आसपास के दमकल केंद्रों से दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और फैक्ट्री को घेर लिया। स्थानीय पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। फैक्ट्री के अंदर रखे केमिकल बैरल एक के बाद एक फटने लगे, जिससे कुछ देर के लिए आग बुझाने का काम बाधित हुआ। नुकसान की गई संपत्ति की कीमत करीब 16 करोड़ रुपये आंकी गई है।

टीईसी की संगोष्ठी आज

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूजीसी विनियम 2025 के मसौदे के निहितार्थों पर विचार-विमर्श करने के लिए, तेलंगाना शिक्षा आयोग (टीईसी) 6 फरवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 5.30 बजे तक "यूजीसी विनियम - राज्य विश्वविद्यालयों में हस्तक्षेप' शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

प्रोफ़ेसर डी नरसिम्हा रेड्डी, प्रोफ़ेसर एम कोडंडारम, प्रोफ़ेसर जी हरगोपाल, प्रोफ़ेसर सुलेमान सिद्दीकी, प्रोफ़ेसर शांता सिन्हा, प्रोफ़ेसर टी तिरुपति राव, प्रोफ़ेसर एस सत्यनारायण, प्रोफ़ेसर राम मेलकोटे और प्रोफ़ेसर पीएल विश्वेशर राव सहित शिक्षाविद्, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के साथ इस संगोष्ठी में भाग लेंगे।

मशहूर भारतीय टेनिस खिलाड़ी सैयद आसिफ कादरी का निधन

हैदराबाद, 5 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के रहने वाले दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी सैयद आसिफ कादरी का सोमवार (3 फरवरी) को अमेरिका के कैलिफोर्निया के रोजामोंड में निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। वे 88 वर्ष के थे और उनकी दो बेटियां हैं। आसिफ कादरी सेप्सिस के कारण जटिलताओं से पीड़ित थे।

भारतीय खेलों में एक अद्वितीय प्रतिभा और एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में जाने जाने वाले कादरी अपने पीछे टेनिस के क्षेत्र में अग्रणी, एक दूरदर्शी उद्यमी और एक प्यारे पारिवारिक व्यक्ति के रूप में विरासत छोड़ गए हैं।

19 नवंबर, 1936 को हैदराबाद में जन्मे सैयद आसिफ कादरी का नाम 1950 और 1960 के दशक में टेनिस में उत्कृष्टता का पर्याय बन गया था। उन्होंने हैदराबाद और मैसूर राज्यों में नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में कोर्ट पर अपना दबदबा बनाया और पूरे भारत में नंबर 2 स्थान पर रहे।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 1954 में मिली जब उन्होंने प्रतिष्ठित विंबलडन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कादरी के कौशल, सटीकता और खेल भावना ने भारतीय टेनिस को वैश्विक पहचान दिलाई और अनगिनत एथलीटों को प्रेरित किया।

सैयद आसिफ कादरी को बुधवार को कैलिफोर्निया के रोजामंड में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.